भाजपा ने नीतीश को हाईजैक किया, राजग जीती तो नहीं बनेंगे मुख्यमंत्री : तेजस्वी
- 7

ब्रिटेन और जर्मनी को छूट तो भारत पर निशाना क्यों
- 10

अमेरिकी दावा, भारत ने रूस से तेल का आयात कम करना शुरू किया
- 11

रविंद्र जडेजा की मौजूदगी से मध्य प्रदेश के खिलाफ सौराष्ट्र मजबूत स्थिति में
- 12

आज का मौसम

31.0° अधिकतम तापमान

16.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.19

सूर्यास्त 05.33

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्थी 03:48 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 25 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 335, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

बुकर फाउंडेशन ने नए चिल्ड्रन पुरस्कार की शुरूआत की

लंदन। बुकर प्राइज फाउंडेशन ने शुक्रवार को काल्पनिक कहानियों के लिए एक नया 'चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार' शुरू करने की घोषणा की जिसका चयन बाल और वयस्क निर्णायकों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार प्रदान करने वाले बुकर प्राइज फाउंडेशन ने कहा कि इस पुरस्कार के पहले संस्करण के नामांकन की शुरूआत 2026 में होगी और 2027 से यह प्रतिवर्ष प्रदान किया जाएगा। इसके तहत विजेता को 50,000 पाउंड (करीब 59 लाख रुपये) दिया जाएगा।

दिल्ली: चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के चार स्कूलों को शुक्रवार सुबह बम की धमकी भरे ईमेल मिले, जिसके बाद अधिकारियों को पूरी जांच के लिए परिसरों को तुरंत खाली कराना पड़ा। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि चार स्कूलों को मिले बम की धमकी वाले ईमेल जांच के बाद फर्जी निकले। विभाग के अनुसार, द्वारका के सेक्टर 16 स्थित सीआरपीएफ स्कूल में बम रखे होने की धमकी के संबंध में फोन पर पहली सूचना सुबह 8.15 बजे मिली। नांगलोई के संत दर्शन पब्लिक स्कूल से सुबह 8.20 बजे फोन पर इसी तरह की सूचना मिली।

विकास कार्यों को मिलेगी गति, पीडब्ल्यूडी अफसरों के वित्तीय अधिकार 5 गुना बढ़ाए

मुख्यमंत्री योगी ने वर्ष 1995 के बाद पहली बार किया वित्तीय सीमाओं का पुनर्निर्धारण

- मुख्य अभियंता 10 करोड़ तो अधीक्षण अभियंता पांच करोड़ रुपये तक के स्वीकृत करेंगे कार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग में 30 वर्ष बाद एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए विभागीय अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में पांच गुना तक वृद्धि की है। अब मुख्य अभियंता को 10 करोड़ तो अधीक्षण अभियंता को पांच करोड़ रुपये तक के कार्य स्वीकृत करने का अधिकार होगा। यह कदम प्रदेश में विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन को गति देने और प्रशासनिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा सुधार माना जा रहा है।

आवास पर शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सीएम ने कहा कि वर्ष 1995 में तय किए गए वित्तीय अधिकार अब वर्तमान परिस्थितियों में अप्रासंगिक हो चुके हैं। पिछले तीन दशकों में निर्माण लागत में पांच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। इसलिए, अधिकारियों को अधिक वित्तीय स्वायत्तता प्रदान करना समय की मांग है ताकि निर्णय प्रक्रिया तेज हो और कार्य समय पर पूरे किए जा सकें। बैठक में प्रमुख सचिव (पीडब्ल्यूडी) अजय चौहान की ओर से वित्तीय सीमाओं को लेकर दिए गए प्रस्तुतीकरण और गहन विचार-विमर्श के बाद मुख्यमंत्री योगी ने सिविल कार्यों के लिए वित्तीय अधिकारों में पांच गुना और विद्युत व यांत्रिक कार्यों के लिए दो गुना तक की वृद्धि को स्वीकृति दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन बदलावों से निविदा, अनुबंध और कार्यारंभ की प्रक्रिया में गति आएगी, जबकि उच्च स्तर पर अनुमोदन की आवश्यकता घटेगी। यह सुधार वित्तीय अनुशासन को बनाए रखते हुए प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता में वृद्धि करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग प्रदेश की विकास परियोजनाओं का मेरुदंड है। उन्होंने विश्वास जताया कि योग्यता, अनुभव और वरिष्ठता आधारित पदोन्नति व्यवस्था से विभागीय कार्यकुशलता और तकनीकी गुणवत्ता में नई ऊर्जा का संचार होगा।

लखनऊ में अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अभियंता सेवा नियमावली में होगा संशोधन

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश अभियंता सेवा (लोक निर्माण विभाग) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन किया जाएगा। नई नियमावली में विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में पहली बार मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का पद सृजित किया गया है। साथ ही, मुख्य अभियंता (स्तर-दो) और अधीक्षण अभियंता के पदों की संख्या में वृद्धि की गई है। पदोन्नति प्रक्रिया, वेतनमान और चयन समिति की संरचना को अद्यतन करते हुए सेवा व्यवस्था को अधिक संगठित और पारदर्शी बनाया जाएगा।

ऐसे बढ़े अधिकार

- **मुख्य अभियंता :** 2 करोड़ से 10 करोड़
- **अधीक्षण अभियंता :** 1 करोड़ से 5 करोड़
- **अधिशासी अभियंता :** 40 लाख से 2 करोड़
- **सहायक अभियंता :** सीमित दायरे में टेंडर स्वीकृति का अधिकार

इन सुधारों को मंजूरी

- उप्र अभियंता सेवा (पीडब्ल्यूडी) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन
- विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का नया पद
- पदोन्नति प्रक्रिया और वेतनमान स्पष्ट, प्रशासनिक दक्षता व पारदर्शिता में वृद्धि

रोजगार मेले में 51 हजार जॉब लेटर बांटे

युवाओं को सशक्त बनाना प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने कहा- यह केवल सरकारी नौकरी नहीं, राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा नीत राजग सरकार युवाओं को सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है और सरकारी नौकरी पाने से वंचित उम्मीदवारों को निजी क्षेत्र के संभावित नियोक्ताओं से जोड़ने के लिए रास्ते बनाए गए हैं। 17वें रोजगार मेले में मोदी का एक संदेश चलाया गया जिसमें उन्होंने कहा कि देश की विदेश नीति भी युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी नौकरी नहीं है, बल्कि आपको राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका बड़ा मौका है। देश भर में आयोजित रोजगार मेलों में 51,000 से अधिक उम्मीदवारों को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र सौंपे गए। अपने संदेश में मोदी ने कहा कि देशभर में रोजगार मेलों के जरिए अब तक 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। कहा कि सरकार ने एक नई पहल ''प्रतिभा सेतु पोर्टल'' शुरू की है जो उन अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान करती है जो संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा के परिणाम की अंतिम सूची में तो पहुंच गए थे, लेकिन चयनित नहीं हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, उनके प्रयास व्यर्थ नहीं जाएंगे, क्योंकि निजी और सार्वजनिक दोनों संस्थान अब पोर्टल के माध्यम से इन प्रतिभाशाली लोगों से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभाओं का ऐसा इष्टतम उपयोग दुनिया को भारत की क्षमता का प्रदर्शन कराएगा।

शर्मनाक... मदरसे में पढ़ाना है तो बेटी का 'वर्जिनिटी सर्टिफिकेट' लेकर आओ

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: मुरादाबाद के लोधीपुर स्थित जामिया असानुल बनात गर्ल्स मदरसा में पढ़ने वाली कक्षा 7 की छात्रा के 8वीं में आने के बाद आगे पढ़ाई जारी रखने के नाम पर मदरसा प्रबंधन द्वारा अभिभावक से उसका वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांगा गया।

अभिभावक ने आपत्ति जताई तो उनके साथ अभद्रता की गई। जिसके बाद पीड़ित परिवार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की। जानकारी पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारी भी हरकत में आए और शनिवार को टीम मदरसे में जाएगी। पुलिस ने एडमिशन सेल के इंचार्ज शाहजहां को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। चंडीगढ़ निवासी एक व्यक्ति ने बेटी का दाखिला 2024 में कक्षा 7 में पाकबड़ा थाना क्षेत्र के लोधीपुर राजपूत सीएनजी पंप के सामने जामिया असानुल बनात गर्ल्स मदरसे में कराया था। पिता ने एसएसपी सतपाल अंतिल को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह छुट्टियों के बाद जब दोबारा बेटी को कक्षा 8वीं की पढ़ाई के लिए मदरसा में छोड़ने आया तो एडमिशन सेल इंचार्ज शाहजहां व प्रधानाचार्या रहनुमा ने नाबालिग बेटी के दोबारा प्रवेश के नाम पर वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांग लिया। सर्टिफिकेट नहीं देने पर बेटी की टीसी ले जाने का दबाव बनाना। इस पर एसएसपी ने पाकबड़ा प्रभारी निरीक्षक को जांच कर आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। शुक्रवार को पाकबड़ा पुलिस ने मदरसे पहुंच कर जांच की।

मदरसे के आरोपी एडमिशन सेल इंचार्ज शाहजहां को कोर्ट ले जाते पुलिसकर्मी।

तानाशाही भरा फरमान

- मुरादाबाद के मदरसे में नाबालिग छात्रा से सर्टिफिकेट मांगने का शर्मनाक मामला
- एसएसपी से शिकायत के बाद पाकबड़ा पुलिस ने केस दर्ज कर एक आरोपी को भेजा जेल

मदरसे प्रबंधन द्वारा नाबालिग छात्रा का वर्जिनिटी सर्टिफिकेट की मांग को लेकर छात्रा के पिता ने एसएसपी को शिकायती पत्र दिया था। पाकबड़ा पुलिस को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे। पुलिस ने एडमिशन सेल के इंचार्ज शाहजहां को जेल भेज दिया है।
- कुमार रणविजय सिंह, एसपी सिटी मुरादाबाद

'अबकी बार, मोदी सरकार' स्लोगन लिखने वाले एड गुरु पीयूष पांडे नहीं रहे

मुंबई। भारतीय विज्ञापन जगत में देसी फ्लेवर डालने वाले एड गुरु पीयूष पांडे का निधन हो गया। देश के 2014 के संसदीय चुनावों का लोकप्रिय स्लोगन 'अबकी बार, मोदी सरकार' पीयूष पांडे ने ही लिखा था।

पांडे ने भारतीय हास्य बोध और देसी अंदाज से हिंदी को मुख्यधारा में लाकर विज्ञापन जगत को नए तेवर दिए और अंग्रेजी-प्रधान विज्ञापनों को पीछे धकेल दिया। उनके लोकप्रिय विज्ञापन लोगों की यादों का हिस्सा बन चुके हैं जिनमें कैडबरी के 'कुछ खास है' व 'असली स्वाद जिंदगी का', एशियन पेंट्स का 'हर खुशी में रंग लाए' विज्ञापन शामिल हैं। पांडे को 2016 में पद्मश्री और 2024 में 'लंदन इंटरनेशनल अवाड्र्स' के लेजेंड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

- 70 की उम्र में ली अंतिम सांस, 2016 में पद्मश्री और 2024 में लंदन में लेजेंड अवॉर्ड से किए गए थे सम्मानित

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में चलती बस में लगी आग, 20 जिंदा जले

बाइक टकराकर बस के फ्यूल टैंक में फंसने से लगी आग

कुरनूल (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

हैदराबाद से बेंगलुरू जा रही एक निजी बस में शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिससे 20 लोगों की मौत हो गई। अधिकतर मृतकों के शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं की जा सकती।

पुलिस ने बताया कि मृतकों में वह बाइक सवार भी शामिल है जिसकी मोटरसाइकिल ट्रक से टकराई थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख व्यक्त किया। कुछ शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं हो पा रही थी, जिसके कारण अधिकारियों को मृतकों के डीएनए नमूने एकत्र करने के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाना पड़ा। एक अधिकारी ने बताया कि कई यात्री इस दुर्घटना में बच नहीं पाए क्योंकि हादसा रात में हुआ और तब यात्री सो रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा भी की। मोटरसाइकिल कुरनूल में चिन्नातेकुर के पास बस से टकरा कर उसके नीचे आ गई और उसकी ईंधन टंकी का ढक्कन खुल गया। कुरनूल रेंज के डीआईजी कोया प्रवीण ने बताया, अब तक जली हुई बस से शव निकाले जा चुके हैं। बाइक सवार का शव मुर्दाघर में है। उन्होंने कहा कि हताहतों और जीवित बचे लोगों की पूरी स्थिति, पूरी जांच और दुर्घटना में शामिल सभी लोगों की पहचान के बाद ही सामने आएगी। शॉर्ट सर्किट से बस का दरवाजा जाम हो गया और बस पूरी तरह जल गई।

आईएसआईएस के दो आतंकवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली स्थित घर से विस्फोटक सामग्री और आईईडी टाइमर बरामद राजधानी दहलाने की थी साजिश

दिल्ली व मध्य प्रदेश से आईएसआईएस के दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित एक घर से प्लास्टिक बम, पेट्रोल बम, टाइमर उपकरण और आतंकी संगठन के झंडे समेत विस्फोटक बनाने की सामग्री जब्त की है।

आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी मोहम्मद अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब (19) और मध्य प्रदेश के भोपाल निवासी अदनान खान उर्फ अबू मोहम्मद (20) के रूप में हुई है। दोनों ही दक्षिण दिल्ली के एक मॉल और एक सार्वजनिक पार्क सहित शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में आतंकवादी हमला करने की साजिश रच रहे थे।

उसके घर से एक पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, आईएसआईएस का एक झंडा-वफादारी की शपथ के दौरान इस्तेमाल किया गया कपड़ा- तथा आईईडी में इस्तेमाल होने वाली एक टाइमर घड़ी भी बरामद की गई है। दूसरे आरोपी अदनान खान को भोपाल एटीएस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया।

नीट-यूजी काउंसलिंग में 27 तक दे सकेंगे प्राथमिकताएं

लखनऊ। नीट यूजी-2025 की तीसरी काउंसलिंग की समय सारिणी में एक बार फिर फेरबदल हुआ है। पुनः संशोधन के बाद मेरिट सूची में शामिल अभ्यर्थी 27 अक्टूबर सुबह 11 बजे तक मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकता दे सकेंगे। यह सूचना चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा वेबसाइट पर जारी कर दी गयी है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक अपर्णा यू ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश के सभी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस व बीडीएस की कुल 962 सीटें रिक्त हैं। अभ्यर्थियों से कॉलेज की प्राथमिकताएं लेने के एक दिन बाद 29 अक्टूबर को सीट आवंटन के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

सुखद अहसास | मुख्य सचिव ने एयरपोर्ट की तस्वीरें और वीडियो साझा कर लिखा- इको फ्रेंडली और फ्यूचर ...रेडी है देश का अत्याधुनिक हवाई अड्डा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तैयार, भव्य तस्वीरें आईं सामने

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। इसकी सामने आईं भव्य तस्वीरें मन को गदगद करने वाली हैं। आधुनिक यात्री व्यवस्थाओं का दर्शन कराने वाली वीडियो, तस्वीरें मुख्य सचिव एसपी गोयल ने साझा की हैं। मुख्य सचिव ने लिंक्डइन पर नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण कार्य की मौजूदा स्थिति का वीडियो भी शेयर किया।

वीडियो में दिखाया गया है कि टर्मिनल बिल्डिंग का अधिकांश काम पूरा हो चुका है। फिनिशिंग का कार्य अंतिम चरण में है। इसमें यात्रियों के आगमन-प्रस्थान, चेक इन काउंटर्स, वाशरूम, एक्सीलेटर, सिक्योरिटी लाउंज समेत अन्य व्यवस्थाओं की अद्भुत तस्वीरें शामिल हैं। वीडियो में कार्यों को अंतिम रूप देते इंजीनियर्स भी नजर आ रहे हैं। इस एयरपोर्ट को बनाने में लगभग 29,650 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं । यह 5,845 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला है। एयरपोर्ट इतना बड़ा है कि इसमें एक साथ 178 विमान खड़े हो सकते हैं। यहां छह रनवे बनाए जा रहे हैं, जो इसे एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाता है। इस एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2900 मीटर और चौड़ाई 60 मीटर के करीब है। एयरपोर्ट की डिजाइन पूरी तरह से इको-फ्रेंडली और फ्यूचर-रेडी है जिसमें सौर ऊर्जा का उपयोग और वर्षा जल संचयन जैसी तकनीक शामिल हैं। माना जा रहा है कि एयरपोर्ट इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बढ़ते दबाव को कम करेगा।

अब दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं होगी। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़ और मुरादाबाद जैसे शहरों के लोगों के लिए यह एयरपोर्ट हवाई सफर को बेहद आसान बना देगा। पहले चरण में जेवर एयरपोर्ट से 10 शहरों के लिए उड़ानें शुरू की जाएंगी। इसमें लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चंडीगढ़ और अहमदाबाद प्रमुख शहर होंगे। आने वाले वर्षों में यह नेटवर्क अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी विस्तार पाएगा। सिंगापुर, दुबई, दोहा और लंदन जैसे शहरों के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना पहले से है।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

लखनऊ। पूर्व में 30 अक्टूबर को नोएडा एयरपोर्ट के शुभारंभ और इसके 45 दिन के अंदर उड़ानें शुरू करने की घोषणा की थी। इसके बाद अधिकारी भी अपनी तैयारी को पूरा करने में जुट गए थे। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उक्त तारीख को अभी कार्यक्रम सामने नहीं आया है। इस बीच सूत्रों के अनुसार 30 अक्टूबर तक एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा करने पर जोर तो है, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहले एयरपोर्ट का निरीक्षण कर सकते हैं।

अमृत विचार

बरेली , शनिवार,25 अक्टूबर 2025

यूपीपीएससी के 315 और विशेषज्ञ कार्य से मुक्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोपनीय कार्यों की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर की गई कार्रवाई

अमृत विचार : उप्र. लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने चयन प्रक्रिया से जुड़े गोपनीय कार्यों की गुणवत्ता को बरकरार रखने के लिए सख्त रुख अपनाया है। इसके लिए आयोग ने नियमित समीक्षा के दौरान पिछले चार वर्षों में कार्य की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबन्धित लगभग 450 विशेषज्ञों को आयोग के उक्त कार्य से हमेशा के लिए मुक्त कर दिया गया है।

यह जानकारी आयोग के परीक्षा नियंत्रक हर्षदेव पाण्डेय ने शुक्रवार को दी, उन्होंने बताया कि गोपनीय कार्यों के गुणवत्तापूर्ण प्रक्रिया की नियमित समीक्षा की जाती है, उक्त क्रम में हाल ही में विभिन्न विषयों के 315 विशेषज्ञों को पुनः सत्यनिष्ठा, गुणधर्मिता और आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य न करने पर गोपनीय कार्यों से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि आयोग ने विशेषज्ञों के कार्य की गुणवत्ता की निरंतर समीक्षा के लिए संस्थागत व्यवस्था विकसित की है। आयोग चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है।

विधायक ने मुख्यमंत्री योगी को सौंपी क्षेत्रवार जनसांख्यिकी रिपोर्ट

भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने जनसांख्यिकी असंतुलन का रोडमैप देते हुए नीति लागू करने का दिया प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रिपोर्ट में यूपी की सामाजिक शैक्षिक और स्वास्थ्य संकेतकों का विस्तृत अध्ययन

अमृत विचार : भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश में जनसंख्या संरचना के असंतुलन और विकास के क्षेत्रवार अंतर को देखते हुए क्षेत्रवार जनसांख्यिकीय रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में प्रदेश के सामाजिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य संकेतकों का विस्तृत अध्ययन करते हुए सुझाव दिया गया है कि जनसंख्या नियंत्रण का समाधान किसी कानूनी दबाव से नहीं, बल्कि शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सहभागिता से संभव है।

लखनऊ के सरोजनी नगर विधान सभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री को सौंपी अपनी सात पेज की रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि मुस्लिम बहुल देशों बांग्लादेश, इंडोनेशिया, ईरान, ट्यूनीशिया, तुर्की और मलेशिया ने महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और धार्मिक समुदायों की भागीदारी के जरिये जनसंख्या स्थिरीकरण में उल्लेखनीय सफलता पाई है। डॉ. सिंह का कहना है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और विविध राज्य में भी यह मॉडल प्रभावी रूप से लागू किया जा सकता है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि यह नीति सामाजिक और जनसांख्यिकीय संतुलन बनाए रखते हुए विकास के समान अवसर सुनिश्चित करेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि महिला स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को इस नीति का केंद्रीय तत्व बनाया जाए। सिंह ने अपनी रिपोर्ट में पश्चिमी यूपी के रामपुर, संभल, मुरादाबाद, मेरठ, बरेली मंडल सनेत पूरब के आजमगढ़ और मऊ जिलों के कई ब्लाकों में मुस्लिम जनसंख्या 60 फीसदी से अधिक होने का जिक्र भी किया है।

मुख्य सिफारिशें

- लड़कियों की शिक्षा और विवाह की औसत आयु में वृद्धि पर बल
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भनिरोधक साधनों की सुलभ उपलब्धता
- धर्माचार्यों और सामाजिक संगठनों की साझेदारी से संवाद
- महिला स्वावलंबन के लिए माइक्रोफाइनेंस और स्वरोजगार योजनाओं का विस्तार
- जिला स्तर पर 'जनसंख्या डैशबोर्ड' और डेटा मॉनिटरिंग सिस्टम

सुझावों पर योगी ने दिया कार्ययोजना बनाने का निर्देश

सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता के विस्तार को स्थायी जनसंख्या संतुलन के लिए अहम माना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट का गहन अध्ययन कर इसके सुझावों पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। यह रिपोर्ट उत्तर प्रदेश के लिए एक संतुलित, संवैधानिक और सामाजिक दृष्टिकोण पर आधारित जनसांख्यिकीय नीति की रूपरेखा मानी जा रही है। नीति-निर्माण से जुड़े सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री स्तर पर समीक्षा के बाद इसे राज्य जनसंख्या नीति 2025 के प्रारूप में शामिल किया जा सकता है।

जिला स्तर पर बने जनसंख्या डैशबोर्ड

रिपोर्ट में प्रस्ताव रखा गया है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक 'जनसंख्या डैशबोर्ड' बनाया जाए, जो कुल प्रजनन दर, महिला शिक्षा दर, बाल विवाह और पलायन जैसे मानकों की नियमित निगरानी करे। साथ ही, विभिन्न धर्मों के धर्माचार्यों और सामाजिक संगठनों की सहभागिता से 'जिम्मेदार अभिभावकता' का संदेश समाज में प्रसारित किया जाए। रिपोर्ट में इस नीति को स्वैच्छिक, अधिकार-आधारित और सामाजिक सहमति पर आधारित बताया गया है।

न्यूज ब्रीफ

संभल के मनोकामना मंदिर का होगा कायाकल्प

अमृत विचार, लखनऊ : संभल स्थित मनोकामना मंदिर प्रदेश के पर्यटन मानचित्र में दिखेगा, उप्र. राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) एक करोड़ 71 लाख रुपये से इसका विकास कराएगा। जिले के प्राचीन तीर्थस्थल और कुओं को संवारा जाएगा। इससे संभल एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित होगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा संभल के कूपों, देव स्थलों और प्राचीन मंदिरों के संरक्षण व सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। उक्त क्रम में अब 141 वर्ष पुराने मनोकामना मंदिर के समीप पर्यटक सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

आजम खान भी होंगे सपा के स्टार प्रचारक

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने बिहार चुनाव के लिए स्टार प्रचारक घोषित कर दिए हैं। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को सौंपी गयी 20 प्रचारकों की सूची में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और डिंपल यादव के साथ पार्टी के सहासचिव आजम खान भी शामिल हैं। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी द्वारा भेजी गयी सूची में अखिलेश समेत कुल 14 सांसदों को प्रमुखता दी गयी है। इसके अलावा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा, विधायक तेज प्रताप सिंह यादव व ओम प्रकाश सिंह, सपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष काशीनाथ दव व प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सोलंकी को शामिल किया गया है। सांसदों में अफजाल अंसारी,अवधेश प्रसाद, बाबू सिंह कुशवाहा, नरेश उत्तम पटेल, रमाशंकर विद्यार्थी राजभर, लाल जी वर्मा, छोटेलाल खरवार, राजीव राय, सनातन पाण्डेय, इकरा हसन और प्रिया सरोज को शामिल किया गया है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया छात्र

एटा, एजेंसी : जिले में शुक्रवार को ट्यूशन पढ़कर साइकिल से घर लौट रहा एक नाबालिग छात्र अचानक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया और उसका एक पैर कट गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मारहरा थानाक्षेत्र के भुरगंवा रोड पर साइकिल से जा रहे 14 वर्षीय बसंत पर अचानक हाईटेंशन तार टूटकर गिर गया और तेज करंट लगते ही वह सड़क पर गिर पड़ा और चीखने लगा। पुलिस के मुताबिक, आसपास के लोग और राहगीर मदद के लिए दौड़े। पुलिस ने बताया कि एंबुलेंस की मदद से बसंत को एटा के मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत फिलहाल नाजुक बनी हुई है। घायल के ताऊ महेंद्र सिंह ने बताया कि ऊपर से गुजर रहा हाईटेंशन का तार बसंत के ऊपर जा गिरा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

हर जिले में होगी जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी की तैनाती

मुख्यमंत्री ने नया पद सृजित करने के दिए निर्देश, दोगुनी होगी औषधि निरीक्षकों की संख्या

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ स्थित अपने आवास पर अधिकारियों के साथ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

- औषधि नियंत्रण संवर्ग का होगा पुनर्गठन, उपायुक्त (औषधि) के पद भी बढ़ेंगे
- औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि, नियंत्रण तंत्र को बनाएं सुदृढ़ और प्रभावी : योगी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश में औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। निर्देश दिए कि हर जिले में जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी पद सृजित किया जाए। साथ ही, औषधि निरीक्षकों की संख्या दोगुनी की जाए। उन्होंने उपायुक्त (औषधि) के पद बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने आवास पर शुक्रवार शाम को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन और नए पदों के सृजन से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा की। योगी ने औषधि नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने पर बल देते हुए कहा कि औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि है, इसलिए नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने में कोई लापरवाही या कमी नहीं आनी चाहिए। बैठक में बताया गया कि विभाग में वर्तमान में 109 औषधि निरीक्षक कार्यरत हैं, जो भारत सरकार के मानकों की दृष्टि से अपर्याप्त हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में औषधि निरीक्षण व्यवस्था को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना जनस्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिलास्तर पर कार्य व्यवस्था को और मज़बूत करने के लिए अब 'जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी' का पद सृजित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षकों की संख्या को वर्तमान के सापेक्ष दोगुना किया जाए।

बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के उच्च पदों के पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने उप आयुक्त (औषधि) पदों की संख्या में वृद्धि और संयुक्त आयुक्त (औषधि) के पद पर पदोन्नति हेतु अर्हकारी सेवा में संशोधन के प्रस्ताव को अपनी सहमति दी। मुख्यमंत्री ने विभाग में औषधि नियंत्रक पद के लिए स्पष्ट योग्यताएं एवं मानक तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस पद के लिए एक निश्चित कार्यकाल निर्धारित किया जाए, ताकि तंत्र के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

लिखित परीक्षा से होगी भर्ती

मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षक के पदों पर चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए अब साक्षात्कार के स्थान पर लिखित परीक्षा के माध्यम से भर्ती कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में औषधि निरीक्षकों की समुचित तैनाती सुनिश्चित की जाए और जिला स्तर पर प्रभावी पर्यवेक्षण और समयबद्ध जांच व्यवस्था लागू की जाए।

बांदा में शॉर्ट सर्किट से दुकान में लगी आग मां-बेटी की मौत

बांदा, एजेंसी: जिले में एक टायर की दुकान में शॉर्ट सर्किट से लगी आग में चार लोग झुलस गए, जिनमें से एक महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बबेरू क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक (सीओ) सौरभ सिंह ने बताया कि गुरुवार रात को करीब आठ बजे बिसंडा कस्बे में अतर्रा रोड़ स्थित टायर की एक दुकान में शॉर्ट सर्किट से अचानक लगी आग की चपेट में आने से दुकानदार रामनिहोर साहू (35), उसकी पत्नी संगीता (32), बेटा अंशु (15) और बेटी छवि (11) झुलस गये।

उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान संगीता और छवि की मौत हो गई जबकि राम निहोर व बेटे अंशु का इलाज जारी है। अधिकारी ने बताया कि अब तक की जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आयी है। उन्होंने बताया कि मां और बेटी के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

अक्टूबर के वेतन में मिलेगा बढ़ा महंगाई भत्ता, शासनादेश जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आदेशों के तहत 1 जुलाई से लागू होंगी संशोधित दरें

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को राज्य कर्मियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं अशासकीय शिक्षण संस्थानों, नगरीय स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्यभारित कर्मचारियों तथा यूजीसी वेतनमानधारी पदाधिकारियों के लिए महंगाई भत्ता बढ़ाने के तीन अलग-अलग शासनादेश जारी किए हैं। इन आदेशों के तहत 1 जुलाई 2025 से संशोधित दरें लागू होंगी और बढ़े हुए भत्ते का भुगतान अक्टूबर 2025 के वेतन के साथ किया जाएगा।

राज्य सरकार के ये तीनों शासनादेश केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग द्वारा 6 अक्टूबर 2025 को जारी आदेशों के अनुरूप हैं, जिनमें केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता सातवें वेतन आयोग वालों के लिए 55% से 58%, छठे वेतन आयोग वालों के लिए 252% से 257% और पांचवें वेतन आयोग वालों के लिए 466% से 474% किया गया था। वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार ने उन कर्मचारियों के लिए, जो अभी भी छठे वेतन आयोग की संरचना में वेतन पा रहे हैं, महंगाई भत्ते की दर 252% से बढ़ाकर 257% कर दी है। यह वृद्धि केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय के 6 अक्टूबर 2025 के आदेश के अनुरूप है। पांचवें वेतन आयोग के तहत वेतन पा रहे कर्मियों के लिए महंगाई भत्ता 466% से बढ़ाकर 474% किया गया है। यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा जारी नवीनतम आदेशों के अनुरूप है, जिसे राज्यपाल ने स्वीकृति प्रदान की है। भुगतान और अवशेष राशि की व्यवस्था

सरकार के आदेश के अनुसार, संशोधित दरों पर 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक की देय अवशेष राशि कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते में जमा की जाएगी। यदि कोई कर्मचारी भविष्य निधि का सदस्य नहीं है, तो यह राशि उसके पब्लिक प्रोविडेंट फंड या नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में जमा होगी।

डबल इंजन नहीं, भाजपा में सब झूठ के इंजन : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का कोई डबल इंजन नहीं है। सब झूठ के इंजन चल रहे हैं। झूठ के इंजन राजस्थान में भी चल रहे हैं। भाजपा ने दिल्ली और राजस्थान का अलग-अलग घोषणा पत्र बनाकर जनता के सामने रखा। सरकार बनने पर उस पर अमल नहीं किया।

सपा प्रमुख शुक्रवार को अजमेर राजस्थान में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ बोलने वाली पार्टी है। झूठे वादे करती है। भाजपा की केन्द्र और प्रदेश की सरकारों ने किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था लेकिन वादा पूरा नहीं किया।

मिलावटखोरी के खिलाफ जांच में आएगी तेजी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नई प्रयोगशालाएं की जा रहीं स्थापित, हर वर्ष लगभग 24 हजार नमूनों की होगी जांच

अमृत विचार : दीपावली त्योहार के दौरान खुलकर सामने आ गया कि उत्तर प्रदेश में संगठित अपराधिक गैंग और उसके माफिया भले ठंडे पड़ गए हो लेकिन खाद्यपदार्थों के मिलावटखोर अब भी सक्रिय हैं। ऐसे मिलावटखोर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

त्योहारों के मौसम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के मद्देनजर प्रदेशभर में मिलावटखोरों के खिलाफ एक कड़ा अभियान चलाया गया। इससे पहले भी सरकार की ओर से यह स्पष्ट किया जा चुका था कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन अब मिलावटखोरों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करेगा।

खाद्य पदार्थों और औषधियों की जांच में तेजी लाने के लिए कानपुर अयोध्या सहारनपुर और अलीगढ़ में नई प्रयोगशालाएं शुरू हो रही हैं। इन प्रयोगशालाओं से हर साल लगभग 24 हजार नमूनों की जांच की जाएगी। राज्य सरकार सभी मंडल मुख्यालयों पर ऐसी प्रयोगशालाएं स्थापित करने का प्रयास कर रही है। इन नई प्रयोगशालाओं के खुलने से जांच प्रक्रिया में तेजी आएगी।

भीड़ प्रबंधन के हों पुख्ता इंतजाम

मुख्य सचिव ने की छठ पूजा व पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल एवं पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर छठ पूजा एवं पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने इस दौरान कहा कि छठ पूजा के दौरान नदियों, तालाबों और जलस्रोतों का जल स्वच्छ रखा जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भीड़ प्रबंधन के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों। उन्होंने कहा कि पूजा स्थलों पर पर्याप्त पार्किंग, मोबाइल टॉयलेट, और चेंजिंग रूम की व्यवस्था रहे। मुख्य सचिव ने आतिशबाजी को आमजन से दूर रखने और महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने की हिदायत दी।

बैठक में पुलिस महानिदेशक ने कहा कि छठ पर्व की तैयारियों के दौरान पिछली घटनाओं का विश्लेषण कर लिया जाए ताकि अप्रिय घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने छेड़खानी और दुर्व्यवहार की शिकायतों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए एंटी-रोमियो स्क्वॉड को वर्दी और सादी वर्दी में तैनात करने के निर्देश दिए।

1 व 2 नवंबर को दस जिलों में होगी भर्ती परीक्षा

अमृत विचार : मुख्य सचिव ने पुलिस भर्ती परीक्षा के संबंध में बताया कि कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए पद के 1129 पदों की भर्ती परीक्षा 1 नवम्बर को और पुलिस उपनिरीक्षक (गोपनीय), पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) और पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के 921 पदों की भर्ती परीक्षा 2 नवम्बर को प्रदेश के 10 जिलों- आगरा, बरेली, मेरठ, मुरादाबाद, कानपुर नगर, लखनऊ, गोरखपुर, झांसी, प्रयागराज और वाराणसी में आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर तलाशी के लिए पर्याप्त संख्या में महिला और पुरुष कर्मियों की तैनाती की जाए। अभ्यर्थियों को केवल आईकार्ड, एडमिट कार्ड और पेन के अतिरिक्त किसी अन्य सामग्री को ले जाने की अनुमति न दी जाए।

बिहार चुनाव में आकाश की क्षमता परखेगी बसपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पार्टी से युवा समर्थकों को जोड़ने में जुटी पार्टी

अमृत विचार : बहुजन समाज पार्टी बिहार चुनाव में आकाश आनंद की क्षमता को परखेगी। आकाश मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर हैं। पार्टी प्रमुख मायावती को भी उनसे काफी उम्मीदें हैं। ऐसे में अब आकाश के सहारे पार्टी, युवा समर्थकों को जोड़ने में जुटी है। बिहार विधानसभा चुनाव में आकाश भी बसपा के एक स्टार प्रचारक हैं। एक तरह से उत्तर प्रदेश में साल 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आकाश के लिए बिहार चुनाव सेमीफाइनल सरीखा होने वाला है।

दरअसल, माना जा रहा है कि बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी के भविष्य को मजबूत करने के लिए एक नई रणनीति अपनाई है। मायावती ने पिछले दिनों पार्टी पदाधिकारियों की लगातार दो महत्वपूर्ण बैठकें बुलाईं। इन बैठकों में मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद भी मौजूद रहे। मायावती ने पदाधिकारियों से साफ निर्देश दिए कि जैसे उन्होंने मेरा साथ दिया है, वैसे ही अब आकाश का भी साथ दें। यह बयान बसपा समर्थकों के लिए एक महत्वपूर्ण सूत्रवाक्य माना जा रहा है।

असंतुलन | लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन में हुआ खुलासा

प्रदेश का पूर्वी हिस्सा विकास की दौड़ में सबसे पीछे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 19 विभिन्न मानकों पर पूर्वी यूपी के 28 जिलों का किया अध्ययन

अमृत विचार : विकास के क्षेत्रीय असंतुलन से देश के कई हिस्सें प्रभावित हैं। आधारभूत संरचना का असमान वितरण इसका सबसे बड़ा कारण रहा है। जिसे दूर करने के वादे-इरादे के साथ कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन हालात बदलने का नाम नहीं ले रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इस तथ्य को उजागर किया है कि उत्तर प्रदेश का पूर्वी हिस्सा आज भी मध्य उत्तर प्रदेश और पश्चिम उत्तर प्रदेश की तुलना में काफी पिछड़ा है। विश्वविद्यालय के डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य और प्रो. रोली मिश्रा ने अपने शोध में यह दावा किया है।

विश्वविद्यालय के दोनों शोधकर्ताओं ने 19 सामाजिक और आर्थिक संकेतकों जैसे कि आय, शिक्षा, कृषि, रोजगार, बुनियादी ढांचा के आधार पर 28 जिलों का समग्र विकास सूचकांक तैयार किया है। भारतीय अर्थशास्त्र एवं विकास पत्रिका में प्रकाशित एक ताजा शोध में यह सामने आया है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिले बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती और सिद्धार्थनगर आज भी राज्य के अति पिछड़े जिलों में गिने जाते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि बेहतर सड़कें, स्कूल, अस्पताल और बिजली की पहुंच जीवन स्तर उठाने की कुंजी हैं।

ह्रोकला टैक्सोनोमिक विधि का किया प्रयोग

अध्ययन में ह्रोकला टैक्सोनोमिक विधि का इस्तेमाल कर हर जिले को विकास स्कोर दिया गया है। शोध में यह भी जांचा गया कि किन क्षेत्रों का समग्र विकास में सबसे ज्यादा योगदान है। शोध में पाया गया कि औद्योगिक विकास का असर सबसे कम है, क्योंकि क्षेत्र में निवेश और कारखानों की भारी कमी है।

शोध की खास बातें

- श्रावस्ती, बलरामपुर और बहराइच अति पिछड़े ज़िले पाए गए
- सिद्धार्थनगर ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया
- सभी जिलों में बुनियादी ढांचागत विकास व औद्योगिक विकास बेहद कमजोर
- कृषि और रोजगार के स्कोर सबसे कम
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था मानसून पर पूरी तरह निर्भर

क्या है उपाय

शोध का समाधानपरक निष्कर्ष है कि शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योगों में बड़े सार्वजनिक निवेश की तत्काल जरूरत है, ताकि क्षेत्र को "निम्न-संतुलन जाल" से बाहर निकाला जा सके। "एक जिला एक उद्योग" जैसी योजनाओं का विस्तार किया जाए, ताकि हर जिला किसी उत्पादक क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल कर सके, रोजगार बढ़े और निवेश आकर्षित हो। बुनियादी ढांचे, कृषि और उद्योग में समन्वित व संतुलित विकास ही एकमात्र रास्ता है, जिससे पूर्वी उत्तर प्रदेश के पिछड़ेपन को दूर किया जा सकता है।

डिजिटलीकरण से बढ़ी पारदर्शिता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- तकनीक और सुशासन के संगम से बन रहा नया मॉडल

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सुशासन नीति अब डिजिटल रूप में नई पहचान बना रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी पहल 'मिशन कर्मयोगी' को आगे बढ़ाते हुए योगी सरकार ने राज्य के अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल प्रशिक्षण से जोड़ने में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। इस पहल से सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता का नया आयाम जुड़ रहा है। समाज कल्याण विभाग इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

समाज कल्याण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2025 तक विभाग के 3,900 अधिकारी, संविदाकर्मी और शिक्षक आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल से जुड़ चुके हैं। इन कर्मचारियों ने अब तक 21,150 ऑनलाइन कोर्स पूरे किए, जिनमें लगभग 15,893 घंटे का डिजिटल प्रशिक्षण शामिल है।

इनमें से 2,759 कर्मचारियों ने कम से कम एक कोर्स पूरा किया, जबकि 2,289 ने तीन या उससे अधिक कोर्स सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। यह पहल हर सरकारी कर्मचारी को कुशल, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

मिशन कर्मयोगी के पाठ्यक्रमों में प्रशासनिक सुधारों के साथ-साथ तकनीकी दक्षता पर विशेष बल दिया जा रहा है। आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और सूचना का अधिकार अधिनियम जैसे कोर्स सरकारी प्रक्रियाओं को आधुनिक और पारदर्शी बना रहे हैं। वहीं, कर्मचारियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित कार्यसंस्कृति के लिए योगा आदि विषय सुनिश्चित कर रहे हैं।

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि मिशन कर्मयोगी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की साझा सोच का परिणाम है। इसका लक्ष्य है कि शासन को पेपरलेस, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाना।

न्यूज ब्रीफ

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 10 महिलाएं घायल

मुजफ्फरनगर, एजेंसी : जिले के चरथावल थाना क्षेत्र में शुक्रवार को अकबरपुर गांव के पास चरथावल-थानाभवन मार्ग पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलटने से 10 महिलाएं घायल हो गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) डॉ. रविशंकर ने पत्रकारों को बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब ट्रैक्टर-ट्रॉली आपस में टकराकर पलट गए।

दामाद को पीटा अस्पताल में मौत

रामपुर, अमृत विचार : शराब को लेकर पति-पत्नी के बीच हुए विवाद में ससुरालियों ने दामाद सुखलाल को पीटकर घायल कर दिया। जहां देर रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एरीज के वैज्ञानिकों की खोज, उजागर किया आकाशगंगा की धूल का राज

धूल की बड़ी और गहरी परत से ढकी हुई है हमारी आकाशगंगा

संवाददाता, नैनीताल

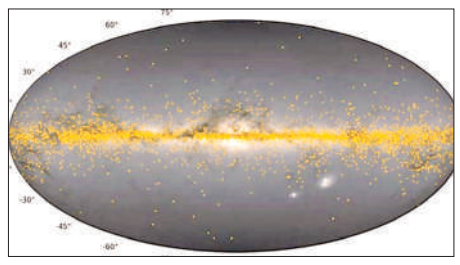

एरीज के वैज्ञानिकों द्वारा जारी धूल से ढकी आकाशगंगा का चित्र।

अमृत विचार : एरीज के वैज्ञानिकों ने ब्रह्मांड में हमारी अपनी आकाशगंगा मिल्की वे को समझने और तारों की स्थिति की वास्तविकता का पता लगाने महत्वपूर्ण खोज की है। यह खोज 6 हजार से अधिक तारा समूह के डाटा के जरिए की गई। आकाशगंगा को घेरे धूल की यह परत सूर्य से लगभग 50 प्रकाश वर्ष दूर है। यह धूल के कारण तारों का निर्माण और उनके आकार प्रकार में व्यवधान डालती है ।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वैज्ञानिक डॉ. योगेश चंद्र जोशी के नेतृत्व में यह शोध किया गया है। नए अध्ययन से पता चलता है कि हमारी अपनी आकाशगंगा बाहरी धूल और गैस के विशाल बादलों से भरी हुई है, जो तारों से आने वाले प्रकाश को हम तक पहुंचने से अवरुद्ध या मंद कर देती है। भारी मात्रा में फैली धूल के कारण तारों की वास्तविकता का पता नहीं चल पाता है। जिस कारण भ्रमवश माना जाता है कि तारे विलुप्त हो रहे हैं, जबकि इस खोज से कुछ और ही सच्चाई समाने आई है। यह खोज आकाशगंगा में फैली धूल और नए तारों के निर्माण पर प्रकाश डालती है। एरीज के वैज्ञानिकों ने धूल से ढकी आकाशगंगा का चार्ट तैयार किया। जिसमे छह हजार से अधिक तारा समूहों का डाटा एकत्र किया। यह तारा समूह आकाशगंगा के पार तक फैली हुई हैं। धूल से आकाशगंगा में चल रही गतिविधियों का पता नहीं चल पाता है। मगर इस खोज से जानकारी मिली कि धूल के कारण तारों के निर्माण का पता नहीं चल पता है। एरीज के वैज्ञानिकों ने आकाशगंगा के धूल भरे पर्दे का मानचित्र बनाया है। इससे जानकारी भी मिली है कि धूल के कारण तारों का रंग लाल नजर आता है, जबकि तारों की उम्र का पता, उनके रंग से चलता है।

यह खोज आकाशगंगा की संरचना के बारे में अधिक जानने में मदद कर सकती है। डॉ. योगेश चंद्र जोशी के नेतृत्व में हुआ अध्ययन बताता है कि यह धूल समान रूप से नहीं फैली है बल्कि यह एक पतली, लहरदार परत बनाती है जो आकाशगंगा के केंद्रीय तल के साथ पूरी तरह से संरेखित नहीं होती है और आकाशगंगा के नीचे की ओर स्थित है।

आकाशगंगा को समझने के लिए महत्वपूर्ण है यह खोज

नैनीताल। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के निदेशक डॉ. मनीष नाजा के अनुसार हमारी आकाशगंगा को समझने में यह खोज बेहद महत्वपूर्ण है। तारों के निर्माण, तारों के व्यवहार और अध्ययन में धूल से उत्पन्न होने वाले व्यवधानों का पता चलता है। यह शोध एरीज ही नहीं बल्कि समस्त खगोल वैज्ञानिकों के लिए महत्वपूर्ण है। हमारी आकाशगंगा के आगामी अध्ययन के लिए यह खोज बेहद मददगार साबित होगी। इस खोज के बाद उम्मीद की जा सकती है कि निकट भविष्य में आकाशगंगा के कई अन्य रहस्य उजागर होंगे। एरीज का हालिया यह अध्ययन एरीज के लिए बढ़ी उपलब्धि है।

- तारों का निर्माण और उनके आकार प्रकार में व्यवधान डालती है धूल

निघासन में एक घर में दिखा मगरमच्छ

निघासन, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव चूरा टांडा के एक घर में मगरमच्छ घुस आया और आंगन में चहलकदमी करने लगा। मगरमच्छ देख परिवार वालों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ को पकड़कर सरयू नदी में छोड़ दिया।

गांव चूरा टांडा निवासी राजकुमार के घर में कहीं से एक मगरमच्छ घुस आया। इसी बीच परिवार के सदस्यों की नजर आंगन में घूम रहे मगरमच्छ पर पड़ी तो उनके होश उड़ गए। घर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर तमाम ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए और वन रेंज लुधौरी को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर वन दरोगा राजेंद्र प्रसाद वर्मा, सुभाष रंजन, घनश्याम जायसवाल आदि के साथ मौके पर पहुंच गए।

शाहजहांपुर में हाईवे पर जाम लगा रहे परिजनों पर पुलिस ने चलाई लाठी

सड़क पर उतरे परिजनों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

संवाददाता, जलालाबाद/शाहजहांपुर

सड़क पर जाम लगाए परिजन। ● अमृत विचार

परिजनों को पीटता पुलिस कर्मी।

अमृत विचार: महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने कांट-जलालाबाद मार्ग पर सोलंकी धर्मकांटा के सामने शव रखकर जाम लगा दिया। इस दौरान परिवार वालों और अन्य लोगों से हुई नोकझोंक के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर दिया। लाठीचार्ज से मृतका के पिता और भाई घायल हो गए। आरोप है कि मृतका के पति और अन्य के खिलाफ पुलिस रिपोर्ट दर्ज नहीं कर रही थी। आरोपी की मांग की है कि रिपोर्ट दर्ज करके पति और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जाए।

महिमा।

जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव एतमादपुर निवासी महेश ने थाने पर दी गई तहरीर में बताया उसने 22 वर्षीय पुत्री महिमा की शादी 22 फरवरी 25 को फर्रुखाबाद के शमशाबाद थाना क्षेत्र के गांव साधौ सराए निवासी अर्जुन से की थी। आरोप है कि दामाद दहेज के लिए उसकी पुत्री को प्रताड़ित करता था। पुत्री को बार- बार दहेज न मिलने पर ताना मारकर प्रताड़ित करता था। उसका आरोप है कि गुरुवार को दामाद उसकी बेटी महिमा को लेकर घर पर आया और मारने पीटने लगा। उसके पुत्र ने बहन को बचाया था। गुरुवार दोपहर साढ़े 12 बजे अर्जुन उसकी पुत्री को लेकर शाहजहांपुर रिश्तेदारी में बाइक से लेकर चल दिया। आरोप है कि कांट थाना क्षेत्र में भंडेरी गांव के सामने उसकी पुत्री को चलती बाइक से धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

- दहेज के लिए पत्नी को मार डाला था पुलिस रिपोर्ट नहीं लिख रही थी

आरोप है दामाद ने साजिश के तहत उसकी बेटी को मार डाला है। मृतका के पिता से जलालाबाद पुलिस ने कहा कांट थाना क्षेत्र की घटना है, वहीं पर मुकदमा दर्ज होगा। जबकि जलालाबाद कोतवाली में भी केस दर्ज हो सकता था। पोस्टमार्टम के बाद शाम 6:30 बजे परिवार वालों ने सोलंकी धर्मकांटा के सामने शव रखकर जाम लगा दिया। प्रभारी निरीक्षक राजीव सिंह तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। उनकी मृतका के परिवार वालों से शव हटाने को लेकर नोकझोंक हुई। इस दौरान हुई धक्का मुक्की को लेकर पुलिस ने जाम लगाए परिवार और अन्य लोगों पर लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस ने परिजनों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर घटना के तुरंत बाद ही वायरल होने लगा।

वजूखाने के ताले पर लगा कपड़ा बदलने पर दोनों पक्ष सहमत

वाराणसी, एजेंसी: ज्ञानवापी विवाद से जुड़े हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों ने मस्जिद परिसर में सीलबंद वजूखाने के ताले पर बंधे कपड़े को बदलने पर मौखिक रूप से सहमति व्यक्त की है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि वजूखाने के ताले पर बंधा कपड़ा समय के साथ फट और घिस गया है। ज्ञानवापी विवाद से जुड़ा मुकदमा अदालत में है।

जिला शासकीय अधिवक्ता राजेश मिश्रा ने बताया कि वाराणसी जिला न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 29 अक्टूबर तय की है। उन्होंने बताया कि अदालत ने कहा कि चूंकि मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है इसलिए वह स्वयं कोई आदेश जारी नहीं कर सकती। मिश्रा ने बताया कि अदालत ने कहा कि अगर दोनों पक्ष सहमत हो तो ताले पर लगे कपड़े को बदला जा सकता है। दीवानी न्यायाधीश (वरिष्ठ खंड) और उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद विवादित ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाना क्षेत्र को 16-17 मई, 2022 को सील कर दिया गया था। ताले पर बंधा कपड़ा समय के साथ फट और घिस गया है। इस वर्ष आठ अगस्त को एक याचिका दायर कर इसे बदलने की अनुमति मांगी थी।

गंगा में राफ्टिंग

देहरादून जिले के ऋषिकेश में शुक्रवार को गंगा नदी में राफ्टिंग करते हुए पर्यटक। ● एजेंसी

पिता ने गोली मारकर बेटी की हत्या की, बहू घायल

संवाददाता, मुजफ्फरनगर

अमृत विचार: जिले में पारिवारिक विवाद के दौरान एक व्यक्ति ने अपने बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी जबकि बहू गोली लगने से घायल हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि घायल महिला का उपचार जारी है। पुलिस के मुताबिक भोपा थानाक्षेत्र के भोकाहेड़ी कस्बे में पारिवारिक विवाद में पिता बृजवीर (65) ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से अपने बेटे रॉबिन सहरावत (42) की गोली मारकर हत्या कर दी और बहू रविता (40) को घायल कर दिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजय कुमार ने पत्रकारों को बताया कि घटना के पीछे पारिवारिक विवाद की बात सामने आई है। उन्होंने बताया कि आरोपी बृजवीर को गिरफ्तार कर लिया गया और अपराध में प्रयुक्त लाइसेंसी बंदूक पुलिस ने जब्त कर ली। स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोप है कि रॉबिन अपने पिता की उपेक्षा कर रहा था और उनकी इच्छा के विरुद्ध कृषि भूमि सहित संपत्ति बेचने की योजना बना रहा था। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह पिता-पुत्र में बातचीत हो रही थी और तभी पिता बृजवीर ने बंदूक निकालकर उन गोली चला दी।

उत्तराखंड के 39 नर्सिंग कॉलेजों में 1790 नई सीटों को मिली हरी झंडी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

एम्पावर्ड समिति की बैठक लेते मुख्य सचिव आनंदबर्द्धन।

अमृत विचार : मुख्य सचिव आनन्दबर्द्धन की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय में नर्सिंग पाठ्यक्रम संचालन के लिए गठित एम्पावर्ड समिति की बैठक हुई। इसमें समिति की ओर से विभिन्न मेडिकल एवं नर्सिंग कॉलेजों को नर्सिंग कोर्स संचालन एवं सीट वृद्धि की संस्तुति दी गई।

मुख्य सचिव ने नर्सिंग कोर्स संचालन के लिए संस्थानों के आवेदनों को विभिन्न स्तरों में छंटनी करने के बजाय इसके लिए सिंगल विंडो सिस्टम तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इससे संस्थानों को आवेदन करने से लेकर शासन से स्वीकृति की प्रक्रिया में सरलता आएगी। उन्होंने तत्काल इस दिशा में काम शुरू किए जाने के निर्देश दिए। संस्थानों की ओर से आवेदन किए जाने से लेकर विभिन्न चरणों की प्रक्रिया की एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी शीघ्र तैयार की जाए। बैठक में समिति ने 39 कॉलेजों की 1790 नई नर्सिंग सीट्स को संस्तुति प्रदान की। सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर राजेश कुमार ने बताया कि स्टेट नर्सिंग काउंसिल में वर्ष 2024 तक पंजीकृत नर्सों की कुल संख्या 21,541 है।

वर्तमान में सरकारी एवं प्राईवेट नर्सिंग कॉलेजों में 9806 लोगों का नर्सिंग प्रशिक्षण चल रहा है। इस दौरान सचिव दिलीप जावलकर आदि रहे।

बेटी से दुष्कर्म की घटना से आहत पिता ने आत्महत्या की

देवरिया, एजेंसी : जिले में छह वर्षीया बच्ची से कथित दुष्कर्म की घटना से आहत उसके पिता ने शुक्रवार सुबह बंद कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार खुखुंदू थानाक्षेत्र का रहने वाला व्यक्ति अपनी बेटी सहित एक दोस्त के साथ किराए के एक मकान में पिछले दो माह से रह रहा था। पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात को तीनों लोग सोए हुए थे और ऐसा आरोप है कि व्यक्ति के दोस्त ने सोते समय बच्ची से दुष्कर्म किया और इस बीच उसकी नींद खुल गई।

पुलिस के मुताबिक, यह देख उसने आरोपी पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी का उपचार गोरखपुर स्थित बाबा राघव दास (बीआरडी) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में जारी है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने घटना के संबंध में व्यक्ति को गुरुवार शाम थाने बुलाया था और शुक्रवार सुबह उसने अपनी बेटी को बाहर बैठाकर कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली।

काशीपुर में टीवीएस शोरूम में लगी आग

संवाददाता, रुद्रपुर

अग्निकांड में जलीं बाइक व स्कूटियां। ● अमृत विचार

अमृत विचार : काशीपुर फ्लाईओवर के नीचे स्थित टीवीएस कंपनी शोरूम के गोदाम में आग धधक पड़ी। देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगीं और सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया गया। अग्निकांड में दर्जनों बाइक-स्कूटी के अलावा महंगे पार्ट्स भी जलकर स्वाहा हो गए और अग्निकांड से करोड़ों का नुकसान भी हो गया।

जानकारी के अनुसार गदरपुर मुख्य बाजार निवासी गुरप्रीत सिंह और सुखबीर सिंह की काशीपुर हाईवे फ्लाईओवर के नीचे टीवीएस बाइक-स्कूटी व साइकिल शोरूम की ब्रांच शाखा थी और त्यौहारी सीजन को देखते हुए शोरूम के पिछले हिस्से में बने गोदाम में सैकड़ों वाहन खड़े हुए थे। शुक्रवार की सुबह सवा आठ बजे आसपास के दुकानदारों ने शोरूम संचालक को अग्निकांड की सूचना दी और शोरूम संचालक भी दौड़े-दौड़े पहुंचे। सूचना मिलने पर एफएसओ महेश कुमार भी अपनी टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे। पाया कि पिछले हिस्सा आग की लपटों में घिरा हुआ है। जिसके बाद फायर फाइटर्स ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन अग्निकांड में 40 से अधिक स्कूटी, बाइक व साइकिल सहित पार्ट्स एवं एसेसरीज को जलकर स्वाहा हो गए।

- फ्लाईओवर के नीचे है टीवीएस का शोरूम, 40 से अधिक नई बाइक-स्कूटी हुईं स्वाहा

शोरूम संचालक गुरप्रीत सिंह व सुखबीर सिंह ने बताया कि अग्निकांड में कितनी बाइक व स्कूटी खड़ी हुई थी। उसका आंकलन किया जा रहा है। फिलहाल अनुमानित एक करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है, क्योंकि त्योहारी सीजन को देखते हुए गदरपुर स्थित मुख्य शोरूम से भी सैकड़ों गाड़ियां गोदाम में रखी हुई थी। वास्तविक नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

100 से अधिक खड़ी थीं नई गाड़ियां : शोरूम में धधकी आग के वक्त 100 से अधिक स्कूटी और बाइक गोदाम व बाहर शोरूम में रखे हुए थे और जैसे ही दमकल विभाग को खबर मिली। वैसे ही अग्निशमन कर्मियों ने गोदाम के अंदर व बाहर खड़ी नई बाइक को बाहर निकालना शुरू कर दिया। एफएसओ महेश चंद्र ने बताया कि करीब 60 स्कूटी व बाइक को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। उसके बाद ही आग को बुझाने की कोशिश प्रारंभ हुई,क्योंकि सबसे पहले नुकसान को रोकना था। वरना नुकसान का आंकड़ा कई करोड़ में जा सकता था।

नानकमत्ता में पुरानी रंजिश में युवक की पीट-पीटकर हत्या

संवाददाता, नानकमत्ता

अमृत विचार: पुरानी रंजिश में एक युवक की बेरहमी से पीट पीट कर हत्या कर दी गई। जबकि परिवार के तीन अन्य लोग घायल हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पांच लोगों के विरुद्ध नामजद मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। नानकमत्ता के हरीनगर सिद्धा निवासी नितिन कुमार अरोड़ा (45) का पास के ही रहने वाले विश्वास से पुरानी रंजिश चल रही थी। आरोप है विश्वास ने नितिन अरोड़ा की पुत्रवधू की अश्लील फोटो फेसबुक में अपलोड कर दी। गुरुवार देर रात्रि जब नितिन अरोड़ा घर पहुंचा तो पुत्रवधू ने इसकी जानकारी दी। इस पर नितिन अरोड़ा और उसका एक किराएदार आरोपी के घर पहुंचे और फोटो हटाने की बात कही।

थाने में सौंपी तहरीर के आधार पर नामजद विशाल विश्वास, अनीश विश्वास, विक्रम विश्वास, उनका पिता विद्युत विश्वास और उसकी मां ने एक राय होकर लाठी डंडों से नितिन कुमार अरोड़ा और दलजीत सिंह पर जानलेवा हमला कर दिया।

- तीन अन्य लोग घायल, वारदात के बाद फरार हुए आरोपी

शोर सुनकर नितिन अरोड़ा की पुत्रवधू व पुत्र बीच बचाव करने पहुंचे तो उन पर भी हमला कर दिया। नितिन अरोड़ा के सिर पर गम्भीर चोट आने से वह जमीन पर गिर पड़ा। यह देख आरोपी फरार हो गए। आनन-फानन में नितिन को सीएचसी ले जाया गया। जहां से डॉक्टरों ने उसे रुद्रपुर रेफर कर दिया। रुद्रपुर में डॉक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया। घायल पुत्रवधू व पुत्र और किरायेदार दलजीत सिंह को इलाज के बाद छुट्टी दे दी है। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने पुत्रवधू सोनी की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

आस्था

कार्तिक पूर्णिमा को स्नान कर अनुष्ठान को दी जाएगी पूर्ण आहुति

रामनगरी में सरयू के तट पर कल्पवास कर रहे हजारों श्रद्धालु

अयोध्या कार्यालय

सरयू के तट पर पूजन अर्चन करते कल्पवासी।

अमृत विचार : रामनगरी में कार्तिक माह प्रारंभ होने के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु कल्पवास कर रहे हैं। सरयू के तट स्थित दर्जनों मंदिरों में एक माह रहकर दर्शन पूजन और धार्मिक अनुष्ठान की परंपरा को संपन्न किया जाएगा, जिसे कार्तिक पूर्णिमा स्नान कर अनुष्ठान को पूर्ण आहुति दी जाएगी।

साल के 12 महीनों में हर मास का अपना धार्मिक महत्व है। अलग-अलग तीर्थों में अलग-अलग मास में कल्पवास का विधान है। इस परम्परा में तीर्थ नगरी अयोध्या में कार्तिक कल्पवास की परम्परा सनातन काल से है। इस परम्परा के निर्वहन के लिए यहां लाखों श्रद्धालु पहुंच चुके है। इन श्रद्धालुओं ने विभिन्न आश्रमों में आश्रय लिया है।

सरयू के तट पर कल्पवास के लिए आश्विन पूर्णिमा से जप अनुष्ठान व दर्शन-पूजन के साथ सत्संग की दिनचर्या शुरु हो गई थी, जहां प्रतिदिन प्रातःकाल श्रद्धालु सरयू नदी के पवित्र जलधारा डुबकी लगाकर पूजन कर दीपदान की परंपरा को संपन्न कर रहे हैं । इस वर्ष कार्तिक परिक्रमा पर अत्यधिक भीड़ होने की संभावना है। प्रशासन ने इसके लिए पूरी तैयारी कर ली है। 31 अक्टूबर को देवोत्थानी एकादशी पर पंचकोसी परिक्रमा की जाएगी। 5 नवम्बर को पूर्णिमा होगी।

रोज करते हैं रामलला का दर्शन

महाराजगंज से आईं महिला श्रद्धालु सविता देवी ने कहा कि एक माह के लिए अपने परिवार और सभी घर के कार्यों को छोड़कर भगवान की आराधना पूजन के लिए कल्पवास कर रहे हैं। हर रोज सुबह स्नान के बाद राम मंदिर, हनुमानगढ़ी सहित अन्य मंदिरों में दर्शन पूजन के बाद अपने स्थान पर हवन पूजन करते हुए भगवान से कामना करते हैं कि हमारा परिवार और समाज खूब तरक्की करे। आने वाली समय सभी समस्याएं समाप्त हों।

तीसरी बार आया हूं कल्पवास करने

कल्पवासी राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि इस बार हमारा तीसरा वर्ष है। पिछले तीन साल से अयोध्या में इस कल्पना पूरा करने के लिए आते हैं। हमारे साथ गांव के चार और लोग भी हैं। यहां पर अनुष्ठान पूजन करते हैं। बताया कि आने वाली 14 कोसी परिक्रमा व पंचकोसी परिक्रमा के बाद पूर्णिमा स्नान करते हुए इस समय कल्पवास को पूरा करेंगे।

अमृत विचार

बरेली , शनिवार,25 अक्टूबर 2025

हादसों में तीन लोगों की मौत, कई घायल

मीरगंज में अज्ञात वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, फरीदपुर क्षेत्र में दुग्ध वाहन में पीछे से घुसी बाइक

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा है।

मीरगंज : शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बिहारीपुर कासगरान निवासी रजत पुत्र दुर्गा प्रसाद (27) गुरुवार रात मेरठ से घर आ रहे थे। जैसे ही वह कस्बे में फ्लाई ओवर से गुजरे, तभी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में रजत गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी प्रयागराज सिंह ने घायल को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा, लेकिन रजत की सांसें थम गईं। कोतवाली प्रभारी ने हादसे में युवक की मौत होने की पुष्टि की है। वहीं, जिला रामपुर के कस्बा शाहबाद निवासी कुछ लोग गांव कुल्छा खुर्द में भाईदूज कराने के बाद शुक्रवार को ट्रैक्टर-ट्राली से घर लौट रहे थे। चालक गांव के समीप पेट्रोल पंप के समाने हाईवे

ट्रैक्टर से टकराकर क्षतिगस्त हुई बाइक।

के कट से ट्रैक्टर-ट्राली को मोड़ रहा था। तभी मीरगंज की ओर आ रहे जिला रामपुर के कस्बा मिलक के मोहल्ला अब्दुल्लापुर निवासी विनय , रजनेश व आदित्य की बाइक ट्रैक्टर ट्राली के बीच के हिस्से में घुस गई। हादसे में तीनों युवक घायल हो गए। जिन्हें पुलिस व राहगीरों की मदद से एंबुलेंस के माध्यम से बरेली अस्पताल भेजा गया। जहां घायलों का इलाज चल रहा है। चालक ट्रैक्टर छोड़कर भाग गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्राली को कब्जे में ले लिया गया है।

फरीदपुर : थाना बारादरी के नवादा शेखान निवासी अभिषेक सागर गुरुवार को गांव मेहतरपुर तेजा सिंह में मां मुन्नी देवी को भाईदूज के लिए बाइक से छोड़कर घर आ रहे थे। रास्ते में कंजा मोड़ पर सामने से आ रही बाइक से उनकी बाइक में टक्कर हो गई। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टरों ने अभिषेक को मृत घोषित कर दिया। अभिषेक दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़े थे। परिजनों के अनुसार धनतेरस पर अभिषेक ने नई बाइक खरीदी थी। उधर, थाना कैंट क्षेत्र के ठिरिया निजावत खां निवासी शादाब (25) शुक्रवार देर शाम बाइक से फरीदपुर आ रहे थे। हाईवे पर केसरपुर कट के सामने उनकी बाइक दुग्ध वाहन में पीछे से घुस गई। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायल को सीएससी भेजा। जहां चिकित्सकों ने शादाब को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, पुलिस ने दुग्ध वाहन को कब्जे में ले लिया। जबकि चालक मौके से भाग गया।

कार और-बाइक में टक्कर तीन लोग घायल

आंवला : आंवला-भमोरा मार्ग पर गांव पथरी के समीप कार और बाइक में टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोग घायल हो गए। धारा पुआवा निवासी चंदन गुप्ता भाई अंकित गुप्ता और दो बहनों के साथ मनौना धाम के दर्शन करने आए थे। शुक्रवार देर शाम वह कार से घर लौट रहे थे। वहीं गांव रफियाबाद निवासी प्रमोद कुमार पांच वर्षीय बेटे अनिकेत के साथ ससुराल मोतीपुरा में भाई दूज मनाने आए थे। वह मोहम्मद पथरा गांव की ओर जा रहे थे। रास्ते में कार और बाइक में भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार चंदन गुप्ता, बाइक सवार प्रमोद कुमार घायल हो गए। जबकि प्रमोद के बेटे अनिकेत मामूली चोट आई। पुलिस ने घायलों को सीएचसी भेजा। जहां चिकित्सक ने प्रमोद कुमार को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

सड़क दुर्घटना में एक साथ दो मौतों से सदमे में परिजन

देवरनियां, अमृत विचार : सड़क हादसे में महिला और उसके नाती की मौत से परिजन सदमे में हैं। गांव पिपरा नानकार निवासी रतनलाल की पत्नी मुन्नी देवी (50) गांव डंडिया नगला निवासी दामाद कंधईलाल के साथ बाइक से मायके जिला पीलीभीत के थाना जहानाबाद के गांव रम्पुरा में भाई दूज करने गुरुवार दोपहर गई थीं। उनके साथ कंधई लाल का दस वर्षीय पुत्र शिवम भी गया था। रात में करीब 8.30 बजे वे लोग रम्पुरा से गांव पिपरा नानकार को लौट रहे थे। तभी रिछा-जहानाबाद मार्ग पर बकैनियां पेट्रोल पंप के पास ट्रक ने सामने से बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में मुन्नी देवी और नाती शिवम की मौके पर ही सांसें थम गईं। जबकि कंधईलाल घायल हो गए। उपनिरीक्षक आशुतोष द्विवेदी ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे।

पति-पत्नी के बीच का विवाद थाने पहुंचा

फरीदपुर, अमृत विचार : पति पत्नी के बीच का विवाद थाने पहुंच गया। महिला का आरोप है कि पुलिस ने दोनों पक्षों को काउंसलिंग के लिए बुलाया था, मगर बाद में पुलिस ने मामला कोर्ट में विचाराधीन होने के कारण हाथ खड़े कर दिए। काफी देर तक महिला थाना गेट पर परिजनों के साथ बैठी रही।

दरअसल, सेंथल क्षेत्र की युवती का निकाह कस्बा क्षेत्र में एक निजी अस्पताल के संचालक से हुआ था। महिला का आरोप है कि पति के कई महिलाओं से संबंध हैं। इसकी जानकारी होने पर उसने विरोध किया। पति ने उसे पीटकर घर से निकाल दिया। इसकी शिकायत उसने कोतवाली पुलिस से की। पुलिस ने त्योहार के बाद दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने की बात कही। महिला के अनुसार पुलिस के बुलावे पर शुक्रवार को वह परिजनों के साथ कोतवाली पहुंची। उसका पति भी वहां आया। महिला का आरोप है कि पुलिस ने उसकी एक न सुनी। साफ कह दिया गया कि उनका मामला कोर्ट में विचाराधीन है। पुलिस इसमें कोई कार्रवाई नहीं कर सकती।

चुनावी रंजिश में दो पक्ष भिड़े, रिपोर्ट

क्योलड़िया, अमृत विचार : चुनावी रंजिश में पूर्व प्रधान और प्रधान के बीच विवाद हो गया, जिसमें कई लोग घायल हो गए। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गांव बिहारीपुर अब्दुल रहमान के पूर्व प्रधान अजय गंगवार का प्रधान दीनानाथ के बीच चुनावी रंजिश चल रही है। आरोप है कि इसी को लेकर गुरुवार रात दीनानाथ सहयोगी वेद प्रकाश, आकाश, नरेश चंद्र, अनिल को लेकर पूर्व प्रधान अजय के घर पहुंचे। आरोप है कि इन लोगों ने गालियां देते हुए बंके से प्रहार किया, जिससे वह घायल हो गए। वहीं दीनानाथ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह विकास उर्फ बड़े, वेद प्रकाश, अनिल के साथ गांव में शाम को टहल रहे थे, तभी पूर्व प्रधान अजय ने अन्य लोगों के साथ धारदार हथियार हमला बोल दिया, जिसमें वह घायल हो गए। प्रभारी निरीक्षक राजबली सिंह ने बताया कि मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

बहुउद्देशीय ग्रामीण सहकारी समिति पर लटका मिला ताला

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : किसानों की शिकायत पर एसडीएम आलोक कुमार ने शुक्रवार को बहु उद्देशीय ग्रामीण सहकारी समिति का निरीक्षण किया। समिति गेट पर ताला लटका मिला। उन्होंने कार्रवाई के लिए सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता को पत्र भेजा है।

एसडीएम ने बताया कि किसानों ने शिकायत की थी कि बहुउद्देशीय ग्रामीण सहकारी समिति के सचिव के उपस्थित न होने के कारण गेट पर ताला लटका हुआ है। जिससे

समिति का निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम को बंद मिला ताला। ● अमृत विचार

- किसानों की शिकायत पर एसडीएम ने किया निरीक्षण

किसानों को खाद - यूरिया आदि क्रय करने में असुविधा हो रही है। इस पर एसडीएम ने शाम 4 बजे निरीक्षण किया। इस दौरान समिति केन्द्र बंद मिला। सचिव भी अनुपस्थित पाए गए। उन्होंने कहा कि सचिव का अनुपस्थित रहना कार्य के प्रति घोर लापरवाही है।

आंवला में क्रय केंद्रों पर धान खरीद सुस्त

आंवला में धान क्रय केंद्र पर मौजूद कर्मचारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, आंवला

- 17 में से सात केंद्रों पर हुई 40 हजार क्विंटल धान खरीद

अमृत विचार : तहसील क्षेत्र में धान खरीद की रफ्तार बेहद सुस्त है। आंकड़े भी इसकी तस्दीक कर रहे हैं। धान खरीद को 24 दिन हो गए हैं, मगर 17 में से मात्र 7 केंद्रों पर महज 40 हजार क्विंटल धान खरीद हो सकी है।

जिले में एक अक्टूबर से धान खरीद शुरू हुई है। आंवला मंडी परिसर में खाद्य विभाग के चार, पीसीएफ का एक और यूपीएसएस के दो क्रय केंद्र संचालित हैं। इसके अलावा एजेंसियों के रामनगर ब्लॉक के केसरपुर, कालाभोज, ब्लॉक आलमपुर जाफराबाद के सिरोही, कुड्डा, डप्टा, बल्लिया, मझगवां ब्लॉक के रफियाबाद, अलीगंज, बिशारतगंज और बड़ा गांव गुलड़िया में क्रय केंद्र हैं। आंकड़ों के अनुसार मंडी परिसर के सभी सातों केंद्रों पर अब तक करीब 40 हजार क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है। ग्रामीण क्षेत्रों के 10 केंद्रों की खरीद प्रक्रिया बेहद धीमी है। क्षेत्रीय विपणन अधिकारी रोहिताश कुमार ने बताया कि मंडी परिसर में संचालित केंद्रों पर खरीद सुचारू रूप से की जा रही है। वहीं एसडीएम विदुषी सिंह ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया जाएगा और खरीद में तेजी लाने के निर्देश दिए जाएंगे।

सिर्फ दो केंद्रों पर हुई धान की तौल

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : क्षेत्र में अब तक सिर्फ दो क्रय केंद्र पर सौ क्विंटल धान की तौल हो पाई है। जबकि अन्य क्रय केंद्र पर कर्मचारी किसानों की राह ताक रहे हैं। फतेहगंज पूर्वी साधन सहकारी समिति और बिलपुर क्रय केंद्र पर ही धान खरीद का श्रीगणेश हो पाया है। बिलपुर निवासी किसान कामराज मिश्रा और ग्राम कुठिला निवासी किसान अंशु कुमार का कहना है कि क्रय केंद्रों पर उचित व्यवस्था की जाए, ताकि किसानों के धान की तौल आसानी से हो सके, उन्हें औने पौने दामों में बाजार में धान न बेचना पड़े।

नगरिया सोबरनी कंपोजिट विद्यालय में चोरी

बरेली/शेरगढ़, अमृत विचार : गांव नगरिया सोबरनी स्थित कंपोजिट विद्यालय के कार्यालय और कमरे का ताला तोड़कर चोर एलईडी, मोटर, पंखे, कुकर आदि सामान चुराकर ले गए। सहायक शिक्षिका गीता ने मामले में पुलिस को तहरीर दी है।

शिक्षिका गीता ने बताया कि 19 से 23 अक्टूबर तक विद्यालय में दिवाली का अवकाश था। इस बीच चोरों ने विद्यालय के कार्यालय एवं कमरे का ताला तोड़कर सामान चोरी कर लिया। जब वह शुक्रवार को स्कूल

स्कूल में बिखरा पड़ा सामान।

पहुंचीं तो घटना की जानकारी हुई। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन
डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन
डॉक्टर्स पैनल
डा. प्रदीप कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन
डा. ओमवती — एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. अहमद अली अंसारी — एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास — एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डा. कुन्दन कुमार — एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन
डा. अमन अग्रवाल — एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी — एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डा. निशान्त गुप्ता — एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. प्रिया सिंह — एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. रहबर इदरीश — बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ
डा. राजा गुप्ता — बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.
उपलब्ध सुविधायें :
● सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज ● दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। ● छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण ● घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध ● नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन ● बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज ● वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा 24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध 24/7 EMERGENCY SERVICES
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

अमृत विचार
Lifelines OF BAREILLY MEDICAL
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002
फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170
डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली
डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें। अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली
डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448
डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

बेहतर कार्य पर शिक्षक सम्मानित

बैठक में शिक्षकों को सम्मानित किया गया। ● अमृत विचार

शेरगढ़, अमृत विचार : ब्लाक शेरगढ़ के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों की संकुल स्तरीय बैठकों का आयोजन संकुल के निर्धारित विद्यालयों में हुआ। जिसमें बेहतर छात्र उपस्थित के लिए प्राथमिक विद्यालय दुनकी के प्रधानाध्यापक बृजेश कुमार गंगवार और नवाचार के लिए सिमरावा के प्रधानाध्यापक ओम कुमार सक्सेना को सम्मानित किया गया। प्रधानाध्यापक राजीव शर्मा, ओम कुमार सक्सेना, जयपाल श्रीवास्तव, रविंद्र सिंह, उमेश गंगवार, बृजेश कुमार गंगवार, वेद प्रकाश, मनोज गंगवार आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मो. तौफीक व उसकी पत्नी उजमा बी व उनके पुत्र अली हमजा को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **मो. इस्माइल पुत्र मुनीर बख्श निवासी ग्राम रिछोला किफायतुल्ला परगना व तहसील नवाबगंज जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र सार्थक यादव के शैक्षिक अभिलेखों में माता का नाम पूनम यादव गलत दर्ज हो गया है। जबकि सही नाम रामदुलारी है। भविष्य में मुझे रामदुलारी के नाम से जाना व पहचाना जाये। **श्रीमती रामदुलारी पत्नी गंगा सिंह निवासी:-सेक्टर 5/331 आवास विकास कॉलोनी बरेली मोड़ तह. सदर जिला शाहजहांपुर**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र कपिल देव ने हाईस्कूल की परीक्षा आदर्श कृष्णा देवी इन्टर कॉलेज, नवदिया झादा बरेली से वर्ष 2023 में उत्तीर्ण की थी। मेरे पुत्र की हाईस्कूल की मुख्य परीक्षा की अंकतालिका जिसका अनुक्रमांक 1230818166 है। जो कि वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **चन्द्रपाल पुत्र श्री मान सिंह निवासी:- डोरिया, बरेली**

सूचना

मेरे पुत्र अमन गंगवार और पुत्री अंजली गंगवार के विद्यालय अभिलेखों में पिता का नाम जयपाल गंगवार व माता का नाम खेमा देवी दर्ज हो गया है जोकि गलत है सही नाम अमन गंगवार पुत्र जयपाल, अंजली गंगवार पुत्री जयपाल व माता का नाम हेम कुंवर है। अभिलेखों में दुरूस्त कर इन्हीं नामों से जाना जाये। अमन गंगवार पुत्र जयपाल, अंजली गंगवार पुत्री जयपाल माता का नाम हेम कुंवर ग्राम हरैया पोस्ट क्योलड़िया तहसील नवाबगंज जिला बरेली

आवश्यकता है

एल.बी.एस.ग्रुप ऑफ एजुकेशन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट कॉलेज हरदुआ नवाबगंज बरेली

को यूजीसी द्वारा मान्यता धारक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की निम्न विषयों में भूगोल, शिक्षा शास्त्र, जंतु विज्ञान, कृषि हॉर्टिकल्चर कृषिशस्य विज्ञान, कृषि बॉटनी, कृषि पादप विज्ञान इच्छुक अभ्यर्थी महाविद्यालय में 7 दिनों के अंदर संपर्क करे।

संपर्क : 9412360790

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

NOTICE

In the School Records of my son Aman Gangwar and my daughter Anjali Gangwar father name Jaypal Gangwar and mother name Khema Devi wrongly registered. The correct name is Aman Gangwar, Anjali Gangwar father name Jaypal and Mother Name Hem Kunvar. Please correct is in the record and he should be known by name Aman Gangwar, Anjali Gangwar father Jaypal and Mother Name Hem Kunvar.

आवश्यकता है

सूर्या बैंक्वेट हॉल, बरेली में सुपरवाइजर

उम्र -25 से 35 वर्ष
मेहनती व्यक्ति की आवश्कता है।
अनुभव - न्यूनतम 2 वर्ष।
संपर्क : 8279937204

न्यूज ब्रीफ

धारदार हथियार से हमला कर काटा कान

आंवला, अमृत विचार : रामनगर गांव निवासी अजय ने बताया कि 22 अक्टूबर की शाम गांव के अंकित, अवधेश, झुन्डा, छोटू, और दिनेश ने घर में घुसकर गाली-गलौज की। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने अजय पर धारदार हथियार से प्रहार किया, जिससे उसका कान कट गया। उसे लात-घूंसों और डंडों से भी पीटा। अजय के भाई रामनिवास के साथ भी मारपीट की गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

चाकू से हमला करने वाला गिरफ्तार

सिरौली, अमृत विचार : पुलिस ने फुफेरे भाई पर चाकू से हमला करने वाले को गिरफ्तार कर लिया है। तीन दिन पहले मुरावटोला के मिक्की मियां ने फुफेरे भाई मोहल्ला तलैया प्यास निवासी शाहबाज पर चाकू से हमला कर दिया था। जिससे वह घायल हो गया था। पुलिस ने घायल को अस्पताल भेजा था। पुलिस ने मिक्की मियां को गिरफ्तार कर लिया।

तमंचा के साथ ग्रामीण गिरफ्तार, गया जेल

शीशगढ़, अमृत विचार : पुलिस ने कस्बा निवासी एक ग्रामीण को तमंचे के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र सिंह ने बताया कि गश्त कर रही पुलिस ने ग्राम जगत रोड पर मोहल्ला कंचन कुआं निवासी शकील की तलाशी ली, जिसके पास से तमंचा व दो कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

संगोष्ठी में शिक्षण के बिंदुओं पर की चर्चा

देवरनियां, अमृत विचार : ब्लॉक रिछा (दमखोदा) की न्यायपंचायत जोखनपुर की संकुल शिक्षक गोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को सीयूपीएस डंडिया नगला में हुआ। जिसमें शिक्षण योजना, निपुण तालिका, शिक्षक डायरी, निपुण लक्ष्य एप द्वारा आकलन, परख एप आदि पर चर्चा की गई। अध्यक्षता इंचार्ज प्रधानाध्यापक दशरथ सिंह गंगवार ने की। इसके अलावा शारदा कार्यक्रम, परिवार सर्वेक्षण आदि के बारे में जानकारी दी गई। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला संगठन मंत्री चन्द्रसेन दिवाकर, सैय्यद जुनैद, देवेश गंगवार, आसिम, ऊषा गंगवार, ज्योति सिंह, गौरव पंत, तौफीक, सुरेश बाबू आदि मौजूद रहे।

डीएपी दिलाने के बहाने किसान से रुपये ठगे

बदायूं, अमृत विचार : गांव नसरुल्लापुर निवासी किसान सर्वेंद्र ने बताया कि वह शुक्रवार आलू की फसल के लिए दो कट्टे डीएपी खरीदने सहकारी समिति पर आए थे। जहां एक व्यक्ति ने उन्हें झांसे में लिया। वह उन्हें सीएचसी पर ले गया। दो कट्टे डीएपी के लिए 2700 रुपये मांगे। किसान ने उसे 2500 रुपये दे दिए और 200 रुपये बाद में देने को कहा। जिसके बाद वह सीएचसी के कमरे से कट्टे लेने जाने की बात कहकर फरार हो गया।

डीएम और एसएसपी के सामने उठाया कमीशनखोरी का मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: विकास भवन सभागार में किसान दिवस में पहली बार डीएम और एसएसपी ने एक साथ किसानों की समस्याएं सुनीं। किसानों ने खाद की ओवररेटिंग और सरकारी योजनाओं में अफसरों की मनमानी और कमीशनखोरी जैसी समस्याएं उठाईं। एक किसान ने कुछ अफसरों पर किसानों से सुविधा शुल्क मांगने का आरोप लगाया। डीएम ने कहा कि अगर किसी भी अफसर की शिकायत मिली तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

डीएम ने सबसे पहले पिछले किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के संबंध में किसानों से फीडबैक लिया। दमखोदा के एक किसान ने जमीन के मामले में कई बार शिकायत के बाद भी निस्तारण नहीं होने का मामला उठाया। इस पर डीएम ने एसडीएम बहेड़ी को फोन कर तत्काल मौके पर स्थिति देखने और कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

आंवला तहसील के किसान एमपी सिंह ने बताया कि उनके गांव में शवदाह गृह को जाने वाला मार्ग लंबे समय से बदहाल है। मनरेगा और पीडब्ल्यूडी से बनने वाली सड़क में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की। बहेड़ी के गांव सकरस के करन सिंह सागर ने कहा कि उनके यहां दलित बस्ती के ऊपर से हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। अब तक सात लोगों की जान जा चुकी है। बिजली विभाग के एसई ने बताया हाइटेंशन लाइन हटाने को साढ़े चार लाख रुपये का एस्टीमेट तैयार है, केवल बजट मिलना बाकी है। इस पर डीएम ने कहा कि बजट शीघ्र उपलब्ध न हो तो वह लिखकर दें, बजट की व्यवस्था वह कराएंगे।

किसान दिवस में मौजूद डीएम, सीडीओ, एसएसपी व अन्य। ● अमृत विचार

नवाबगंज के छेदालाल गंगवार ने सरकारी संपत्तियों पर अवैध कब्जे और गन्ना बकाया भुगतान का मुद्दा उठाया। किसान रीतराम ने आरोप लगाया कि कृषि विभाग के संरक्षण में खाद की निजी दुकानों पर ओवररेटिंग का खेल चल रहा है। इस पर डीएम ने कहा यदि कोई

● विकास भवन में किसान दिवस में खाद की ओवररेटिंग की भी की शिकायत

उर्वरक विक्रेता ऐसा कर रहा है, तो उसकी शिकायत लिखित रूप में करें, हम जांच कराकर कार्रवाई कराएंगे। किसानों ने शिकायत करने पर दूसरे विभाग का मामला होने की बात कहकर पल्ला झाड़ने की बात कही। इस पर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि यदि कोई शिकायत किसी विभाग से संबंधित हो तो मात्र यह लिखकर इतिश्री न करें कि यह हमसे संबंधित नहीं है, बल्कि जिस विभाग से संबंधित हो उसे शिकायत भेजें और फोन के माध्यम से भी बताएं। पुलिस से जुड़ी समस्याओं को भी किसानों ने उठाया और कहा कि थानों और चौकियों में गरीब किसानों की सुनवाई नहीं होती। इस पर एसएसपी अनुराग आर्य ने समाधान का भरोसा दिलाया और कहा कि अगर किसी भी किसान के साथ कोई अन्याय होता है तो वह सीधे उनके कार्यालय में शिकायत दर्ज करा सकता है। सीडीओ देवयानी ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए विभागीय स्तर पर विशेष व्यवस्था की गई है। इस दौरान उप निदेशक कृषि अमरपाल, डीपीआरओ कमल किशोर, डिप्टी आरएमओ कमलेश पांडेय, एएमए डॉ. नीतू सिसौदिया समेत विभिन्न विभागों के अफसर मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने फसल बीमा कंपनी का प्रतिनिधि न होने पर जताई नाराजगी

किसान सीताराम ने कहा कि इस साल बड़ी संख्या में किसानों की फसल बाढ़ की चपेट में आई। फसल को नुकसान पहुंचने के बाद बीमा कंपनी की ओर से कोई सर्वे नहीं किया गया। कृषि विभाग ने भी गांव जाकर बर्बाद हुई फसल देखने की जरूरत नहीं समझी। इस पर डीएम ने नामिक फसल बीमा कंपनी से किसी भी कर्मचारी की उपस्थिति न मिलने पर नाराजगी जताई और डीडी कृषि अमरपाल सिंह को किसान की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जांच के निर्देश दिए।

कार्तिक मेले की तैयारी तेज, घाट पर गंदगी के ढेर

रामगंगा घाट और मेला स्थल की सफाई की अभी तक नहीं ली सुध, निरीक्षण करने पहुंचे अफसर

संवाददाता, कैंट

● मेले के लिए जाने वाला मार्ग भी बदहाल, उड़ रहे धूल के गुबार

● वर्ष 1925 में मेले की हुई थी शुरुआत, जुटते हैं लाखों श्रद्धालु

अमृत विचार : रामगंगा चौबारी घाट पर कार्तिक मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। झूले पहुंचने लगे हैं, मगर घाट किनारे गंदगी के ढेर लगे हैं। इतना ही नहीं मेला को जाने वाला मार्ग भी बदहाल है, मगर जिम्मेदारों ने अभी तक इस ओर ध्यान नहीं दिया है।

वर्ष 1925 में मेले की शुरुआत हुई थी। इस बार मेला अपने सौ साल पूरे करने जा रहा है। मेले में नखासा के अलावा फर्नीचर की दुकानें लगती हैं, मीना बाजार सजता है। मेले में ग्रहस्थी का सारा सामान मिलता है। मुख्य गंगा स्नान 5 नवंबर को होगा। इससे पहले सोमवार व मंगलवार को छठ पर्व मनाने को घाट पर हजारों श्रद्धालु पहुंचेंगे, लेकिन चौबारी घाट पर गंदगी के ढेर लगे हैं।

लोक निर्माण विभाग और मेला कमेटी की ओर से अभी तक घाट व मेला मैदान की सफाई नहीं कराई गई है।

नायरा पेट्रोल पंप के सामने से मेला को जाने वाला मुख्य मार्ग ऊबड़-खाबड़ है। यहां से वाहन गुजरने के दौरान धूल के गुब्बार उड़ते हैं। इससे दुकान लगाने वालों को परेशानी होगी।

चौबारी में रामगंगा घाट के किनारे लगे गंदगी के ढेर। ● अमृत विचार

घाट का निरीक्षण करते मेला मजिस्ट्रेट प्रमोद कुमार। ● अमृत विचार

झूलों का सामान पहुंचा। ● अमृत विचार

घाट पर गंदगी देख एसडीएम ने जताई नाराजगी

चौबारी स्नान घाट पर शुक्रवार को एसडीएम सदर एवं मेला मजिस्ट्रेट प्रमोद कुमार निरीक्षण को पहुंचे। घाट पर फैली गंदगी को देखकर वे भड़क गए। पंचायती राज अधिकारी और क्यारा ब्लॉक अधिकारियों को दो दिन के भीतर घाट की साफ सफाई और जगह को समतल कराने के निर्देश दिए। तहसीलदार भानु प्रताप सिंह, नायब तहसीलदार विदित कुमार समेत अन्य अफसर मौजूद रहे। वहीं, सीओ सिटी प्रथम आशुतोष शिवम ने कैंट इंस्पेक्टर राजेश कुमार के साथ मेला मैदान का जायजा लिया। वाहन स्टैंड और मेला कोतवाली के लिए जगह चिह्नित की।

घोड़ों का नखासा होगा आकर्षण का केंद्र

मेला कमेटी के प्रदीप पांडेय और जयवीर सिंह ने बताया कि इस बार बड़ा नखासा बाजार लगने की उम्मीद है, जो आकर्षण का केंद्र होगा। रामपुर, संभल आदि जिलों से दर्जनों झूले मेले में पहुंच चुके हैं। दूर-दूराज से आने वाले दुकानदारों ने मेला मैदान में अपनी-अपनी जगह सुनिश्चित कर दुकानें लगानी शुरू कर दी हैं।

मेले की मुख्य सड़क के निर्माण को लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कहा गया है। शीघ्र सड़क का निर्माण कराया जाएगा। धूल से बचाव के लिए पानी का छिड़काव भी कराया जाएगा।

-प्रमोद कुमार, एसडीएम सदर

मेले में युवक की पिटाई का वीडियो वायरल

पीलीभीत, अमृत विचार : पूरनपुर में आयोजित रामलीला मेले में गुरुवार रात भीड़ ने एक युवक को महिला से छेड़छाड़ करने के आरोप में पीट दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। महिला की ओर से शिकायत नहीं की गई है।

पूरनपुर रामलीला मैदान में गुरुवार रात भीड़ के बीच एक युवक पर महिला से अभद्र व्यवहार और छेड़छाड़ करने लगा। महिला ने शोर मचाया तो आसपास मौजूद लोगों ने युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। कुछ लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन देखते ही देखते मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत कराया। युवक को भीड़ से छोड़ाकर कोतवाली ले आई।

श्रीराम के आदर्शों को अपनाने का आह्वान

शेरगढ़, अमृत विचार : गांव कुंवरपुर स्थित बरी वाले महाराज के मंदिर पर शुक्रवार को पांच दिवसीय रामलीला मेले का शुभारंभ सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने किया। उन्होंने प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कहा कि मेला सौहार्द का प्रतीक है। इस प्रकार के आयोजनों से आपस में सद्भाव बढ़ता है। इससे पहले आयोजक मंडल ने सांसद का स्वागत किया। प्रधान नरेश पाल ने बताया कि मेले में कछला से आए कलाकार प्रभु श्रीराम की लीलाओं का मंचन करेंगे। मेला अध्यक्ष रामलाल, प्रेमपाल गंगवार, क्षेत्र पंचायत सदस्य गोपाल करन, मुनीष कुमार गंगवार, श्रीपाल गंगवार, विनोद कुमार, ब्रह्म स्वरूप, संतोष कुमार गंगवार, सूर्य प्रकाश, संजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

● रामलीला मेले का सांसद ने किया शुभारंभ

मेले का शुभारंभ करते सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार। ● अमृत विचार

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा का शुभारंभ

आंवला, अमृत विचार : कस्बे की महाराज पुरम कॉलोनी स्थित गायत्री शक्ति पीठ स्थल पर शुक्रवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां शामिल हुईं।

कृष्णा सखी गायत्री शक्ति पीठ महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित इस कथा में प्रयागराज के आचार्य सुशील मिश्र कथा का वाचन करेंगे। शुक्रवार सुबह भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जो पक्का कटरा, भुर्जी टोला, स्टेट बैंक चौराहा, छोटी बाजार से होती हुई मंदिर परिसर में सम्पन्न हुई। कथा का आयोजन 30 अक्टूबर तक प्रतिदिन सायं 4 से रात्रि 8 बजे तक किया जाएगा। सभासद सपना अग्रवाल, सीमा सक्सेना, रचना प्रजापति, मीरा अग्रवाल, ऋचा माहेश्वरी, खुशी शर्मा, लक्ष्मी शर्मा, शीतल माहेश्वरी, मिथलेश माहेश्वरी, राजेश सक्सेना, राधा कृष्ण माहेश्वरी, संजय अग्रवाल उर्फ बॉबी, नीटू खंडेलवाल, सुरेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

कलश यात्रा में बड़ी संख्या में शामिल हुईं महिलाएं। ● अमृत विचार

निपुण लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षकों को प्रोत्साहित किया

कार्यक्रम की शुरुआत करतीं शिक्षिकाएं। ● अमृत विचार

फरीदपुर, अमृत विचार : प्राथमिक विद्यालय रायपुर हंस में शुक्रवार को न्याय पंचायत की संकुल बैठक आयोजित हुई। नोडल प्रभारी सुरेश गंगवार ने संदर्शिका, प्रिंट रिच सामग्री, किट्स एवं तालिका आदि के कक्षा-शिक्षण में प्रयोग पर विस्तृत चर्चा की। सहायक अध्यापिका ऋचु सिंह ने निपुण लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षकों को प्रोत्साहित किया। बच्चों ने शिक्षक रीना यादव के निर्देशन में रंगोली बनाई। प्रधानाध्यापिका नूरुस सहर, ऋचु सिंह, धर्मवती, वरुण कुमार, उमा शंकर, प्रकाश वीर व न्याय पंचायत के शिक्षक मौजूद रहे।

रिठौरा में दस दिवसीय रामलीला मेला शुरू

रिठौरा, अमृत विचार : कस्बा में दस दिवसीय प्राचीन रामलीला मेला शुक्रवार से शुरू हो गया। पहले दिन हवन-पूजन के साथ 101 कन्याएं जिमाईं गईं। भगवान विष्णु व नारद संवाद की लीला का मंचन हुआ। शनिवार को प्रभु श्रीराम के जन्म की लीला का मंचन होगा। मेला अध्यक्ष चेयरमैन प्रतिनिधि अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि दिन में रामलीला मंचन और रात्रि में कलाकार प्राचीन सनातनी परंपरा से जुड़े नाटकों का मंचन करेंगे। पूरन लाल कश्यप ने बताया कि मेले में झूले, सर्कस, काला जादू आदि आकर्षण का केंद्र हैं। धनपाल सिंह, सभासद मनोज कुमार कश्यप, पप्पू कश्यप, दिनेश भास्कर आदि मौजूद रहे।

सनातन संस्कृति के प्रखर वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ 15 को आएंगे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: सनातन संस्कृति चेतना ट्रस्ट ने शुक्रवार को 15 नवंबर को होने वाले सनातन संस्कृति के प्रखर वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैठक की।

ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य रोहित जिंदल के कार्यालय में हुई बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा और व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में तय हुआ कि कार्यक्रम इस बार अर्बन हाट के बड़े हाल में आयोजित किया जाएगा। ट्रस्ट के सदस्यों ने बताया कि इससे पहले शहर में पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ के चारों कार्यक्रमों में बुद्धिजीवी वर्ग ने बड़ी संख्या में भाग लिया था। इसी के तहत इस बार अधिक विस्तृत स्थान का चयन किया गया है। पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ अपने विचारों में राम मंदिर, धारा 370, और सनातन से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर गहन विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं।कार्यक्रम शाम 6:30 बजे से शुरू होगा। बैठक में ट्रस्ट के अध्यक्ष रविंद्र अग्रवाल, सचिव भावेश अग्रवाल, मनोज दीक्षित, अमित भारद्वाज, आशु अग्रवाल, प्रवेश उपाध्याय, डॉ. पवन अग्रवाल, मुकेश बंसल, अनुपम खंडेलवाल, दिनेश खंडेलवाल, डॉ. रचिन अग्रवाल और माधव अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

गन्ना पेराई सत्र की तैयारी पूरी, 10 नवंबर से शुरू होंगी चीनी मिलें

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● बकाया भुगतान न होने तक बहेड़ी और नवाबगंज की मिलों पर रहेगी गन्ना आपूर्ति की रोक

अमृत विचार: जिले में गन्ना पेराई सत्र 2025-26 की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। बहेड़ी की केसर और नवाबगंज की ओसवाल मिल को छोड़कर अन्य मिलें 10 नवंबर से पेराई सत्र शुरू कर देंगी। बहेड़ी के बहादुरपुर में खुली त्रिवटीनाथ चीनी मिल भी इसी सत्र से गन्ना पेराई करेगी। हालांकि बहेड़ी और नवाबगंज की मिलों को तब तक पेराई की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक वह किसानों का पुराना बकाया भुगतान नहीं कर देतीं।

जिला गन्ना अधिकारी दिलीप सैनी ने बताया कि फरीदपुर की द्वारिकेश, मीरगंज की धामपुर, सेमीखेड़ा की सहकारी चीनी मिल और बहेड़ी के बहादुरपुर में खुली चीनी मिलें पेराई शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सभी मिलों का निरीक्षण करने के साथ ही मिल प्रबंधकों के साथ बैठक करने के बाद निर्देश दिए हैं कि वह किसानों का गन्ना समय पर खरीदें और भुगतान भी समय पर करें। गन्ना किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए जिला प्रशासन भी पूरी तरह से सतर्क है। पेराई सत्र के दौरान किसान किसी भी प्रकार की समस्या होने पर सीधे उनके कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। डीएम की पहल पर जिले में पहली बार ऐसा होगा कि सहकारी और निजी चीनी मिलें हर हाल में 10 नवंबर तक शुरू हो जाएंगी। सेमीखेड़ा की सहकारी मिल हर सप्ताह किसानों का भुगतान करेगी। वहीं ओसवाल मिल से संबद्ध सभी गन्ना केंद्र हटाते हुए मिल में रखी चीनी कुर्क की जाएगी। जबकि बहेड़ी मिल से भी संबद्ध 33 फीसदी क्रय केंद्र हटाकर दूसरी मिल से जोड़ दिए हैं। बहेड़ी के किसानों का बकाया भी चीनी मिल की संपत्ति बेचकर किया जाना है।

सख्ती

पराली जलाने की घटनाओं को लेकर प्रदेश की टॉप-10 सूची में जिला शामिल होने पर डीएम ने कार्रवाई की बात कही

पराली जलाने की सेटेलाइट से निगरानी, नहीं बचेंगे किसान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : धान की खेती करने वाले किसान छिप-छिपाकर पराली जलाने की सोच रहें तो सावधान हो जाएं, क्योंकि सेटेलाइट से खेतों पर सीधी नजर रखी जा रही। इधर, पराली जलाई, उधर अफसरों पर आपकी पूरी जानकारी पहुंच जाएगी। इसके बाद अफसर चाहकर भी आपको नहीं बचा पाएंगे। पराली जलाने पर किसानों को न केवल जेल जाना पड़ सकता है, बल्कि भारी जुर्माना भी अदा करना पड़ सकता है।

उप कृषि निदेशक अमरपाल ने बताया कि पराली जलाने के मामले में बरेली जनपद प्रदेश में टॉप टेन में शामिल रह चुका है। जिले में इस सीजन में पराली जलाने के अब तक 17 मामले सैटेलाटइट की पकड़ में आ चुके हैं। इनमें जांच में 11 मामले सही पाए गए। ऐसे में जिला प्रशासन की ओर से सख्ती बढ़ाते हुए पराली जलाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने खुद भी किसानों से अपील की है कि वह कटाई के बाद खेतों में बचे अवशेष को न जलाएं, बल्कि इसका सही तरीके से निस्तारण करें और जैविक खाद बनाने जैसे विकल्पों को अपनाएं। इससे न केवल पर्यावरण की रक्षा होगी, बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहेगी। कहा कि पराली जलाने पर अब किसानों पर भारी जुर्माना भरना पड़ सकता है।

● डीएम बोले-पराली जलाने पर न केवल जेल जाना पड़ेगा, बल्कि जुर्माना भी लगेगा

उन्होंने जुर्माने की राशि 5000 रुपये से लेकर 30 हजार रुपये तक हो सकती है। लेखपालों और कृषि विभाग के अधिकारियों को गांवों में पराली जलाने की घटनाओं पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, किसानों को जागरूक करने के लिए गांव-गांव पराली के निस्तारण के सही तरीके और इसके लाभों के बारे में बताया जा रहा है। जिले में पराली जलाने पर 11 किसानों से 25 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया है। कृषि विभाग का कहना है कि किसान पराली का उपयोग खेत में खाद के रूप में कर सकते हैं।

छुट्टा गोवंश के हमले में बुजुर्ग किसान घायल

बदायूं, अमृत विचार : मुजरिया क्षेत्र के गांव अलीगंज के ग्रामीण ने तकरीबन एक साल पहले बछले को छुट्टा छोड़ दिया था। जो अब बड़ा होकर ग्रामीणों की परेशानी का सबब बन रहा है।

पिछले छह महीने से वह कई किसानों पर हमला कर चुका है। गांव निवासी 65 साल के किसान रणवीर सिंह पुत्र सिपट्टर सिंह तोमर पर भी उसने हमला किया। वह घायल हो गए। उनके चिल्लाने पर ग्रामीणों ने पहुंचकर बचाया। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घर में घुसकर महिला से किया दुष्कर्म, रिपोर्ट दर्ज

बहेड़ी, अमृत विचार : एक गांव में युवक ने घर में घुसकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गुरुवार रात करीब 11:30 बजे वह घर में तख्त पर सो रही थी। आरोप है कि तभी गांव का ही युवक घर में घुस आया और उसे दबोच लिया। युवक ने मुंह में कपड़ा ठूंस कर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब आरोपी भागने लगा तो उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। गांव के ही एक व्यक्ति ने आरोपी को पकड़ लिया मगर वह हाथ छुड़ाकर भाग गया। आरोपी ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी है। सोमवार सुबह पीड़िता ने थाना पहुंचकर शिकायत की। पुलिस ने मामले में आरोपी राकेश यादव पुत्र ओम प्रकाश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अमृत विचार

बरेली , शनिवार,25 अक्टूबर 2025

अमेरिका सैन्य तैयारी बढ़ाते हुए लैटिन अमेरिका में विमानवाहक पोत भेजेगा

सैन्य ताकत को बढ़ाने के लिए उठाया गया ताजा कदम है : रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना दक्षिण अमेरिका के पास जलक्षेत्र में एक विमानवाहक पोत तैनात कर रही है, जो क्षेत्र में सैन्य ताकत को बढ़ाने के लिए उठाया गया ताजा कदम है।

हेगसेथ ने इससे पहले कहा कि अमेरिकी सेना ने मादक पदार्थ ले जाने के संदेह में कैरेबियाई क्षेत्र में एक नौका पर अपना 10वां हमला किया, जिसमें छह लोग मारे गए। हेगसेथ ने इस नौका के संचालन के लिए ट्रेन डि अरागुआ गिरोह को जिम्मेदार ठहराया है। हेगसेथ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि रात में यह हमला किया गया और ऐसा दूसरी बार हुआ है जब ट्रंप प्रशासन ने अपने किसी अभियान को इस गिरोह से जोड़ा है जिसकी शुरुआत वेनेजुएला की एक जेल से हुई थी। हाल के दिनों में हमलों की गति तेज हो गई है।

हेगसेथ ने कहा कि यह हमला अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में हुआ और उन्होंने दावा किया कि यह रात में किया गया पहला हमला था। हेगसेथ ने पोस्ट में कहा कि यदि आप हमारे गोलार्ध में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक नार्को-आतंकवादी गिरोह हैं, तो हम आपके साथ वैसा ही व्यवहार करेंगे जैसा हम अल-कायदा के साथ करते हैं। दिन हो या रात, हम आपके नेटवर्क का पता लगा लेंगे, आपके लोगों पर नजर रखेंगे, आपका पीछा करेंगे और आपको मार डालेंगे। यह हमला गुरुवार को अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के तट तक दो सुपरसोनिक भारी बमवर्षक विमानों के उड़ान भरने के कुछ घंटों बाद हुआ।

यह उड़ान कैरेबियन सागर और वेनेजुएला के तटवर्ती जलक्षेत्र में असामान्य रूप से बड़े सैन्य तंत्र का एक हालिया कदम था, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अपदस्थ करने की कोशिश कर सकते हैं। मादुरो पर अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी के साथ आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोप हैं। वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो ने अपने सैन्य अधिकारियों से कहा है कि अमेरिका सरकार जानती है कि कैरिबियन में हालिया कार्रवाइयों के समर्थन में लगाए गए मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप झूठे हैं, और उनका असली मकसद दक्षिण अमेरिकी देश में सत्ता परिवर्तन के लिए दबाव डालना है। हमलों को लेकर हेगसेथ की टिप्पणियों ने हाल में 11 सितंबर, 2001 के हमलों के बाद अमेरिका द्वारा घोषित आतंकवाद के खिलाफ युद्ध और ट्रंप प्रशासन द्वारा मादक पदार्थों के तस्करों पर की गई कार्रवाई के बीच सीधी तुलना को हवा दे दी है। जब पत्रकारों ने बृहस्पतिवार को ट्रंप से पूछा कि क्या वह कांग्रेस से मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ युद्ध की घोषणा जारी करने का अनुरोध करेंगे तो उन्होंने कहा कि यह उनकी योजना नहीं है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बंदूकधारियों ने 18 श्रमिकों का अपहरण किया

कराची, एजेंसी: पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के खुजदार जिले में एक निर्माण कंपनी के स्थल से अज्ञात बंदूकधारियों ने शुक्रवार को 18 श्रमिकों का अपहरण कर लिया। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हथियारबंद लोगों ने बंदूक की नोक पर 18 मजदूरों को ले जाने से पहले कई वाहनों में आग लगा दी।

अधिकारियों ने बताया कि हथियारबंद लोगों ने पहले निर्माणस्थल से सुरक्षा गार्ड को काबू किया और फिर श्रमिकों को एक अज्ञात स्थान पर ले गए। यह पिछले पांच दिनों में इस तरह की दूसरी घटना है जिसमें अधिकतर अन्य प्रांतों से संबंधित मजदूरों को बंदूक की नोक पर अगवा कर लिया गया। इससे पहले, दश्त मस्तुंग जिले में एक सुरक्षा चौकी के निर्माण कार्य के दौरान सात मजदूरों का अपहरण कर लिया गया था।

पुष्कर ऊंट मेला

राजस्थान के अजमेर वार्षिक पुष्कर ऊंट मेले से पहले शुक्रवार को रेत की मूर्ति के सामने तस्वीरें खिंचवाते लोग। ● एजेंसी

न्यूज ब्रीफ

कार पलटने से युवक की मौत, छह घायल

बरखेड़ा, अमृत विचार : पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग पर अनियंत्रित कार तीन बार पलटते हुए नाले के किनारे लगी लोहे की रेलिंग से टकरा गई। हादसे में कार सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। उन्हें सीएचसी से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। कार सवार उत्तराखंड के नानकमत्ता गुरुद्वारा जाने के लिए निकले थे। हादसे की सूचना मिलने पर पहुंचे परिवार वाले बेहाल हो गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में ले लिया है।

राजमार्ग पर ब्रेक लगाने पर बाइक में लगी आग

बदायूं, अमृत विचार : मुरादाबाद-फर्रुखाबाद राजमार्ग पर सुबह लगभग आठ बजे एक युवक बाइक से जा रहा था। मंडी समिति के पास बाइक के आगे कोई जानवर आ गया। युवक के अचानक ब्रेक लगाने पर बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क पर घिसट गई। बाइक में आग लग गई। बाइक सवार दूर भाग गया। आसपास मौजूद लोगों ने पानी और मिट्टी डालकर आग पर काबू पाया लेकिन तब तक पूरी बाइक जल चुकी थी।

इमरान खान की बहन के पासपोर्ट बैंक खाते पर रोक का आदेश

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान की एक आतंकवाद विरोधी अदालत ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान के पासपोर्ट, राष्ट्रीय पहचान पत्र और बैंक खाते पर रोक लगाने का आदेश दिया। इमरान खान जेल में बंद हैं।रावलपिंडी की आतंकवाद निरोधक अदालत (एटीसी) का यह फैसला तब आया जब अलीमा आतंकवाद के मामले में गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बावजूद लगातार सुनवाई में शामिल नहीं हो रही थीं।

एटीसी ने पिछले साल नवंबर में खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी द्वारा इस्लामाबाद में किए गए विरोध प्रदर्शनों से जुड़े आतंकवाद के मामले में अलीमा के खिलाफ कई गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। सुनवाई के दौरान, एटीसी न्यायाधीश अमजद अली शाह ने सवाल किया कि अलीमा हर जगह मौजूद रहती हैं लेकिन अदालत में पेश होने में नाकाम रहती हैं। उन्होंने आदेश दिया कि अलीमा की अदालत में हाजिरी पक्की की जाए और उनके 'कंप्यूटराइज्ड नेशनल आइडेंटिटी कार्ड (सीएनआईसी) और पासपोर्ट पर रोक लगायी जाए। अदालत ने सुनवाई 27 अक्टूबर तक के लिए टाल दी। अलीमा सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की बहुत आलोचना करती हैं।

उनके दो बेटों को पंजाब पुलिस ने आतंकवाद के मामलों में गिरफ्तार किया था और बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था। छब्बीस नवंबर के विरोध प्रदर्शन में 10,000 से ज़्यादा पीटीआई प्रदर्शनकारी इस्लामाबाद में घुस गए थे। उन्होंने जनसभा पर पाबंदी की अनदेखी की थी तथा और उन्हें रोकने के लिए तैनात 20,000 सुरक्षा बलों से भिड़ गए थे। इसके बाद, पाकिस्तान दंड सहिंता की अलग-अलग धाराओं और आतंकवाद निरोधक अधिनियम की धारा सात के तहत कई पीटीआई नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए गए।

भारत-चीन के बीच उड़ानों का संचालन फिर से शुरू होना सकारात्मक कदम: चीन

बीजिंग, एजेंसी

● चीन के लिए सीधी उड़ानों का संचालन 26 से होगा

चीन ने शुक्रवार को कहा कि वह भारत के साथ अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक नजरिये से देखने का इच्छुक है और आगामी रविवार से दोनों देशों के बीच उड़ानों का फिर से शुरू होना 2.8 अरब लोगों के बीच मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

भारत ने दो अक्टूबर को घोषणा की थी कि चीन के लिए सीधी उड़ानों का संचालन 26 अक्टूबर से फिर से शुरू होगा। इसके बाद, इंडिगो ने कहा कि वह 26 अक्टूबर से कोलकाता से गुआंगझोउ और 10 नवंबर से दिल्ली से गुआंगझोउ के लिए उड़ानों का संचालन फिर से शुरू करेगा।

चीनी एयरलाइन चाइना ईस्टर्न ने घोषणा की है कि वह नौ नवंबर से शंघाई से दिल्ली के लिए उड़ान परिचालन पुनः शुरू करेगी। पांच साल के अंतराल के बाद रविवार से दोनों देशों के बीच उड़ानों का संचालन फिर से शुरू होने के बारे में पूछे जाने पर, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां प्रेस वार्ता में कहा कि यह दोनों देशों के बीच बनी सहमति को लागू करने की दिशा में नवीनतम प्रगति है। उन्होंने कहा कि यह चीन और भारत के 2.8 अरब से अधिक लोगों के बीच मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने के लिए एक सकारात्मक उपाय भी है।

उन्होंने कहा कि चीन, भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है ताकि चीन-भारत संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य से देखा जा सके, द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा दिया जा सके, दोनों देशों और उनके लोगों को बेहतर लाभ पहुंचाया जा सके और एशिया तथा विश्व में शांति और समृद्धि बनाए रखने में उचित योगदान दिया जा सके। वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी के बाद दोनों देशों के बीच उड़ान सेवाओं को स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक समय तक चले सीमा गतिरोध के मद्देनजर इन्हें बहाल नहीं किया गया था। गत 31 अगस्त को राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ तियानजिन बैठक के दौरान अपने वक्तव्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि सीधी उड़ानों का संचालन पुनः शुरू करने पर विचार किया जा रहा है।

जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद भारत-चीन संबंध 1962 के युद्ध के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गये थे। कई कूटनीतिक और सैन्य वार्ताओं के बाद, दोनों पक्षों ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर कई टकराव वाले स्थानों से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया था। पिछले वर्ष अक्टूबर में दोनों पक्षों ने अंतिम दो टकराव बिंदुओं, देपसांग और डेमचोक से सैनिकों को पीछे हटाने को लेकर समझौता किया था। समझौते को अंतिम रूप दिए जाने के कुछ दिन बाद मोदी और शी ने कजान में वार्ता की और संबंधों को बेहतर बनाने के वास्ते कई निर्णय लिए। पिछले कुछ महीनों में, दोनों पक्षों ने संबंधों को सुधारने के लिए कई कदम उठाए हैं जिनमें कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करना भी शामिल है।

तीन साल के बच्चे को खंभे से लटकाया, गंदा पानी पिलाया

संवाददाता, उझारी/सैदनगली

● वीडिओ देख बच्चे के पिता ने कार्रवाई की मांग की है

अमृत विचार : उझारी में तीन साल के मासूम बच्चे का मोहल्ले के लड़कों ने मुंह काला कर दिया। इतना ही नहीं उसको गड्ढे में फेंका, बिजली के खंभे पर लटकाकर गला दबाया और गंदे नाले का पानी भी पिलाया। चीखने की आवाज सुनकर वहां से गुजर रहे लोगों ने उसको छुड़वाया। वीडिओ देख बच्चे के पिता ने कार्रवाई की मांग की है।

मामला थाना सैदनगली क्षेत्र के उझारी का है। कस्बा उझारी के मोहल्ला सादात निवासी अकरम पुत्र नन्हे शाह ने बताया कि उनके तीन वर्षीय मासूम बेटे को मोहल्ले के कुछ लड़कों उनके घर के बाहर से उठा लिया। उसके साथ क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। आरोपी लड़कों ने बच्चे का मुंह काला करके उसकी पहचान छिपाने की कोशिश की। फिर जमीन में गड्ढा खोदकर उसे जिंदा गाड़ दिया।

बच्चा गड्ढे से बाहर निकल आया, लेकिन आरोपियों ने हार न मानी। उन्होंने बच्चे को बिजली के खंभे पर लटका दिया और उसका गला दबाने लगे। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर कुछ लोग वहां पहुंचे तो आरोपी भाग निकले। लेकिन उनकी क्रूरता यहीं न रुकी उन्होंने बच्चे को पकड़कर उसे नाले का गंदा पानी पिला दिया, ताकि वह मर जाए। पीड़ित अकरम ने बताया कि जब वह इस घटना की शिकायत करने आरोपी परिवारों के पास पहुंचे, तो आरोपी पक्ष के लोग उल्टा उन पर टूट पड़े। अकरम ने थाना सैदनगली में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

थाना प्रभारी विकास सहरावत ने बताया कि घटना करीब 10 दिन पुरानी है। खेल-खेल में बच्चे का मुंह काला करके उसे पोल से लटकाया और वीडियो बनाई। बच्चे के पिता ने तहरीर दी है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय जिला पंचायत, बदायूं

पत्रांक: 996/जि.पं./नि.अनु./2025-26 दिनांक: 24.10.2025

अल्पकालीन सामान्य निविदा सूचना

उ.प्र. शासन के आदेश सं. 05/2019/2902/33-2-2019-198जी/2018 दिनांक 16 अगस्त 2019 व शासनादेश सं. 1129/33-2-2020-167 जी / 2018 दिनांक 03 जून, 2020 में दी गई व्यवस्था के अधीन समस्त जिला पंचायत में पंजीकृत ठेकेदारों, लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंचम राज्य वित्त आयोग अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष स्वीकृत 3 कार्यों की सामान्य निविदायें दिनांक 10.11.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक बन्द लिफाफे में आमंतित्र की जाती है जो इसी दिनांक 10.11.2025 की दोपहर 02:00 बजे से कार्यालय जिला पंचायत बदायूं में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 10.11.2025 समय 11:00 बजे तक कार्यालय जिला पंचायत में प्राप्त कर सकते हैं। निविदा शुल्क की धनराशि फार्म-5, आर.टी.जी.एस. (RTGS)/ एन.ई.एफ.टी. (NEFT) के माध्यम से जिला निधि के खाता सं. 09830100009167 आई.एफ.एस.सी. कोड BARB0BADAUN में जमा करना अनिवार्य होगा और जमा निविदा शुल्क की यूनिक नम्बर रसीद व 10% (दस प्रतिशत) धरोहर (जमानत) धनराशि की एफ.डी.आर. जो अपर मुख्य अधिकारी के पद नाम से बंधक हो के साथ-साथ जी.एस.टी. पंजीकरण प्रमाण पत्र, आयकर व ठेकेदारी का नवीनीकरण/पंजीकरण प्रमाण पत्र को स्कैन कर निविदा प्रपत्र के साथ लगाना अनिवार्य है। किसी भी निविदा पर बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार सक्षम प्राधिकारी/अध्यक्ष, जिला पंचायत में निहित होगा। सशर्त प्राप्त निविदा तथा नियत तिथि व समय उपरान्त कोई भी वाद व प्रार्थना पत्र स्वीकार्य नहीं होगा। निविदा सम्बन्धी अन्य समस्त जानकारी BUDAUN.NIC.in पर भी देखा जा सकता है। निविदा सम्बन्धी अन्य कोई जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय आकर प्राप्त की जा सकती है। विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.	क्षेत्र पंचायत का नाम	कार्य का नाम	अनु. धनराशि (रू. में)	धरोहर धनराशि	निविदा मूल्य जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
		पंचम राज्य वित्त				
1.	दातागंज	ग्राम भगवानपुर मढ़ी मार्ग से अमानाबाद तक लेपन विशेष मरम्मत	509213	50950	1200	30 दिन
2.	दातागंज	गदरौली मोड से उगनपुर लेपन विशेष मरम्मत	412315	41250	1200	30 दिन
3.	कादरचौक	भोजपुर में कादरचौक मार्ग तक बाया भगवान सिंह शाक्य के ट्यूबेल तक लेपन विशेष मरम्मत	369485	36950	1200	30 दिन

नोट:- 1. जिला पंचायत के पंजीकृत ठेकेदारों, लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभागों में पंजीकृत ठेकदारों द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र- 1,2 व 3 प्रमुख सचिव पंचायतीराज अनु-2 के पत्रांक 819/33-2-2007-100 जी/2006 दिनांक 10 अप्रैल 2007 के अनुसार वैध होना अनिवार्य है।

2. कार्यों के अनुबन्ध आदि की कार्यवाही सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त एवं धनराशि की उपलब्धतानुसार ही किया जायेगा।

3. निर्माण कार्यों में जी.एस.टी. का भुगतान पृथक से देय होगा। जो कार्यों के प्राक्कलन में पृथक से नियमानुसार लगायी गयी है।

4. लेपन कार्य हेतु मैक्सफाल्ट व इमलशन सम्बन्धित ठेकेदार द्वारा क्रय कर भुगतान से पूर्व सी.आर.सी. कार्यालय में उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा तथा सी.आर.सी. का सत्यापन उपरान्त ही भुगतान किया जायेगा।

पवन कुमार गोयल
अभियन्ता
जिला पंचायत, बदायूं

दिनेश प्रताप सिंह
अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, बदायूं

वर्षा सिंह
अध्यक्ष
जिला पंचायत, बदायूं

अमेरिका में बिना वेतन काम कर रहे विमान यातायात नियंत्रक

न्यूयार्क, एजेंसी: अमेरिका में वित्तीय प्रावधान नहीं होने से सरकारी कामकाज अवरूद्ध हो जाने के बीच उड़ानों में भी बाधा आ रही है और विमान यातायात नियंत्रक बिना वेतन के काम कर रहे हैं। विमान यातायात नियत्रंकों की कमी के कारण बृहस्पतिवार को न्यूयॉर्क के लागुआर्डिया हवाई अड्डे, न्यू जर्सी के नेवार्क हवाई अड्डे और वाशिंगटन के रीगन हवाई अड्डे पर उड़ानों में देरी हुई। फ्लाइटअवेयर डॉट कॉम के अनुसार, बृहस्पतिवार को देश भर में विभिन्न कारणों से उड़ानों में देरी की घटनाएं बढ़कर 6,158 हो गईं, जो सप्ताह की शुरुआत में लगभग 4,000 थीं।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचनाः ओटी-10-2025

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिये "खुली" निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं.-1, निविदा सं.: ओटी-10-2025, कार्य का विवरणः पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मण्डल अन्तर्गत गोरखपुर कैण्ट-बाल्मिकीनगर खण्ड में 2 x 25 केवी, एसी, 50 हर्ट्ज ओएचई प्रणाली पर विद्युत आपूर्ति हेतु टीएसएस, एसएसपी, बीएसपी की डिजाईन, आपूर्ति, परीक्षण, स्थापना और कमीशनिंग तथा एसएसपी एवं बीएसपी भवनों के विद्युतीकरण का कार्य। अनुमानित लागतः ₹ 61,32,23,495.34, बयाना राशिः ₹ 32,16,100/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः ₹ निल, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 24 माह, निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समयः 04-12-2025 को 15:00 बजे।

नोटः • इस निविदा के विरूद्ध कोई मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* को देखें। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण
मुजाधि/विद्युत-166 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

लोको पायलट का भाई ठगी में गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचारः पश्चिम बंगाल की पुलिस ने रोजा पुलिस की सहयोग से एक मकान में छापा मारकर डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया आरोपी लोको पायलट का भाई है। पश्चिम बंगाल में एक वरिष्ठ नागरिक से तीन करोड़ 86 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप है। रोजा थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया अमन मन्ना निवासी वलभद्र टावर जिला वर्धमान पश्चिम बंगाल ने साइबर क्राइम थाना आसनसोन में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि डिजिटल अरेस्ट कर आरोपियों ने लगभग तीन करोड़ 86 लाख रुपये ठग लिए थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी।

सीएनडीएस को निर्माण का प्रोजेक्ट देने पर रोक

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान लापरवाही मिलने पर दिए कार्रवाई के निर्देश

अमृत विचारः सीडीओ अभिषेक कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को निर्माण कार्यों की समीक्षा की। इसमें कार्यदाई संस्था सीएनडीएस की लापरवाही सामने आने पर सीडीओ खफा हो गए। उन्होंने संस्था के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन को पत्र लिखने के निर्देश देते हुए कहा कि अब सीएनडीएस को जिले में कोई प्रोजेक्ट न दिया जाए। सीडीओ ने कहा कि निर्माण कार्यों में लेटलतीफी और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संस्था सीएनडीएस कस्तूरबा स्कूलों के उच्चीकरण का काम कर रही है। पता चला है कि कस्तूरबा गांधी उच्चीकरण में ईसानगर, कुंभी, गोला, पलिया, फूलबेहड़ व रमियाबेहड़ का काम काफी पिछड़ा हुआ है।

सीडीओ ने बताया कि तीन से चार करोड़ की लागत में एक स्कूल उच्चीकृत होना है। निर्धारित समय में यह भवन बनने के बाद हैंडओवर होना था, लेकिन अभी तक काम ही अधूरा है। इस पर सीडीओ ने नाराजगी जताते हुए अन्य कार्यदायी संस्थाओं को भी चेतावनी दी कि जो भी प्रोजेक्ट चल रहे हैं, उन्हें निर्धारित समय में पूर्ण कराएं। उधर, डीपीआरओ विशाल सिंह ने बताया कि पंचायत विकास योजना तैयार की जाती है।

दो बैंक खातों से 3.77 लाख की ऑनलाइन ठगी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः थाना भीरा क्षेत्र के सिक्ख टाण्डा त्रिकोलिया निवासी निर्मल सिंह के दो अलग-अलग बैंक खातों से करीब 3 लाख 77 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर थाना लखीमपुर में की है। पुलिस ने एक युवक के नामजद रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिक्ख टांडा निवासी निर्मल सिंह ने बताया कि उसका मोबाइल फोन 14 सितंबर को लॉक हो गया था। अगले दिन संजय बाजपेई निवासी सेमरिया थाना भीरा उसके पास आया और मोबाइल ठीक करने के बहाने फोन ले लिया। कुछ देर बाद उसने फोन वापस कर दिया, लेकिन मोबाइल पूरी तरह लॉक हो गया।

देव दीपावली पर 5100 दीपों से की जाएगी मां सरयू की आरती

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज के उत्तराधिकारी शिष्य महंत कमलनयन दास की उपस्थिति में संत तुलसीदास घाट कच्चा घाट पर प्रतिदिन मां सरयू की आरती शुरू हो गयी है। कार्तिक पूर्णिमा देव दीपावली पर 5100 दीपों से मां सरयू की आरती की जाएगी।

संत तुलसीदास कच्चा घाट पर गुरुवार को दीपों की रोशनी और भक्तों के जयघोष से पूरा वातावरण राममय हो उठा। संपूर्ण व्यवस्था सीताराम पांडेय उर्फ बबलू महाराज ने संभाली। उन्होंने बताया कि मां सरयू की आरती प्रतिदिन होगी। मुख्य अतिथि समाजसेवी संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश यादव ने कहा कि अयोध्या की पहचान भक्ति, संस्कृति और अध्यात्म से है। प्रभु श्रीराम का मंदिर बन चुका है। अब माता सरयू की नित्य आरती इस पावन नगरी की नई परंपरा बनेगी। आने वाले देव दीपावली पर्व पर इसी स्थान पर भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आरती अब प्रतिदिन शाम 6 बजे संपन्न होगी। इस मौके पर महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, श्रीराम वल्लभा कुंज के अधिकारी राजकुमार दास, इकबाल अंसारी, माझी मझवार समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष रामजस माझी, तीर्थ पुरोहित अध्यक्ष दुर्गेश महाराज, लड्डू गोपाल सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप महाराज, सरदार गुरबीर सिंह, आरती व्यवस्थापक मुकेश शास्त्री, काशिफ शेख चौधरी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

आरती करते समाजसेवी संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश यादव व अन्य।

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक: बी.के.एस./क्रय/2025-26/1657 दिनांक: 24.10.2025

ई-निविदा सूचना

इस मिल समिति में वर्ष 2025-26 में अनुभवी पार्टियों से नयी एनॉलोजिक मेक एनडरायड एच.एच.सी. मशीनों की आपूर्ति, एच.डी.पी.ई. बैग्स हेतु टैग की आपूर्ति, विभिन्न स्टेशनरी की आपूर्ति, स्टेशनरी प्रिंटिंग की आपूर्ति, अन्य चीनी मिलों से लूज बैगास का परिवहन कार्य, मिल के दो गन्ना क्रय केन्द्रों यथा चुर्रासकतपुर एवं क्योलड़िया द्वितीय से गन्ना परिवहन कार्य हेतु दिनांक 01.11.2025 तक ई-निविदायें निर्धारित धरोहर राशि जमा करने के उपरांत आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा की नियम एवं शर्तें व विस्तृत विवरण www.etender.up.nic.in से एवं संघ कार्यालय लखनऊ की वेबसाइट www.upsugarfed.org से डाउनलोड की जा सकती है। यदि आवश्यक हुआ तो एल-1 बिडर्स से निगोसियेशन किया जा सकता है। अद्योहस्ताक्षरी को निविदा की शर्तों में परिवर्तन करने एवं बिना कारण बताये एक या समस्त ई-निविदायें निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

डॉ. हरी कृष्ण गुप्ता
प्रधान प्रबन्धक

पुलिसकर्मी ने किया दुष्कर्म, हाथ पर नोट लिख महिला डॉक्टर ने की आत्महत्या

सातारा, एजेंसी

- पीड़िता ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर भी लगाया मानसिक प्रताड़ना का आरोप
- मुख्यमंत्री ने एसपी से आरोपी पुलिसवाले को तत्काल निलंबित करने का दिया आदेश

महाराष्ट्र के सातारा जिले में सरकारी अस्पताल में कार्यरत महिला चिकित्सक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि महिला चिकित्सक ने हथेली पर 'सुसाइड नोट' लिखा है, जिसमें उसने एक पुलिसकर्मी पर दुष्कर्म और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सातारा एसपी तुषार दोशी को 'सुसाइड नोट' में आरोपी पुलिस उपनिरीक्षक को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीड जिले की 28 वर्षीय महिला चिकित्सक फलटण तहसील के सरकारी अस्पताल में कार्यरत थी। महिला चिकित्सक का शव गुरुवार देर रात फलटण में होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला। पुलिस के अनुसार, महिला चिकित्सक ने अपनी हथेली पर लिखे 'सुसाइड नोट' में आरोप लगाया है कि पांच महीनों में सातारा के पुलिस उपनिरीक्षक गोपाल बदाने ने उससे कई बार दुष्कर्म किया, जबकि पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बांकर ने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। बदाने और बांकर के खिलाफ दुष्कर्म और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज हुआ है।

एसपी दोशी ने बताया कि फलटण शहर पुलिस थाने में उपनिरीक्षक सहित दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दोनों को पकड़ने के लिए दो टीमें गठित हुई हैं। महिला चिकित्सक ने फलटण के एसडीपीओ (उप-विभागीय पुलिस अधिकारी) को कुछ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ लिखित शिकायत सौंपी थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अस्पताल प्रशासन को महिला चिकित्सक के खिलाफ शिकायत दी थी। महिला चिकित्सक ने फलटण के होटल में कमरा बुक किया था। हालांकि, जब होटल कर्मचारियों ने कमरे का दरवाजा खटखटाया और घंटी बजाई, तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। कर्मचारियों को शक हुआ और उन्होंने दूसरी चाबी से दरवाजा खोला, तो महिला को फंदे से लटका पाया।

कोल्हापुर संभाग के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सुनील फुलारी ने कहा कि अब तक जुटाए गए सबूतों के आधार पर जांच जारी हैं। सातारा जिले में मामला दर्ज हुआ है। आरोपी पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- उनके साथ हुई बातचीत हमेशा रहेगी याद

क्रिकेट के दीवाने थे पीयूष, सिने जगत व राजनेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के विज्ञापन जगत के दिग्गजों में से एक पीयूष पांडे के निधन पर उद्योग से लेकर सिने जगत व राजनेताओं ने शोक जताया। पांडे को क्रिकेट में भी खास दिलचस्पी थी। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में राजस्थान क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व भी किया था। उनकी बहन एवं गायिका इला अरुण ने बताया कि पीयूष पांडे का निधन शुक्रवार सुबह पांच बजकर 50 मिनट पर मुंबई के एक निजी अस्पताल में हुआ। वह पिछले कुछ दिनों से सांस संबंधी दिक्कतों के कारण उपचाराधीन थे। इला ने बताया, उन्हें खेल का बहुत शौक था। वह हमारे परिवार को 11 लोगों की क्रिकेट टीम बताते थे, नौ भाई-बहन और माता-पिता। पीयूष सबसे शरारती और सबसे मजाकिया थे। उन्हें पतंगबाजी का भी काफी शौक था। उन्होंने कहा कि पीयूष हर रिश्ते को महत्व देते थे और उसे संजोते थे, इसी कारण जिन बड़े लोगों से उनका परिचय हुआ, वे सिर्फ ग्राहक भर नहीं रह गए बल्कि उनके अपने बन गए। अरुण ने कहा, वह पांच साल तक मेरे साथ रहे। और उन्होंने अपनी विज्ञापन कंपनी (ओगिल्वी) को कभी नहीं छोड़ा, क्योंकि इससे उन्हें अपनी पसंद के विज्ञापन बनाने की पूरी आजादी मिलती रही।

पांडे अपनी पत्नी के साथ मध्य मुंबई के शिवाजी पार्क इलाके में रहते थे। अरुण ने कहा कि इस घर में एक बालकनी थी जहां से अरब सागर दिखता था। यह उनकी सबसे पसंदीदा जगह थी। उन्होंने कहा, वह असल मायनों में एक सच्चे खेलप्रेमी थे, जिन्हें कई खेलों में दिलचस्पी थी और उन्होंने क्रिकेट को गंभीरता से अपनाया था। इसके अलावा, उन्होंने तैराकी और भाला फेंक में भी पुरस्कार जीते थे। उनके दूसरे भाई प्रसून पांडेय भी विज्ञापन जगत से जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और पीयूष गोयल ने पांडे के निधन पर शोक प्रकट किया। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पीयूष पांडे जी की रचनात्मक प्रतिभा को सभी ने सराहा। उन्होंने विज्ञापन और संचार की दुनिया में अभूतपूर्व योगदान दिया। उनके साथ हुई बातचीत हमेशा याद रहेगी। उनके निधन से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। सीतारमण ने उन्हें भारतीय विज्ञापन जगत की महान और दिग्गज शख्सियत बताया और कहा कि पांडे सामान्य बोलचाल की भाषा और देसी अंदाज से विज्ञापन की दुनिया में बड़ा बदलाव लाए।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पांडे विज्ञापन जगत में असाधारण शख्सियत थे और उनकी रचनात्मकता ने कहानी कहने के तरीकों को ही बदल दिया। उद्योगपति गौतम अदाणी ने कहा कि पांडे सिर्फ महान विज्ञापन विशेषज्ञ नहीं, बल्कि उससे कहीं बढ़कर थे। उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने कहा कि पांडे ने विज्ञापन जगत पर अमिट छाप छोड़ी। जयपुर में जन्मे पांडे ने 2023 में 'ओगिल्वी इंडिया' के कार्यकारी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था और सलाहकार के तौर पर जुड़े हुए थे।

अमिताभ बच्चन, प्रसून जोशी ने कहा- भारत के बेहतरीन कहानीकारों में एक थे पांडेय

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन, रवीना टंडन, हंसल मेहता और प्रसून जोशी सहित फिल्म उद्योग की प्रमुख हस्तियों ने शुक्रवार को 'एड गुरु' पीयूष पांडे को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें भारत के बेहतरीन कहानीकारों में से एक बताया जिनकी प्रामाणिकता और हंसी हमेशा गूंजती रहेगी। बच्चन ने अपने आधिकारिक ब्लॉग पर लिखा, एक रचनात्मक प्रतिभा... एक अत्यंत मिलनसार मित्र और मार्गदर्शक... हमें छोड़कर चले गए... हमारे दुख को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं... पीयूष पांडे का आज सुबह निधन हो गया... उनके द्वारा किए गए रचनात्मक कार्य सदैव उनकी असीम रचनात्मकता के प्रतीक रहेंगे। टंडन ने अपनी 'इंस्टाग्राम'' स्टोरी पर पांडे की मौत के बारे में एक पोस्ट को साझा किया और लिखा, अपनी बुद्धि से स्वर्ग को और भी अधिक जीवंत और खुशनुमा बनाओ! प्रिय पीयूष।

नीतीश के नेतृत्व में रिकॉर्ड तोड़ेगा राजग

बिहार विस चुनाव

प्रधानमंत्री ने तीखे हमले के साथ की बिहार में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत

समस्तीपुर/बेगूसराय, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में अपने चुनावी अभियान का आगाज करते हुए महागठबंधन पर तीखा हमला बोला और इसे 'महालठबंधन' करार दिया। यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पिछले सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ देगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने के बाद शुक्रवार को अपनी पहली जनसभा समस्तीपुर में की। इसके बाद उन्होंने बेगूसराय में भी एक जनसभा को संबोधित किया। बिहार में महागठबंधन के नाम से जाने जाने वाले विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे महालठबंधन करार दिया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि 'इंडिया' गठबंधन के दो सबसे बड़े घटक दल राजद और कांग्रेस के नेता सबसे भ्रष्ट और जमानत पर छूटे हुए लोग हैं और दशकों से सत्ता से बाहर रहने के बावजूद वे इतने अहंकारी हैं कि वे झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे गठबंधन सहयोगियों को नजरअंदाज कर रहे हैं और विकासशील इंसान पार्टी को धोखा दे रहे हैं।

मोदी ने कहा कि वीआईपी को सीटों में उचित हिस्सा नहीं मिला, लेकिन उसके संस्थापक मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री का पद देने का वादा किया गया है। महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव पर परोक्ष तौर पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बिहार के लोग उन लोगों पर भरोसा नहीं कर सकते जो जमानत पर छूटे हुए लोग हैं।

तेजस्वी यादव का नाम उनके पिता एवं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के साथ नौकरी के लिए जमीन घोटाले में आया है। मोदी ने दोनों जनसभाओं में मौजूद लोगों से अपने मोबाइल फोन की लाइट जलाने को कहा और फिर राजद पर कटाक्ष करते हुए कहा, जब सभी लोगों के पास ऐसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं तो लालटेन की कोई जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राजग सरकार का जोर बिहार में निवेश बढ़ाने पर है।

बेगूसराय की चुनावी सभा में मोदी।

जनसभा में लोगों का अभिवादन करते अमित शाह।

राजद की हार के बाद मनाएंगे असली दिवाली: शाह

सीवान। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में 'असली दिवाली' 14 नवंबर को तब मनाई जाएगी, जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और उसके सहयोगी दल विधानसभा चुनावों में करारी हार का सामना करेंगे। सीवान जिले में आयोजित जनसभा में शाह ने लालू प्रसाद यादव नीत पार्टी पर जमकर निशाना साधा और कहा कि राजद ने माफिया से नेता बने मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को रघुनाथपुर सीट से उम्मीदवार बनाकर यह साबित कर दिया है कि वह फिर से 'जंगलराज' लौटाना चाहता है। शाह ने कहा कि सीवान की जनता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शहाबुद्दीन के बेटे की चुनाव में करारी हार हो। लालू-राबड़ी के जंगलराज को सीवान की जनता ने 20 साल तक भुगता है। मुझे पूरा विश्वास है कि 14 नवंबर को जब चुनाव परिणाम आएंगे, तब बिहार की जनता असली दिवाली मनाएगी और राजद गठबंधन की अपमानजनक हार होगी। गृहमंत्री ने यह भी दावा किया कि बिहार में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पूरी तरह बिखर चुका है। कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' पर शाह ने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि घुसपैठिए यहीं रहें, लेकिन बिहार में एक भी घुसपैठिया नहीं रहने दिया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए राष्ट्रीय सुरक्षासे जुड़े फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि मोदी जी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया, और पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान की धरती पर आतंक के ठिकानों को ध्वस्त किया। यह है मजबूत नेतृत्व। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि लालू ने सिर्फ घोटाले किए- चारा घोटाला, जमीन के बदले नौकरी घोटाला, बिहार लोकसेवा आयोग (बीपीएससी) भर्ती घोटाला... और उन पर आय से अधिक संपत्ति का भी मामला दर्ज है।

पति और उसकी मां के लिए अपशब्द लिखने वाली रेलवे अफसर की तलाक के खिलाफ अपील खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

- हाईकोर्ट ने कहा- पति के अधिकार पर सवाल उठाना, उसकी मां पर निंदनीय आरोप लगाना क्रूरता

दिल्ली हाईकोर्ट ने तलाक मंजूर करने के परिवार न्यायालय के निर्णय के खिलाफ रेलवे की उस ए क्लास महिला अफसर की अपील खारिज कर दी जिसने पति को कमीना और कुतिया का बेटा जैसे संदेश भेजे गए थे। कोर्ट ने कहा है कि पति के अधिकार पर सवाल उठाना और उसकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता है, जो तलाक का आधार है।

हाईकोर्ट ने परिवार अदालत के तलाक आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि अपमानजनक भाषा का प्रयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव समेत महिला का क्रूरतापूर्ण कृत्य अपने आप में विवाह विच्छेद के लिए पर्याप्त आधार हैं। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने 17 अक्टूबर को पारित अपने फैसले में कहा, महिला ने पुरुष को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उसके अधिकार पर सवाल उठाना और उसकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना शामिल था। अदालत ने कहा, ऐसे संदेश जिनमें कमीना, कुतिया का बेटा जैसे शब्द इस्तेमाल किए गए और कहा गया कि उसकी मां को वेश्यावृत्ति करके कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता है।

बोली- मेरे साथ हुई क्रूरता

हाईकोर्ट ने यह आदेश महिला द्वारा दायर अपील पर पारित किया, जिसमें दावा किया गया था कि परिवार अदालत ने उसके साथ हुई क्रूरता पर विचार नहीं किया तथा पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। महिला भारतीय रेलवे यातायात सेवा की ग्रुप ए अधिकारी है और पुरुष पेशे से वकील है। दोनों ने जनवरी 2010 में विवाह किया था और मार्च 2011 में वे अलग हो गए। यह दोनों की दूसरी शादी थी। परिवार अदालत ने पति के पक्ष में उसकी अलग रह रही पत्नी द्वारा की गई क्रूरता के आधार पर 2023 में तलाक का आदेश दे दिया।

सीताराम केसरी के प्रति सम्मान का दिखावा कर रही कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

- श्रद्धांजलि दिए जाने पर भाजपा ने की विपक्षी दल की आलोचना

भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस नेताओं द्वारा सीताराम केसरी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दिए जाने को लेकर विपक्षी दल की आलोचना की और आरोप लगाया कि वे बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर लोगों को मूर्ख बनाने के लिए अपने पूर्व पार्टी अध्यक्ष के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने का दिखावा कर रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कांग्रेस नेताओं ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय 24, अकबर रोड पर केसरी की 25वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वर्ष 1998 में कांग्रेस कार्यसमिति ने केसरी को पार्टी के अध्यक्ष पद से हटा दिया था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि समय बड़ा बलवान है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि एक समय, कांग्रेस के प्रथम परिवार के निर्देश पर सीताराम केसरी को अपमानित किया गया, उनकी धोती फाड़ दी गई और सोनिया गांधी के लिए कांग्रेस की गद्दी खाली कराने के मकसद से उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया।

राजग जीती तो नीतीश कुमार नहीं बनेंगे मुख्यमंत्री : तेजस्वी

पटना। राजद के नेता और महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को भाजपा पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हाईजैक कर लेने का आरोप लगाया और दावा किया कि अगर बिहार में एक बार फिर राजग की सरकार बनी, तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा।

सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन की सरकार बनने पर मुकेश सहनी के अलावा अन्य समाज और धर्म के लोगों को भी उप मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा जाएगा तथा इस बारे में जल्द घोषणा की जाएगी। राजद नेता ने दावा किया, अमित शाह पहले ही कह चुके हैं कि चुनाव के बाद विधायक तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। स्पष्ट हो गया है कि अगर राजग को सत्ता मिली तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार को भाजपा ने हाइजैक कर लिया है।

पनामा में रोबोटिक्स ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र सम्मानित

- रेवा विश्वविद्यालय दिव्याश्री और रेवा विश्वविद्यालय ने किया सम्मान

बेंगलुरु। दिव्याश्री ने स्टेम एजुकेशन ट्रस्ट और द इनोवेशन स्टोरी के सहयोग से रेवा विश्वविद्यालय के साथ बेंगलुरु स्थित एक सरकारी स्कूल के पांच उन छात्रों को सम्मानित किया जो पनामा में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित फर्स्ट ग्लोबल चैलेंज 'रोबोटिक्स ओलंपिक 2025' में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत के नवप्रवर्तन पारिस्थितिकी तंत्र के लिए इसे एक गौरवपूर्ण क्षण बताया गया।

सम्मान समारोह रेवा विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया जहां सरकारी हाई स्कूल मल्लेश्वरम के छात्र अर्जुन के राज (रोबोट सीएडी डिजाइनर), जीएन चंदन राज (इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख), गौरेश के (रोबोट प्रोग्रामर), निंगराज (मैकेनिकल प्रमुख) और परशुराम एम (रोबोट चालक) ने अपने रोबोट का प्रदर्शन किया। रेवा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. पी श्यामा राजू ने युवा नवप्रवर्तकों की सराहना की। इंडिया कोटिएंट के जनरल पार्टनर गगन गोयल ने नवाचार के तीन पी - प्रेरणा, धैर्य और दृढ़ता पर विचार साझा किए। द इनोवेशन स्टोरी की संस्थापक मीनल मजूमदार ने छात्रों को जिज्ञासा और रचनात्मकता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों ने अपने रोबोट का भी प्रदर्शन किया, जो इको इक्विलिब्रियम चुनौती में प्रतिस्पर्धा करेगा। यह वैश्विक कार्यक्रम 190 से अधिक देशों के युवा नवप्रवर्तकों को एक साथ लाता है, जो समस्या-समाधानकर्ताओं और परिवर्तनकर्ताओं की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाता है। कार्यक्रम में एफसीजी टीम इंडिया के संरक्षक अखिल अरुण मेनन और संकाय सदस्यों तथा रेवा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

सेना से आग्रह

जैसलमेर में भारतीय सेना के शीर्ष कमांडरों को रक्षा मंत्री ने किया संबोधित

दुश्मनों को कम न आंकें, हर स्थिति से निपटने को रहें तैयार : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

- रक्षा मंत्री ने की चीन-पाकिस्तान सीमाओं पर सुरक्षा स्थिति की व्यापक समीक्षा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने इस नई रणनीतिक सोच को जन्म दिया है कि भारत किसी भी आतंकी हरकत का अपनी शर्तों पर जवाब देगा। उन्होंने सेना से दुश्मनों को कभी कम न आंकने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने का आह्वान किया।

जैसलमेर में भारतीय सेना के शीर्ष कमांडरों को संबोधित करते हुए सिंह ने सेना से भविष्य की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सूचना युद्ध, आधुनिक रक्षा बुनियादी ढांचे के विकास और आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। रक्षा मंत्री और सेना के शीर्ष अधिकारियों ने चीन और पाकिस्तान से लगी सीमाओं पर सुरक्षा स्थिति तथा सेना की संचालन तैयारियों की व्यापक समीक्षा की।

सिंह ने पाकिस्तान सीमा पर तनोट और लोंगेवाला के अग्रिम इलाकों का भी दौरा किया तथा विशाल सैन्य अभ्यास देखा जिसमें सेना की नयी प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया गया। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत के सैन्य कौशल और राष्ट्रीय चरित्र का प्रतीक बताया तथा कहा कि इसके माध्यम से सैनिकों ने प्रदर्शित किया कि उनकी ताकत केवल हथियारों में ही नहीं, बल्कि उनके नैतिक अनुशासन और रणनीतिक स्पष्टता में भी निहित है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर इतिहास में केवल एक सैन्य अभियान के रूप में ही नहीं, बल्कि राष्ट्र के साहस और संयम के प्रतीक के रूप में भी दर्ज होगा। सिंह ने कहा कि आतंकियों के खिलाफ हमारी सेना द्वारा की गई कार्रवाई नीतिगत सटीकता और मानव की गरिमा, दोनों के अनुरूप थी। ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है। शांति के लिए हमारा मिशन तब तक जारी रहेगा जब तक एक भी आतंकवादी मानसिकता वाला व्यक्ति जिंदा है। रक्षा मंत्री ने रेखांकित किया कि ऑपरेशन सिंदूर ने इस नयी रणनीतिक सोच को जन्म दिया है कि भारत किसी भी आतंकवादी हरकत का अपनी शर्तों पर जवाब देगा। उन्होंने कहा कि यह नये भारत का रक्षा सिद्धांत है, जो दृढ़ संकल्प और साहस दोनों का प्रतीक है। सिंह ने सैनिकों से आह्वान किया कि वे दुश्मनों को कम न आंकें तथा सदैव सतर्क एवं तैयार रहें।

सम्मेलन में सेना के शीर्ष अधिकारी हुए शामिल

इस सम्मेलन में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, उप-सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह और सभी सेना कमांडर उपस्थित थे। रक्षा मंत्री ने कमांडरों से भविष्य के अभियानों के लिहाज से सेना की तत्परता सुनिश्चित करने के लिए रक्षा कूटनीति, आत्मनिर्भरता, सूचना युद्ध, रक्षा अवसंरचना और बल आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों के पेशेवर रुख, साहस और जुझारूपन की सराहना की और उच्चतम स्तर की संचालन तैयारियों को बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक तकनीक, अवसंरचना और सहायता प्रदान करने की सरकार की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सिंह ने अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास में सेना की भूमिका की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 का निरस्त होना ऐतिहासिक था। आज, वहां की सड़कें अशांति से नहीं, बल्कि आशा से भरी हैं।

भारतीय सेना अनुकूलनशील सेनाओं में एक

उत्तरी सीमा की स्थिति पर सिंह ने कहा कि चीन के साथ बातचीत और तनाव कम करने के कदमों ने भारत की संतुलित और दृढ़ विदेश नीति को प्रदर्शित किया है। हमारी नीति स्पष्ट है कि बातचीत जारी रहेगी और सीमा पर हमारी तत्परता बरकरार रहेगी। सैनिकों की इच्छाशक्ति और अनुशासन की सराहना करते हुए सिंह ने कहा कि भारतीय सेना दुनिया की सबसे अनुकूलनशील सेनाओं में एक मानी जाती है। चाहे वह सियाचिन का बर्फीला इलाका हो, या राजस्थान के रेगिस्तान की चिलचिलाती गर्मी हो, या घने जंगलों में आतंकवाद विरोधी अभियान हों, हमारे सैनिकों ने हमेशा अपनी क्षमता और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। कठिन परिस्थितियों और विविध चुनौतियों के बावजूद, वे बदलावों के साथ तालमेल बिठाते हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करते हैं। सिंह ने कहा कि आज का युद्ध तकनीक-आधारित है, फिर भी सैनिक देश की सबसे बड़ी संपत्ति हैं।

परिणाम देने की शक्ति मानवीय भावना में निहित

मशीनें ताकत बढ़ाती हैं, लेकिन परिणाम देने की शक्ति मानवीय भावना में ही होती है। सिंह ने कहा कि आधुनिक युद्ध साइबरस्पेस, सूचना, इलेक्ट्रॉनिक व्यवधान और अंतरिक्ष नियंत्रण जैसे अदृश्य क्षेत्रों में लड़े जाते हैं, और नवीनतम तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल बिठाने के साथ-साथ सैनिकों की त्वरित निर्णय लेने की क्षमता और इच्छाशक्ति भी महत्वपूर्ण है। रक्षा मंत्री ने लोंगेवाला का भी दौरा किया और युद्ध स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा भारतीय सेना के वीरों को श्रद्धांजलि दी।

येदियुरप्पा की याचिका पर उच्च न्यायालय ने फैसला रखा सुरक्षित

बेंगलुरु, एजेंसी

- कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री पर पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज किया गया है मामला

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है जिसमें उन्होंने पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत उनके खिलाफ दर्ज एक मामले में अधीनस्थ अदालत द्वारा लिए गए संज्ञान को चुनौती दी है। भाजपा के 81 वर्षीय वरिष्ठ नेता पर दो फरवरी 2024 को बेंगलुरु के संजयनगर स्थित उनके आवास में 17 वर्षीय लड़की का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया है। लड़की की मां का अब निधन हो चुका है। उसने अपनी बेटी से जुड़े एक पुराने यौन उत्पीड़न मामले में मदद के लिए येदियुरप्पा से कथित तौर पर संपर्क किया था। पीड़िता की मां की शिकायत के बाद बेंगलुरु पुलिस ने 14 मार्च 2024 को एक प्राथमिकी दर्ज की।

यह दूसरी बार है जब येदियुरप्पा ने अधीनस्थ अदालत के संज्ञान आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। उनकी पूर्व याचिका को स्वीकार कर लिया गया तथा न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने आदेश को ''बिना सोचे-समझे'' जारी किया गया बताते हुए खारिज कर दिया था तथा अधीनस्थ अदालत को मामले पर नए सिरे से विचार करने का निर्देश दिया था। वर्तमान कार्यवाही के दौरान, न्यायमूर्ति एम आई अरुण की पीठ ने इस बात की समीक्षा की कि क्या अधीनस्थ अदालत ने दोबारा संज्ञान लेने से पहले मामले की सामग्री का उचित रूप से पुनर्मूल्यांकन किया था। येदियुरप्पा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सी वी नागेश ने तर्क दिया कि अदालत उपलब्ध साक्ष्यों का गहन आकलन करने में एक बार फिर विफल रही है।

अमृत विचार

शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

जिस दिन आपके सामने कोई समस्या न आए, आप यकीन कर सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर चल रहे हैं।
–**विवेकानंद**, विचारक

तेल की धार

भारत की तेल नीति एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीति के केंद्र में आ गई है। रूस से तेल खरीदारी के मामले ने देश की कूटनीति के क्षेत्र में स्वायत्तता बनाम वैश्विक दबाव को ले कर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रंप के इस दावे के जवाब में कि उनके कहने पर भारत, रूस से तेल खरीदना धीरे-धीरे बंद कर देगा, भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया थी कि भारत किसी भी दबाव में नहीं झुकेगा और उसकी ऊर्जा नीति का आधार सिर्फ राष्ट्रीय हित एवं उपभोक्ता सुरक्षा है, परंतु जमीनी हकीकत है कि निजी व सरकारी रिफाइनरियों द्वारा रूसी तेल आयात में भारी कटौती शुरू हो चुकी है, तो स्पष्ट है कि इस मामले में सरकार अमेरिकी प्रतिबंधों से तालमेल बैठाने की तैयारी में है।

आज सरकारी कंपनियां अपने दस्तावेजों की समीक्षा करने के साथ यह तय कर रहीं हैं कि रूसी तेल कंपनी रोजनेफ्ट या लुकोइल से कोई शिपमेंट सीधे न आए। यह आसानी से समझा जा सकता है, क्योंकि अमेरिका द्वारा रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों, रोजनेफ्ट और लुकोइल पर कड़े प्रतिबंध लगाने के चलते भारतीय निजी रिफाइनरी कंपनियां- रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी को कारोबारी संकट झेलना पड़ सकता है, क्योंकि इन कंपनियों को अब तक जो अरबों गैलन सस्ता रूसी कच्चा तेल मिलता था, वो अब खासा महंगा पड़ेगा। इसके अलावा रूसी तेल खरीद से जुड़े अमेरिकी द्वितीयक प्रतिबंधों का खतरा भारतीय बैंकों और बीमा कंपनियों तक पहुंच सकता है, भीषण टैरिफ थोपने से वैसे भी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हो ही रहा है।

सच यह है कि रूसी तेल खरीद में बड़ी कटौती का सबसे बड़ा आर्थिक नुकसान रूस को होगा, क्योंकि भारत उसका सबसे बड़ा ग्राहक है। देश सीधे बहुत कम तेल खरीदता है, ज्यादातर तेल देश के रिलायंस, नायरा एनर्जी सरीखी निजी रिफाइनरियां ही खरीदती हैं। नायरा एनर्जी जैसी कंपनियों का मुनाफा रूसी सस्ते तेल पर निर्भर था, महंगा तेल खरीदने से उनको भारी घाटा हो सकता है। भारतीय उपभोक्ताओं को इन सबके चलते महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है, क्योंकि रूसी तेल की भरपाई के लिए भारत को खाड़ी देशों, सऊदी अरब, ईराक, संयुक्त अरब अमीरात से तेल आयात बढ़ाना होगा। इन स्रोतों से कच्चा तेल औसतन 10 से 15 डॉलर प्रति बैरल महंगा होगा। सरकार का नुकसान इसमें बहुत ज्यादा नहीं है। हां, सस्ते तेल का लाभ न मिलने से उसका आयात बिल बढ़ सकता है, पर अमेरिका अगर संभावनाओं के मुताबिक अपना टैरिफ 50 प्रतिशत से घटा कर 15 फीसदी कर देता है, तो यह उसके लिए फायदेमंद रहेगा। अमेरिका को रणनीतिक लाभ मिलेगा तो वह कुछ और कारोबारी छूट दे सकता है। नये हालात में अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद करता है, तो संभव है कि भारत और रूस के संबंध पर इससे असर पड़े। रूस की क्या प्रतिक्रिया होगी, इसको संवाद के जरिए संतुलित बनाए रखना होगा। फिलहाल सरकार को पारदर्शिता के साथ जनता को समझाना चाहिए कि यह फैसला देश की स्वायत्तता और रणनीतिक स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं है। इसे देश की वैश्विक स्थिति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को ध्यान में रखकर लिया गया है।

प्रसंगवश

प्रकृति, पवित्रता व प्रार्थना का अनूठा लोकपर्व छठ

भारत की सांस्कृतिक चेतना में कुछ पर्व ऐसे हैं, जिनमें लोक, धर्म, प्रकृति और तपस्या का अद्भुत संगम दिखाई देता है। छठ महापर्व उन्हीं में से एक है। यह एक ऐसा पर्व है, जो अब किसी एक क्षेत्र की सीमाओं में नहीं बंधा बल्कि भारतीय आस्था के विशाल सागर में अपनी गहरी जड़ें जमा चुका है। वास्तव में यह आत्मशुद्धि, संयम और कृतज्ञता की वह साधना है, जिसमें मनुष्य सूर्य और प्रकृति के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट करता है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों से शुरू होकर अब यह पर्व देश-विदेश के असंख्य भारतीयों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से आरंभ होकर षष्ठी और सप्तमी को चरम पर पहुंचता है। 25

श्वेता गोयल
शिक्षिका

अक्तूबर से शुरू हो रहे इस वर्ष के छठ पर्व की शुरुआत 'नहाय-खाय' से हो रही है। इस दिन व्रती स्नान कर सात्विक भोजन बनाते हैं, जिससे शरीर और मन की शुद्धि होती है। यह भोजन केवल प्रसाद नहीं बल्कि एक प्रतीक है कि व्रती अब अपने जीवन के सारे विकारों को त्यागकर पूरी निष्ठा से साधना में प्रवृत्त होंगे। अगले दिन 'खरना' का विधान है। इस रोज दिनभर निराहार रहने के बाद व्रती संध्या के समय छठी मैया को खीर, रोटी और गुड़ का प्रसाद चढ़ाकर उसका सेवन करते हैं और प्रसाद बांटते हैं। माना जाता है कि खरना के बाद ही छठ की साधना की ऊर्जा जागृत होती है।

तीसरे दिन यानी 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। यह दृश्य पूरे भारत की लोकआस्था का सबसे अनुपम रूप होता है। घाटों पर उतरती हुई स्त्रियां, सिर पर बांस के सूप में ठेकुआ, केला, नारियल और अन्य प्रसाद रखे हुए, जल में कमर तक डूबी हुई, सूर्य की ओर हाथ जोड़े श्रद्धा के साथ झुकी हुई, यह दृश्य केवल श्रद्धा नहीं बल्कि प्रकृति के प्रति समर्पण का जीवंत प्रतीक है। चौथे दिन यानी 28 अक्तूबर की प्रातःकालीन बेला में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पर्व का समापन होगा। यह क्षण केवल सूर्योदय का नहीं बल्कि मनुष्य की आशा, नूतन ऊर्जा और नवजन्म का प्रतीक माना जाता है।

छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता इसका अत्यंत पवित्र और कठोर अनुशासन है। व्रती न केवल उपवास रखता है, बल्कि चारों दिनों तक अत्यंत सात्विकता, संयम और आत्मसंयम का पालन करता है। इस पर्व में किसी पुजारी की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि प्रत्येक व्रती स्वयं पूजा करता है। यह परंपरा दर्शाती है कि श्रद्धा का सबसे शुद्ध रूप वही है, जिसमें मनुष्य स्वयं को ही मंदिर, स्वयं को ही साधक और स्वयं को ही साध्य बना ले। छठ पर्व इसी आत्मानुशासन की साधना है, जहां आडंबरों की नहीं, आस्था की शक्ति बोलती है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया या षष्ठी देवी सूर्यदेव की बहन मानी जाती हैं, जो संतान की रक्षा करती हैं और परिवार में सुख, समृद्धि तथा स्वास्थ्य प्रदान करती हैं। छठ पर्व में सूर्य, उनकी पत्नी उषा और प्रत्यूषा, तथा छठी मैया, इन सभी की संयुक्त उपासना की जाती है। उषा और प्रत्यूषा क्रमशः सूर्य की प्रथम और अंतिम किरण का प्रतीक हैं, इसीलिए व्रती सूर्य को दोनों समय (अस्त और उदय) अर्घ्य अर्पित करते हैं। यह परंपरा जीवन के उस संतुलन का प्रतीक है, जिसमें आरंभ और अंत दोनों ही समान रूप से पवित्र हैं। छठ पर्व की उत्पत्ति को लेकर कई किंवदंतियां हैं। एक कथा के अनुसार, सूर्यपुत्र कर्ण ने सबसे पहले सूर्यदेव की उपासना प्रारंभ की थी। वे प्रतिदिन कमर तक जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे।

देश में बदलने वाला है उच्च शिक्षा का परिदृश्य

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

देश में जल्द ब्रिटेन के आठ नामी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने जा रहे हैं। इसके साथ ही ब्रिटेन भारत में उच्च शिक्षा देने वाला सबसे बड़ा देश बन जाएगा। इससे ब्रिटेन को सालाना करीब पचास मिलियन पाउंड की आमदनी होगी।

अपने देश में जल्द ब्रिटेन के आठ नामी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने जा रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथंपटन की स्थापना पहले ही गुड़गांव में हो चुकी है। हाल ही में भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात हुई थी, जिसमें यह फैसला लिया गया था। एलान अब किया गया है। इसी के साथ ब्रिटेन, भारत में उच्च शिक्षा देने वाला सबसे बड़ा देश बन गया है। इसका मतलब यह है कि किसी और देश के इतने अधिक विश्वविद्यालय भारत में अभी नहीं खुले हैं। कल को कोई और देश भी यह दावा कर सकता है। बताया जा रहा है कि इन उच्च शिक्षा परिसरों से ब्रिटेन को सालाना करीब पचास मिलियन पाउंड की आमदनी होगी। नए खुलने जा रहे विश्वविद्यालय हैं- बंगलुरू में यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल और लंकास्टर यूनिवर्सिटी, मुंबई में यूनिवर्सिटी ऑफ यार्क, यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन और यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, गांधीनगर (गुजरात) में क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, कोवेंट्री यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ सरे। इन्हें सरकार की अनुमति मिल चुकी है।

भारत सरकार का दावा है इससे हमारा देश शैक्षिक हब बन जाएगा, लेकिन ऐसा तो तब होता जब हमारे विश्वविद्यालयों की रैंकिंग दुनिया में अव्वल होती, यहां दाखिला पाने के लिए यूरोप न सही एशिया के ही छात्रों में होड़ लगी रहती और हमारे यहां की डिग्रियों की कुछ क्षेत्रों में रोजगार मिलने में खास अहमियत होती। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं है। ये विश्वविद्यालय मुख्यतः ब्रिटेन की नई प्रवासी नीति के तहत खोले जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य ब्रिटेन में तीसरी दुनिया खासतौर से भारत से आने वाले लोगों की भीड़ को कम करना है। पिछले कई सालों से ब्रिटेन में बाहर से आने वाले लोगों को लेकर भय और बेचैनी का माहौल देखने को मिल रहा है और सरकार उनकी संख्या को हर संभव तरीके से नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है।

भारत से ब्रिटेन जाने वाले छात्रों की बड़ी संख्या है, जो वहां पढ़ाई करने के लिए जाती है, लेकिन रोजगार की तलाश में वहीं रह जाती है। वहां वर्क वीजा की मांग करने वाले भारतीयों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसका कारण सिर्फ रोजगार ही नहीं, यह भी है कि इन युवाओं को ब्रिटेन का जीवन स्तर और माहौल यहां से बेहतर लगता है। प्रवासियों की भीड़ रोकने के लिए एक तरफ तो वीजा नियमों को सख्त किया गया है और अब शिक्षा का ही निर्यात शुरू कर दिया गया है, जिसके बहाने से बड़ी संख्या में युवा वहां पहुंचते थे।

भारत के संपन्न और नवधनिक तबके में अभी भी विदेशी विश्वविद्यालयों की डिग्रियों का क्रेज है। पूरी संभावना है कि ये परिसर ऐसे ही युवाओं के हब बनेंगे। उन्हें ध्यान में रखते हुए इन ब्रिटिश विश्वविद्यालयों में ऐसे पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए हैं, जिनकी फीस काफी है, लेकिन अकादमिक वैल्यू बहुत कम है। इन विश्वविद्यालयों के संचालन में कामयाबी मिलना तय है, क्योंकि यहां शिक्षक और बाकी स्टॉफ को ब्रिटेन की तुलना में बहुत कम सैलरी पर रखा जा सकेगा और संचालन का कुल खर्च भी कम आएगा। फिर भी इसके भारतीय रोजगार बाजार या जॉब मार्केट के प्रचलित मानदंडों से बेहतर रहने के आसार हैं।

इतनी बड़ी संख्या में विदेशी विश्वविद्यालयों के खुलने से एक चीज यह होने जा रही है कि भारतीय विश्वविद्यालयों को भी अपनी गुणवत्ता में सुधार करना पड़ेगा, क्योंकि उनकी तुलना अब इन संस्थानों से की जाएगी। इस मामले में जो करार हुआ है, उसके मुताबिक भारत सरकार ने वादा किया है कि स्थानीय कानूनों के तहत हर तरह की स्वायत्तता इन विश्विद्यालयों को मिलेगी। ऐसी स्वायत्तता कुछ हद तक अभी निजी ईलीट किस्म के शैक्षिक संस्थानों को हासिल है, जो अपने पाठ्यक्रम खुद बना सकते हैं और फैकल्टी का चयन कर सकते हैं। ऐसी स्वायत्तता निजी संस्थानों को तो हासिल है, लेकिन केंद्रीय विश्वविद्यालयों को नहीं है।

जल्दी ही विदेशी, प्राइवेट और सरकारी तीन तरह के विश्वविद्यालय और उनके बीच का प्रतिस्पर्धात्मक माहौल देखने को मिलेगा। यहां एक प्रश्न उठता है कि हमारे यहां के विश्वविद्यालयों के हर विभाग में भारतीय ज्ञान परंपरा लागू करने का सरकार की ओर से आग्रह और दबाव रहता है, क्या इन शैक्षिक परिसरों में भी इस तरह की परंपरा के पालन का आग्रह किया जाएगा या उन्हें इससे मुक्त रखा जाएगा। अभी तक इन विश्वविद्यालयों ने शायद जानबूझ कर प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी और ऐसे अन्य तकनीकी पाठ्यक्रम घोषित किए हैं, जिनमें भारतीय परंपरा की खोज करना संभव नहीं है। जब वे इतिहास, मानविकी, समाज विज्ञान के पाठ्यक्रमों को सामने रखेंगे तब पता चलेगा कि वे सरकारी दबाव से कितना मुक्त हैं। एक बात तय है कि ये विश्वविद्यालय अपनी स्वायत्तता पर देशी संस्थानों जितनी आसानी से समझौता नहीं करेंगे।

पिछले दस सालों में उच्चशिक्षा परिसरों में शिक्षकों की नियुक्तियों में योग्यता और अनुभव के बजाय एक खास विचारधारा से जुड़े होने को तरजीह देने के आरोप सामने आते रहे हैं। इस आरोप के जवाब में कहा जाता है कि पहले की सरकारें भी अपनी विचारधारा वालों को नियुक्त करती थीं, तो अब दूसरों की बारी आने पर किसी को एतराज नहीं होना चाहिए। शिक्षा जगत में आशा जताई जा रही है कि जिन लोगों को भिन्न विचारधारा का होने के कारण बीते वर्षों में अवसर नहीं मिले, इतनी बड़ी संख्या में विदेशी परिसरों के खुलने से उनकी लाटरी लग सकती है। नतीजा चाहे जो निकले, ईलीट शिक्षा के नए टापू बनने जा रहे हैं।

आमने

सामान खरीदते समय एक चीज जरूर देखिए- क्या उसमें हलाल सर्टिफिकेशन तो नहीं लिखा हुआ है? यानी हर वस्तु में हलाल सर्टिफिकेशन। हमने यूपी में इसे बैन किया है। मुझे लगता है कि यूपी में कोई उसे खरीदने या बेचने का दुस्साहस नहीं करेगा।

–**योगी आदित्यनाथ**
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

सामने

भारत एकता में विविधता पर विश्वास रखता है और जब तक यह विविधता बनी रहेगी, भारत मजबूत रहेगा। कोई भी हमेशा सत्ता में नहीं रहता। एक समय आएगा जब उन्हें सत्ता से हटा दिया जाएगा।

–**फारूख अब्दुल्ला**
अध्यक्ष, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस

नवाचार की राह से ही बनेगा विकसित भारत

शिवालिक अवस्थी
लेखक

विकास के लिए जरूरी है कि इसमें नई योजनाओं की संलिप्तता को बढ़ाया जाए। नवाचार के समावेश से विकास में तेजी लाई जा सकती है।

किसी भी देश का यही सपना होता है कि जितना संभव हो, उतना विकासात्मक कार्यों की प्रगति की जाए, ताकि देश का नाम शीर्ष पर रहे। इसके लिए उक्त देश हर क्षेत्र में विकास को गति प्रदान करने के लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं। आजकल वैसे भी ज्यादातर देशों में एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ लगी हुई है। कोई देश आर्थिक रूप से सशक्त है, तो कोई विकास के क्षेत्र में अपनी पहचान वैश्विक स्तर पर बनाए हुए है। भारत देश भी समूचे विश्व में अपनी छवि विश्व गुरु के तौर पर सम्मिलित करने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए भारत हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित करके आगे बढ़ने का प्रयत्न कर रहा है। विकसित भारत के निर्माण की नींव बहुत पहले ही रखी जा चुकी है। अब समय है तो विकसित भारत के सपने को साकार करने का। फिर चाहे बात स्वास्थ्य की हो, शिक्षा की हो, कृषि की हो या नई तकनीक के समावेश की हो। भारत को हर क्षेत्र में अब आगे बढ़ना है, जिसके लिए सरकार व समाज दोनों की महत्वपूर्ण भागीदारी सामने निकल कर आती है।

विकास दर तभी आगे बढ़ पाएगी, यदि विकास में नई योजनाओं की संलिप्तता बढ़ाई जाएगी। नई योजनाएं एवं नए विचारों के समावेश से विकास गति में तेजी लाई जा सकती है। आधुनिक निर्माण के लिए आधुनिक विचारों का प्रयोग अति आवश्यक है। उद्यमिता के क्षेत्र को गति प्रदान करना, आधुनिक निर्माण में एक बेहतर विकल्प के रूप में देखा जा सकता है। न केवल व्यावसायिक अपितु सामाजिक उद्यमिता का बढ़ता दायरा, विकास को बढ़ावा देने में कार्य कर सकता है। आजकल हर मंच से सिर्फ विकास की ही बात होती है। समय के साथ विकासात्मक आंकड़ों में सुधार भी हुआ है, लेकिन अभी भी कई पहलू हैं, जहां विकास मात खा रहा है।

केवल विकास-विकास कहने से विकास को गति नहीं मिलेगी, यह सभी को मालूम होना चाहिए। इसके लिए कई सुधारों की आवश्यकता है। नई योजनाओं का प्रयोग हर क्षेत्र में करना चाहिए, जिससे आधुनिक निर्माण को बल मिल सके। आज क्यों हम नई योजनाओं, नए प्रयोगों की बात कर रहे हैं? दरअसल, वीपो यानी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा हाल ही में वैश्विक नवाचार सूचकांक 2025 की रिपोर्ट विश्व भर में जारी की गई है, जिसमें विश्व भर की 139 अर्थव्यवस्थाओं की रिपोर्ट साझा की गई है। यह रिपोर्ट वीपो द्वारा हर वर्ष जारी की जाती है। किस देश की अर्थव्यवस्था किस दिशा जा रही है, यह सब इसमें दर्शाया जाता है। वैश्विक नवाचार सूचकांक से किसी भी देश की निर्भरता का पता चलता है कि कौन सा देश अन्य देशों पर अभी कितना निर्भर है। किस क्षेत्र में किस देश को सुधार करने की जरूरत है और कौन सा देश प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता नजर आने लगा है।

भारत की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों से भारत ने निरंतर बढ़त बनाई हुई है। इस वर्ष भारत ने 38.2 स्कोर के साथ 38वां रैंक हासिल किया है। जो बीते वर्ष की तुलना में एक रैंक का उछाल है। बीते वर्ष भारत की रैंकिंग 39 आंकी गई थी। इस बार जीआईआई रैंकिंग में 66.0 स्कोर के साथ प्रथम स्थान पर स्विट्जरलैंड, 62.6 स्कोर के साथ दूसरे पर स्वीडन और 61.7 स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर अमरीका रहा है, जबकि 56.6 स्कोर के साथ चीन ने 10वां रैंक हासिल करके पहली दफा टॉप 10 में अपनी जगह बनाई है। आय समूह के आधार पर निम्न मध्य आय वाली अर्थव्यवस्थाओं की बात करें, तो भारत ने इसमें पहला स्थान प्राप्त किया है। एक ओर जहां 2020 में भारत का रैंक 48वां था, वहीं दूसरी ओर पिछले पांच वर्षों में भारत की रैंकिंग में 10 पायदान का भारी उछाल देखा गया है। इतना तो तय है कि नवाचार के क्षेत्र में भारत निरंतर आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है।

अब बात करते हैं विभिन्न क्षेत्रों में भारत के प्रदर्शन की। बात करें उद्यमिता नीतियां और संस्कृति के क्षेत्र की, तो इसमें 12वां रैंक हासिल कर भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया है। वैश्विक कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास निवेशक में 16वां रैंक, सकल पूंजी निर्माण में 14वां रैंक, स्टार्टअप और स्केलअप के लिए वित्त में 9वां रैंक, अंतिम चरण वेंचर कैपिटल सौदों की संख्या में चौथा रैंक, घरेलू बाजार पैमाने में तीसरा रैंक, आईसीटी सेवाओं का निर्यात में पहला रैंक, ज्ञान के प्रभाव में और यूनिकॉर्न मूल्यांकन में 11वां रैंक प्राप्त कर अपनी बेहतरीन शक्ति का प्रदर्शन किया है। यह कुछ वही क्षेत्र हैं जिनके आधार पर सभी देशों की गतिविधियां आंकी जाती हैं। मूलतः जीआईआई रिपोर्ट का मुख्य पहलू निवेश, तकनीकी और उसे अपनाने के स्तर के कार्य को दर्शाती है। यह किसी देश के सामाजिक व आर्थिक प्रभाव को भी दर्शाता है।

इस रिपोर्ट से किसी देश की निर्भरता का आंकलन किया जा सकता है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी देश को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया गया। जो इसी दिशा की ओर इशारा करता है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। यदि कोई दुश्मन है तो वह है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। इसी निर्भरता को खत्म करके हमें आत्मनिर्भर बनना है और जीआईआई की रिपोर्ट एक हिसाब से आत्मनिर्भरता के प्रदर्शन को ही दर्शाती है, कहना गलत नहीं होगा।

सोशल फोरम

फ्रेंच लेखक विक्टर ह्यूगो की बेटी की खामोशी

1850 में एक बरसात के दिन, न्यूयॉर्क पुलिस को एक युवती मिली जो खोई हुई और अस्त-व्यस्त लग रही थी। वह एक ऐसी भाषा बोल रही थी, जो उन्हें समझ नहीं आ रही थी। उसे अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने कहा कि वह अपनी याददाश्त खो चुकी है। कुछ वक्त बाद में, उन्हें पता चला कि वह लड़की कौन थी! वह लड़की थी एडेल ह्यूगो, प्रसिद्ध फ्रेंच लेखक विक्टर ह्यूगो की बेटी।

नॉलेज अड्डा
फेसबुक

एडेल की कहानी ने कई लोगों के दिलों को छू लिया। उसे अल्बर्ट पिंसन नाम के एक अंग्रेज सैनिक से प्यार हो गया था, लेकिन वह उससे प्यार नहीं करता था। फिर भी, वह उसके पीछे नोवा स्कोटिया तक गई। वहां, उस सैनिक ने उसका इस्तेमाल किया और उसे कुछ भी नहीं दिया। वह उन्हें छोड़कर चला गया। वह न्यूयॉर्क में अकेली और बिना किसी मदद के रह गईं।

जब उसे वापस फ्रांस भेजा गया, तो एडेल का दिल टूट गया और वह शर्म से भर गईं। अलबत्ता उनका कोई दोष नहीं था। उसने खुद से वादा किया कि वह फिर कभी नहीं बोलेगी। उसके पिता, विक्टर ह्यूगो ने उसके बोलने के लिए 35 साल तक लगातार कोशिश की। ह्यूगो के लिए यह बड़ा सदमा था, लेकिन वह कभी नहीं बोली।

1850 से लेकर 1915 में अपनी मृत्यु तक, 65 वर्षों तक एडेल लगातार चुप रहीं, ताकि वह स्वयं को याद दिलाती रहें कि उन्हें फिर कभी किसी से भी प्यार नहीं करना है।

सामयिकी

नकली दवा कारोबार को चाहिए 'सख्ती की दवाई'

दवा जीवन बचाती है, लेकिन देश में अब इसका जानलेवा कारोबार हो रहा है। जो बेहद घातक है। इससे लोगों के जीवन पर ही नहीं समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी गंभीर खतरा मंडराने लगा है। नकली और अवैध दवाओं का धंधा संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और आतंकवाद को भी बढ़ावा देता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया में नकली दवाओं के कारोबार में चौथे नंबर पर है। देश में बिकने वाली लगभग 25 फीसदी दवाएं नकली या घटिया हैं। कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में बनी तीन मिलावटी दवाओं की पहचान की है। डब्ल्यूएचओ की जांच में पाया गया कि कोल्ड्रिफ सिरप में

विवेक सक्सेना
अयोध्या

एक जहरीला रसायन डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) बहुत अधिक मात्रा में मिला है।

डीईजी एक ऐसा केमिकल है, जो शरीर के लिए बेहद नुकसानदेह होता है। यह किडनी और लिवर को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है और बच्चों के लिए यह जानलेवा साबित हो सकता है। कोल्ड्रिफ सिरप में इस रसायन की मात्रा 48 प्रतिशत से भी ज्यादा पाई गई, जबकि सुरक्षित मात्रा केवल 0.1 प्रतिशत तक होनी चाहिए। इसके अलावा दो और सिरप रेडनेक्स फार्मास्युटिकल्स की रेस्पिफ्रेश टीआर और फार्मा की रीलाइफ भी डब्ल्यूएचओ की चेतावनी में शामिल हैं।

ऐसे मामले 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में पहचान बनाने वाले भारत की प्रतिष्ठा भी धूमिल करते हैं। करीब 200 से अधिक देशों को किफायती दवाएं उपलब्ध कराकर भारत वैश्विक जेनेरिक दवा बाजार का अग्रणी खिलाड़ी है। पीएम जन औषधि योजना की सफलता में जेनेरिक दवाओं की अहम भूमिका है, लेकिन गुणवत्ता सुनिश्चित किए बिना ऐसी किफायती दवाएं राहत देने की जगह ऑफत बन जाती हैं। कफ सीरप से बच्चों की मौतें इस कड़वी सच्चाई को ही उजागर करती हैं कि भारत में सस्ती दवाएं तो उपलब्ध हुई हैं, पर उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

चंडीगढ़ स्थित पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के डॉक्टरों ने 2024 के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया है कि असमान निर्माण मानक और कमजोर निगरानी परिणामों को कैसे प्रभावित करती है। दवा निर्माण के लिए भारत का केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ही व्यापक रूप से नियम निर्धारित करता है, पर कारखानों को लाइसेंस देना, इकाइयों का निरीक्षण करना, नमूनों के परीक्षण जैसी अधिकांश शक्तियां राज्य औषधि नियामक प्राधिकरणों (एसडीआरए) के पास हैं। निगरानी के लिए कुछ राज्यों के पास सुदृढ़ प्रयोगशालाएं और प्रशिक्षित निरीक्षक हैं, जबकि कई राज्यों में अत्यंत सीमित संसाधन हैं। निर्माता इसी का फायदा उठाते हैं।

भाटिया समिति (1954) से लेकर माशेलकर समिति (2003) ने यही सुझाया कि लाइसेंसिंग और गुणवत्ता नियंत्रण को एक राष्ट्रीय ढांचे के तहत लाया जाए, पर देश में आज तक इस पर पूरी तरह अमल नहीं हो पाया है। देश में कानूनों की कमी नहीं है। कमी है तो उन्हें ढंग से लागू करने की और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह बनाने की। समय आ गया है कि भारत में सीडीएससीओ के तहत एक केंद्रीकृत लाइसेंसिंग और निरीक्षण प्रणाली बनाई जाए, जो प्रत्येक उत्पाद, परीक्षण और रिकाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय डिजिटल ड्रग रजिस्ट्रार द्वारा संचालित हो। सभी नई-पुरानी दवाओं के लिए सालाना परीक्षण भी अनिवार्य करना होगा। मानकों के अनुपालन और सजा के प्रविधान पूरे देश में एकसमान हों।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

हम इस समय एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां जीवन का बड़ा हिस्सा स्क्रीन पर घट रहा है। बातें, रिश्ते, राय, विरोध और यहां तक कि हंसी और दुख भी अब एक डिजिटल फॉर्मेट में फिट होकर चल रहे हैं। यह बदलाव अचानक नहीं आया, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी रफ्तार कुछ ऐसी रही कि अब यह नया सामान्य बन चुका है। इंटरनेट और स्मार्टफोन ने लोगों को अभिव्यक्ति के नए माध्यम दिए हैं, लेकिन उन माध्यमों की प्रकृति ने सोचने के तरीके को भी बदल दिया है। खासकर युवाओं के लिए आज दुनिया को देखने और समझने का जरिया अब ज्यादातर वही है, जो मोबाइल स्क्रीन पर दिखता है।

मीम-रील के कैदी लाइक्स-कमेंट्स के गुलाम

डॉ. शिवम भारद्वाज
मथुरा

रील्स-शॉर्ट्स ने इस पूरे दृश्य को और तेज कर दिया है। पहले जहां कोई बात कहने के लिए एक लेख, एक भाषण या एक लंबा वीडियो चाहिए होता था, अब 15-30 सेकेंड्स की छोटी सी वीडियो में सब कुछ समा सकता है-भाव, शैली, संगीत और संदर्भ। यह टुकड़ों में बंटा मनोरंजन अब विचार की जगह लेता जा रहा है, जो जितना छोटा है, उतना ही आकर्षक है। गहराई अब ध्यान खींचने में बाधा बन गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोग वही देखते हैं, जो उनके हिसाब से 'रिलेटेबल' हो यानी जो पहले से ही सोचा हुआ हो या जो देखकर सोचने की जरूरत न पड़े। यही वजह है कि रील्स अब विचार नहीं बनाते, बल्कि पुष्टि करते हैं। वही दिखाते हैं, जो पहले से लोकप्रिय है।

इसके साथ ही एक नया और चुपचाप बढ़ता हुआ असर यह है कि अब लोगों का आत्मसम्मान भी स्क्रीन से जुड़ गया है। पहले किसी बात पर गर्व या आत्मविश्वास निजी अनुभवों से आता था। अब वह लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स की संख्या पर टिका हुआ दिखता है। कितनी बार किसी ने तारीफ की, कितने कमेंट्स आए, किस क्लिप को कितने लोगों ने शेयर किया। ये सब अब सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि व्यक्ति की डिजिटल पहचान का हिस्सा बन चुके हैं। इसमें जो नहीं है, वह कमजोर समझा जाता है, जो दिख नहीं रहा, उसका कोई मूल्य नहीं रह गया है। यह मानसिकता नजरअंदाज नहीं की जा सकती, क्योंकि धीरे-धीरे यह व्यक्तिगत पहचान और आत्ममूल्य के केंद्र में आ गई है।

इस पूरे बदलाव की दिशा में जो सबसे खास बात है, वह यह कि अब सोचने का तरीका अनुभव पर नहीं, बल्कि प्रस्तुति पर आधारित हो गया है, जो बेहतर तरीके से पेश किया गया, वही ज्यादा असर करता है। भले उसमें कितनी भी सतही बात क्यों न हो। पहले तर्क, प्रमाण और अनुभव से बात बनती थी, अब 'फॉर्मेट' ज्यादा असरदार हो गया है। मीम हो या रील, ओटीटी हो या इंस्टाग्राम पोस्ट सभी में यह साझा बात है कि 'क्या कहा गया' से ज्यादा जरूरी हो गया है 'कैसे कहा गया'।

मीम संस्कृति

मीम संस्कृति इसी बदलाव का एक स्पष्ट उदाहरण है। अब विचारों को लंबे वाक्यों में समझाना जरूरी नहीं रहा। एक तस्वीर, उस पर एक व्यंग्यात्मक लाइन और कुछ रंग-बिरंगे इमोजी, यही आज की बातचीत का नया फॉर्मेट है। यह शैली तेज है, सरल है और तुरंत असर करती है, लेकिन जिस रफ्तार से यह शैली पॉपुलर हुई है, उसी रफ्तार से गंभीरता और संदर्भ भी हाशिए पर चले गए हैं, जो बात पहले बहस का विषय होती थी, वो अब चुटकुला बनकर वायरल होती है। यही 'वायरल होना' अब किसी बात के प्रासंगिक होने की पहचान बन चुका है। युवाओं की सोच में यह बदलाव साफ देखा जा सकता है। मीम सिर्फ हंसी की चीज नहीं रह गया है, वह एक नजरिया बन चुका है। कुछ भी कहना हो, विरोध करना हो, समर्थन करना हो, सब कुछ अब मीम की शक्ल में आसानी से समझाया जाता है। यह सहजता कई बार उपयोगी भी होती है, लेकिन अक्सर बातों की जटिलता इस प्रक्रिया में गुम हो जाती है। समस्या यह नहीं कि हंसी आ रही है, असल बात यह है कि हंसी में जो कहना है, वो कितना सही समझा जा रहा है। बहुत बार यह हंसी कुछ नहीं कहती, सिर्फ अगला मीम देखने की इच्छा पैदा करती है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स

इन सभी अनुभवों के बीच, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का उभार एक नई दिशा में असर डाल रहा है। फिल्मों और वेब सीरीज के जरिए अब दुनियाभर की कहानियां हर किसी की पहुंच में हैं। यह एक जबरदस्त सांस्कृतिक अवसर है। समाज के अलग-अलग हिस्सों, भाषाओं और सोच को समझने का मौका, लेकिन यह समझ तभी पनपती है, जब देखी गई चीजों पर ठहरकर सोचा जाए। अक्सर होता यह है कि वेब सीरीज की बिंज-वाचिंग करते हैं, किरदारों से प्रभावित होते हैं, लेकिन उनके विचारों की परतों में नहीं जाते। हम सिर्फ कहानी के प्रवाह में बहते हैं और फिर अगली कहानी पर शिफ्ट कर जाते हैं। इस तरह से जो कुछ देखा गया, वह भीतर कहीं ठहरता नहीं, बस गुजर जाता है।

सोचने का ढंग, समझने का तरीका

हमारे सोचने का ढंग, समझने का तरीका और संवेदनाओं की परतें धीरे-धीरे उसी रूप में ढल रही हैं, जिसे स्क्रीन पर दिखाया जा रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं है, लेकिन अब इतना स्थिर हो चुका है कि हमें असुविधा महसूस नहीं होती। हम उसमें सहज हो चुके हैं। हंसी, नाराजगी, दुख, सहमति हर भाव अब डिजिटल फार्मेट में ढल चुका है। कोई बात मीम में आई तो मजेदार है, रील में आई तो आकर्षक है और ट्रेंडिंग में आई तो 'जरूरी' है। जो बात इन फॉर्मेट्स में फिट नहीं बैठती, वो नजर से भी फिसल जाती है।

भाषा शब्द कम और संकेत ज्यादा

हर पीढ़ी का एक अपना टेम्पो होता है, एक अपनी भाषा और अपना भ्रम। इस समय की भाषा में शब्द कम और संकेत ज्यादा हैं, जो कहा नहीं गया, वो अक्सर ज्यादा सुना जाता है और जो सचमुच कहा जाना चाहिए, वो अक्सर लोगों को रोचक नहीं लगता। इसलिए धीरे-धीरे किनारे हो जाता है। लोगों की प्रतिक्रियाएं पहले से ज्यादा तेज और तुरंत हो गई हैं, जो तेज है, वह प्रभावी है। यह धारणा बन चुकी है। इसी वजह से विचारों की लंबाई, अनुभव की गहराई और संवाद की प्रक्रिया अब बाधा जैसी लगती है। बहुत कुछ कहा जा रहा है, लेकिन कितनी देर के लिए सुना जा रहा है। इसका हिसाब रखना अब पुराना तरीका माना जाता है। यह सब बातें न अच्छी हैं, न बुरी-बस आज के समय की प्रकृति का हिस्सा हैं।

संस्मरण

चाय

एक दिन एक कार्यक्रम से लौट रहा था। दोपहर के दो बज गए थे। सूरज मानो आग उगल रहा था। गर्मी के मारे बुरा हाल था। मैं जल्दी से घर पहुंच जाना चाहता था। तभी मोटर साइकिल का पिछला पहिया हल्का-हल्का हिलने सा लगा। मैंने मोटर साइकिल खड़ी की। देखा मोटर साइकिल का पिछला पहिया पंक्चर हो गया था। मैंने चारों तरफ नजर दौड़ाई। दूर-दूर तक पंक्चर जोड़ने की कोई दुकान नहीं थी।

घर अभी दो किलोमीटर दूर रह गया था। मरता क्या न करता, मैं मोटर साइकिल को घसीटते हुए घर की ओर चल दिया। कुछ दूर चलने पर ही मेरा सारा शरीर पसीने से तर-बतर हो गया। अभी मैं आधा किलोमीटर दूर ही पहुंचा था कि मुझे सड़क के किनारे एक बड़े से छाते के नीचे एक पंक्चर जोड़ने वाला दिखाई दिया। मैंने राहत की सांस ली। उसके पास जाकर मैंने मोटर साइकिल खड़ी कर दी और उससे पंक्चर जोड़ने को कहा। उस समय उसके छाते के नीचे पड़े स्टूल पर एक लेडी बैठी हुई थी और वह तपती धूप में बैठा हुआ, उसकी स्कूटी का पंक्चर जोड़ रहा था। जब वह लेडी चली गई तो उसने मुझे छाते के नीचे बैठने के लिए कहा। मैं बैठ गया और वह अपने काम में लग गया। मैंने देखा कि उसकी उम्र साठ वर्ष के आसपास रही होगी। धूप के मारे उसके माथे से पसीना टपक रहा था।

सुरेश बाबू मिश्रा
बरेली

मैंने उससे पूछा, "तुमने इतना बड़ा छाता लगा रखा है, मगर तुम्हें तो पूरे दिन धूप में ही काम करना पड़ता है।" "अगर मैं छाते के नीचे बैठा रहूंगा, तो मेरा और मेरे बच्चों का पेट कैसे भरेगा साहब। वह मेरी ओर देखते हुए बोला, उसके प्रश्न ने मुझे निरुत्तर कर दिया था।

वह अपने काम में लगा रहा और कुछ ही देर में उसने पंक्चर जोड़ दिया।

मैंने उसकी मजदूरी के पैसे देने के बाद उसे दस रुपये चाय के लिए देने चाहे, मगर उसने रुपये लेने से साफ इंकार कर दिया। वह बोला-"साहब ! मैं केवल अपनी मेहनत के ही पैसे लेता हूं।" मैंने दस का नोट जेब में रख लिया और मोटर साइकिल स्टार्ट करने लगा। तभी वह मेरे पास आया और बोला-"साहब ! मैं एक शर्त पर आपके रुपयों की चाय पी सकता हूं।"

"वह क्या?" मैंने उसकी ओर देखते हुए पूछा। "आपको भी मेरे साथ चाय पीनी पड़ेगी।" वह बोला। मैं मोटर साइकिल से नीचे उतर आया और उसे दस-दस के दो नोट देते हुए कहा-"ठीक है, जाओ दो चाय ले आओ।"

"नहीं साहब, एक की ही दो हो जाएंगी।" यह कहकर वह उनमें से एक नोट लेकर तीर की तरह चाय के खोखे की ओर दौड़ पड़ा।

थोड़ी देर में ही वह दो कपों में चाय ले आया। मैं स्टूल पर बैठकर उसके साथ चाय पीने लगा।

"एक बात कहूं साहब?" उसने मेरी ओर देखते हुए पूछा। "हां-हां कहो।" मैंने स्वीकृति में सिर हिला दिया। वह बोला-"आज मुद्दतों बाद आप जैसे किसी साहब ने मेरे साथ बैठकर चाय पी है। आपकी इस छोटी-सी बात ने मेरे दिल को कितनी बड़ी खुशी दी है, मैं बता नहीं सकता।" मैं हैरानी से उसके चेहरे की ओर देख रहा था।

एहसास

व्हील चेयर

एक लड़की थी। उसके मन में जीवन को मेरु शिखर तक ऊंचा उठा लेने का साहस और सामर्थ्य था। सीमित संसाधनों में उसने उपलब्धियों की छोटी सी चमकती मोती माला बना ली थी। इतना कि जितने में एक छोटी सी उम्र को मूल्यवान कहा जा सकता था। धरती पर जीवन इतना सरल होता तो दुःख और पीड़ा का कहीं कोई निशान न होता। मन में बस लक्ष्यों का ढेर होता और इंसान उन्हें चुटकियों में पा भी लेता। पर नहीं, जीवन इतना भी सहज और स्वाभाविक नहीं है। संघर्षों की लंबी श्रृंखलाओं का कंठहार है जिंदगी।

अंजलि ओझा
प्रतापगढ़

उस लड़की के जीवन ने उसे गर्त में ला पटका था। उसके स्वसिद्धि के सभी आयाम शून्य पर जा रुके थे। एक गहरा सूखा कुंआ था, उसके सामने अब। उसकी तमाम शैक्षिक प्राप्तियां धरी की धरी रह गईं थीं। कोई भी परीक्षा शरीर के बल पर ही पास की जा सकती है। शरीर के स्वास्थ्य से मस्तिष्क की चेतना में बढ़ोतरी होती है। उस लड़की के सारे सपने उसे उसी क्षण टूटे नजर आए, जब उसे पता चला कि उसकी बैकबोन ने उसका साथ छोड़ दिया है। उसकी स्पाइनल डिस्क में दबाव हो गया था।

अब किसके भरोसे वह बैठकर घंटों किताबों के अक्षर-अक्षर पर मनन करती? कैसे वह हाथ में कलम और कागज लेकर बैठती? कैसे वह अपने सपनों को उड़ान देती? कैसे अपने जकड़े हुए कदमों को चलना बताती? कैसे वह जमी हुई रक्तशिराओं को तरलता देती? कैसे अपनी अक्षमता को उपयोगी बनाती? अंधकार ही अंधकार था... स्वस्थ हो पाने की कोई आशा भी नहीं। बिस्तर पर पड़े-पड़े अब तो उसे इस भयंकर पीड़ा से जूझना था। बिना उफ किए, किंतु सहने की भी एक सीमा होती है, जिसके बाद शरीर और धैर्य दोनों मौन धर लेते हैं और कहते हैं "अब नहीं!" इतना ही चल सकते थे हम तुम्हारे साथ। अब तुम खुद चल सको तो चलो। वर्षों के मर्मांतक कष्ट से वह हार रही थी। उसकी धैर्य परिधि खत्म हो रही थी। वह कर सकती थी, पर नहीं कर पा रही थी। वह असहाय अनुभव करने लगी थी। निराशा, हताशा, दुःख और अवसाद की ओर खिसकती जा रही थी उसकी जिंदगी।

उसकी पूर्व चिकित्सक की दवाएं उसके दर्द का तृणमात्र भी इलाज नहीं कर पा रही थी। फिर किसी के सुझाव पर वह दूसरे नामी चिकित्सक के पास गई। वहां के प्रतीक्षालय में वह अपनी बारी का इंतजार कर रही थी। तभी उसने अपने सामने व्हील चेयर पर बैठी एक हमउम्र लड़की को देखा। उस व्हील चेयर वाली लड़की को देखकर उसके मन रोना हो आया। उसकी बगल की सीट पर उस व्हील चेयर वाली लड़की की मां बैठी हुई थी। उसने आदतन उनसे बात करनी शुरू कर दी। जब उसने पूछा, "आपकी बेटी को क्या हुआ है?" तो उत्तर मिला, " बैकबोन में दबाव है।" वह सन्न रह गई।

उसकी भी तो बैकबोन ही डैमेज थी। फिर उसने जानना चाहा, "क्या वह अपने पैर उठा पाती है?" उत्तर नहीं में मिला। उसकी मां ने बताया कि उसके पांव हिलते तक नहीं। वह शौच तक बिस्तर पर ही करती है। अब वह लड़की कुछ क्षण के लिए निःरक्त सी हो गई, जिसे काटो तो खून नहीं। उसने उस व्हील चेयर वाली लड़की को देखा फिर खुद को देखा। कितना अंतर था दोनों में। एक जैसा रोग, एक जैसी समस्या और वह अभी भी अपने कदमों से चल सकती है। उसकी दैनिक आवश्यकताओं के लिए किसी के सहारे की जरूरत नहीं है। वह अपने दर्द से लड़कर जिंदगी के कुछ कदम रख तो पा रही है। अभी वह व्हील चेयर से बहुत दूर है।

डॉक्टर ने कहा कि अगर ठीक होना चाहती हो तो पैदल चलो। रोओ, तड़पो, दर्द को चबाओ, पर चलो! नहीं तो ऐसे ही जकड़ जाओगी। घर आने के बाद उसे बार-बार व्हील चेयर पर बैठी निस्सहाय लड़की का चेहरा याद आ रहा था। उसने निश्चय किया कि वह इतनी अशक्त अभी नहीं होगी। व्हील चेयर उसका भाग्य नहीं है। उसे चलना है, दौड़ना है, उड़ना है। उसने साष्टांग हो ईश्वर को धन्यवाद किया कि कम से कम अभी उस पर इतनी तो कृपा उन्होंने बनाई हुई है कि संघर्ष करके ही सही वह कुछ कदम नाप सकती है।

अब उसके मन में आशा की एक घनी किरण आ बसी है कि वह एक दिन सबसे आगे होगी। उसका जीवन मेरु शिखर सा श्लाघ्य होगा। उसके हिस्से सफलताएं आएंगी। उसकी रुकी हुई जिंदगी एक दिन दौड़ पड़ेगी मिल्खा सिंह की तरह, फिर कभी न रुकने के लिए।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,211.88	25,795.15
गिरावट	344.52	96.25
प्रतिशत में	0.41	0.37

सोना 1,25,600
प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,52,600
प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1830, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2040, सूरज 1990, अवसर 1920, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1920, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2150, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2505

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छांटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 10800

चीनी : पीलीभीत 4400, सितारगंज 4300

गोल्ड (पक्के जेवर) 123500, गोल्ड सिल्वर (पक्की) 1560 (अनुमानित)

ब्रिटेन-जर्मनी को छूट तो भारत पर निशाना क्यों

गोयल ने अमेरिकी प्रतिबंधों पर उठाया सवाल, कहा- दबाव में आकर व्यापार समझौता नहीं करेगा भारत

बर्लिन/नई दिल्ली, एजेंसी

रूस से तेल खरीद बंद करने के लिए बढ़ते अमेरिकी दबाव के बीच वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को जर्मनी में आयोजित एक कार्यक्रम में सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों से ब्रिटेन को छूट मिल गई है, अब जर्मनी भी छूट मांग रहा है तो फिर भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है। गोयल ने साफ किया कि भारत जल्दबाजी या किसी तरह के दबाव में आकर व्यापार समझौते नहीं करता है।

गोयल ने जर्मनी में आयोजित 'बर्लिन संवाद' में कहा, भारत की यूरोपीय संघ सहित विभिन्न देशों एवं समूहों के साथ व्यापार समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत जारी है। हम अमेरिका से भी बात कर रहे हैं लेकिन हम जल्दबाजी में कोई समझौता नहीं करते और न ही कोई समयसीमा तय करके या फिर किसी तरह के दबाव में आकर कोई समझौता करते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री इस संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए बर्लिन में हैं। यह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और जर्मन व्यवसायों की एक बैठक है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी भी व्यापार समझौते को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को बर्लिन संवाद में भारत का पक्ष रखा।

गोयल ने कहा कि भारत कभी भी जल्दबाजी या उकसावे में आकर कोई निर्णय नहीं लेता है। इसके साथ उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका में लगाए गए उच्च सीमा शुल्क से निपटने के लिए नए बाजारों की तलाश कर रहा है।

भारत के साथ दीर्घकालिक निष्पक्ष व्यापार समझौता शर्तों पर किए जाने के सवाल पर गोयल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत ने कभी भी राष्ट्रीय हित के अलावा किसी अन्य आधार पर यह निर्णय लिया है कि उसके मित्र कौन होंगे। यदि कोई मुझसे कहता है कि आप यूरोपीय संघ के मित्र नहीं हो सकते, तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा या कोई कल मुझसे कहता है कि मैं केन्या के साथ काम नहीं कर सकता, तो यह भी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी देश से कोई भी विशेष उत्पाद खरीदने का निर्णय पूरी दुनिया का होगा। गोयल ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, मैं आज के अखबार में पढ़ रहा था कि जर्मनी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट मांग रहा है, ब्रिटेन ने पहले ही अमेरिका से तेल खरीदने के लिए छूट हासिल करने का तरीका तलाश लिया है या शायद उसे छूट मिल भी गई है तो फिर भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है।

अधिकारियों ने किया दावा- कोई नया मुद्दा बाधा नहीं व्यापार समझौते के बेहद करीब हैं भारत-अमेरिकी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने के 'बेहद करीब' हैं, क्योंकि दोनों पक्ष अधिकांश मुद्दों पर सहमति की तरफ बढ़ रहे हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के प्रावधानों और शर्तों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, जहां तक अमेरिका के साथ समझौते की बात है तो हम इसे अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं। अधिकारी ने कहा, समाधान के लिए अब अधिक मसले नहीं बचे हैं। समझौते पर बातचीत प्रगति पर है और अब कोई नया मुद्दा वार्ताओं में बाधा नहीं बन रहा है। उन्होंने कहा, हम अधिकांश मुद्दों पर सहमति की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। अमेरिका और भारत के बीच इस द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए अब तक पांच दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है।

छह दिन बाद गिरा शेयर बाजार सेंसेक्स 344 अंक फिसला

मुंबई, एजेंसी

- विदेशी पूंजी निकासी और मुनाफा वसूली बनी गिरावट का कारण

विदेशी पूंजी की निकासी और बैंकों एवं एफएमसीजी शेयरों में मुनाफावसूली के बीच घरेलू शेयर बाजार लगातार छह कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 344.52 अंक यानी 0.41 प्रतिशत गिरकर 84,211.88 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 599.25 अंक की गिरावट के साथ 83,957.15 अंक पर आ गया था। एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 96.25 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,795.15 अंक पर बंद हुआ। इसके 50 में से 34 शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में सर्वाधिक 3.20 प्रतिशत की गिरावट आई। अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और सन फार्मा के शेयर लाभ में रहे। घरेलू शेयर बाजार लगातार छह सत्रों की तेजी के बाद नुकसान में रहे। इसके पीछे ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली हावी होने के अलावा अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की टिप्पणी का भी हाथ रहा। गोयल ने जर्मनी में कहा कि भारत जल्दबाजी में सौदे नहीं करता है और न ही दबाव में आकर समझौते करता है।

ट्रंप ने विज्ञापन के कारण कनाडा के साथ जारी व्यापार वार्ता रोकी

वाशिंगटन, एजेंसी

- धोखाधड़ी का आरोप लगाया, और बढ़ा दोनों देशों के बीच तनाव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि शुल्क का विरोध करने वाले एक टेलीविजन विज्ञापन में तथ्यों को गलत तरीके से पेश किए जाने की वजह से वह कनाडा के साथ सभी व्यापार वार्ताएं खत्म कर रहे हैं।

ट्रंप ने आरोप लगाया कि अमेरिका में अदालती फैसलों को प्रभावित करने के लिए यह टीवी विज्ञापन तैयार किया गया था। इसके पहले कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका से इतर देशों को निर्यात दोगुना करने की योजना पेश की थी। इसके बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में यह घोषणा की। ट्रंप के फैसले से दोनों पड़ोसी देशों के बीच महीनों से चल रहा व्यापार तनाव और बढ़ सकता है।

ट्रंप ने कहा, कनाडा ने धोखाधड़ी से एक विज्ञापन तैयार किया है, जिसमें रोनाल्ड रीगन शुल्क के बारे में नकारात्मक बातें करते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये फर्जी है। ट्रंप ने लिखा, यह विज्ञापन 75,000 अमेरिकी डॉलर का था। उन्होंने ऐसा सिर्फ अमेरिकी अदालतों के फैसलों में दखलअंदाजी के लिए किया। शुल्क अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए अहम हैं। कनाडा इस बुरे व्यवहार के कारण उसके साथ सभी व्यापारिक वार्ताएं समाप्त की जाती हैं।

हरियाणा में महंगाई भत्ता 58% बढ़ा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को देय महंगाई भत्ते (डीए) एवं महंगाई राहत (डीआर) को मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत करने की शुक्रवार को घोषणा की।

सातवें वेतन आयोग की संरचना के अनुसार वेतन और पेंशन या पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने वालों को अब एक जुलाई 2025 से मूल वेतन एवं पेंशन के मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत की दर से डीए और डीआर मिलेगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी पत्र के अनुसार, डीए एवं डीआर की बढ़ी हुई दर का भुगतान अक्टूबर माह के वेतन और पेंशन के साथ किया जाएगा। जुलाई से सितंबर के एरियर का भुगतान नवंबर में किया जाएगा।

सोने-चांदी में गिरावट
वैश्विक दबाव का असर

हाल के दिनों में सोना और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट देखी गई है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में डॉलर के मजबूत होने, अमेरिकी बॉण्ड यील्ड के बढ़ने और निवेशकों की जोखिम लेने की प्रवृत्ति बढ़ने से कीमती धातुओं पर दबाव आया है। भारत जैसे बड़े उपभोक्ता देश में भी इसका असर घरेलू बाजार में देखने को मिला है। सोने की कीमत तय करने के नियम, सरकार की नीतियां और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक हालात मिलकर इस उतार-चढ़ाव को प्रभावित करते हैं। हाल ही में सरकार और नियामक संस्थानों ने सोने की कीमतों में पारदर्शिता लाने और निवेशकों के हितों की सुरक्षा के लिए कुछ अहम कदम भी उठाए हैं।

वैश्विक स्थिति

विश्वभर में मंदी की आशंकाओं के कम होने, कच्चे तेल की स्थिरता और शेयर बाजारों में सुधार ने निवेशकों को सोने से दूर किया है। इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित वृद्धि के संकेत ने डॉलर को मजबूत बनाया, जिससे सोने की मांग घटी।

कीमतों में अस्थिरता और निवेशकों का विश्वास

सोने और चांदी की कीमतें हमेशा से आर्थिक अस्थिरता और निवेशकों के विश्वास का पैमाना रही हैं। हाल में इनकी कीमतों में आई बड़ी गिरावट के पीछे कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं डॉलर की मजबूती, ब्याज दरों में वृद्धि, और वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में सुधार। जब डॉलर मजबूत होता है, तो सोने की कीमत आमतौर पर गिरती है क्योंकि निवेशक सुरक्षित निवेश से हटकर अन्य संपत्तियों में पूंजी लगाते हैं।

कीमत तय करने के नियम और संस्थान

वैश्विक स्तर पर सोने की कीमत तय करने का कार्य मुख्यत: लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन करती है। यह संस्था प्रतिदिन दो बार 'गोल्ड फिक्सिंग' प्रक्रिया के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय कीमतें निर्धारित करती है। भारत में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने की वायदा कीमतें अंतरराष्ट्रीय दरों और रुपये की विनिमय दर के आधार पर तय होती हैं।

सरकार और आरबीआई की भूमिका

भारतीय सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने के आयात पर नीति बनाकर बाजार को नियंत्रित करते हैं। सोने पर आयात शुल्क, सीमा शुल्क और गोल्ड बॉन्ड जैसी योजनाएं कीमतों पर अप्रत्यक्ष रूप से असर डालती हैं। सरकार का मानना है कि अत्यधिक सोने का आयात चालू खाता घाटे को बढ़ाता है, इसलिए वह निवेशकों को वैकल्पिक निवेश जैसे सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की ओर प्रेरित करती है।

बिजनेस ब्रीफ

कर्नाटक : 27,600 करोड़ रुपये के 13 निवेश प्रस्ताव मंजूर

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई राज्य उच्चस्तरीय मंजूरी समिति की बैठक में 27,607.26 करोड़ रुपये के 13 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन स्वीकृत परियोजनाओं से लगभग 8,704 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। राज्य के विशाल एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने कहा कि इनमें 11 नए और दो अतिरिक्त निवेश के प्रस्ताव हैं। प्रस्तावों में 27,228.51 करोड़ के नए निवेश शामिल हैं, जबकि विस्तार परियोजनाओं के लिए 378.75 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

टोल प्लाजा पर मासिक और वार्षिक पास की जानकारी होगी प्रदर्शित

नई दिल्ली। एनएचएआई ने कहा कि मासिक और वार्षिक टोल पास के बारे में राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को जानकारी देने के लिए टोल प्लाजा पर सूचना प्रदर्शित की जाएगी। एनएचएआई ने कहा कि उसने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित सभी टोल प्लाजा पर इन 'टोल पास' के बारे में विस्तृत जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित करें। उद्देश्य यह है कि उपयोगकर्ताओं को स्थानीय मासिक और वार्षिक 'पास' सुविधा की उपलब्धता, दरों और प्रक्रियाओं के बारे में उचित जानकारी हो।

अतिरिक्त एजीआर मांग रद्द करने की याचिका पर सुनवाई 27 को

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय सोमवार को दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें 2016-17 तक के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा मांगे गए एजीआर को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। एजीआर वह आय है, जिसका उपयोग लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम शुल्क की गणना के लिए किया जाता है। इसे दूरसंचार कंपनियों की तरफ से सरकार को देय होता है। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के के मुताबिक सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगी।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, स्वर्ण भंडार 6.18 अरब डॉलर उछला

मुंबई। स्वर्ण भंडार में बड़े उछाल के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 4.496 अरब डॉलर बढ़कर 702.28 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़े के अनुसार, इस सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का दूसरा सबसे बड़ा घटक स्वर्ण भंडार 6.181 अरब डॉलर की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 108.546 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। स्वर्ण भंडार लगातार आठवें सप्ताह बढ़ा है। कुछ समय से सोने की कीमतों में जारी तेजी और केंद्रीय बैंक के सोना खरीदने से भंडार लगातार बढ़ रहा है। वहीं, 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.692 अरब डॉलर घटकर 570.411 अरब डॉलर रह गई। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा ब्रिटिश पाउंड, जापानी येन और यूरो शामिल हैं।

- विदेशी मुद्रा भंडार में सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा भारत

डॉलर को छोड़कर अन्य मुद्राओं का मूल्य डॉलर के मुकाबले उनके विनिमय दर से तय होता है। अन्य घटकों में विशेष आहरण अधिकार 3.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.722 अरब डॉलर और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि तीन करोड़ डॉलर घटकर 4.602 अरब डॉलर पर रही। विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में भारत की स्थिति इस समय काफी मजबूत है।

यूरोपीय संघ का उच्चस्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह भारत का दौरा करेगा

नई दिल्ली/बर्लिन, एजेंसी

- इसी साल के अंत तक पूरी करनी है व्यापार समझौते पर वार्ता

भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में बातचीत के लिए यूरोपीय संघ का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह भारत का दौरा करेगा। यह सात-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 27 से 29 अक्टूबर तक यहां रहेगा और व्यापार, आर्थिक और निवेश संबंधों पर चर्चा करेगा।

इस दल की अगुवाई क्रिस्टीना मेस्त्रे करेंगी। वह यूरोपीय संघ अंतरराष्ट्रीय व्यापार समिति की भारत के लिए स्थायी प्रतिनिधि हैं। इस दल में ब्रैंडो बेनिफेई भी शामिल हैं। मेस्त्रे और बेनिफेई ने एक संयुक्त बयान में कहा, इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत और यूरोपीय संघ के बीच जारी गहन व्यापार वार्ताओं के बीच आपसी समझ को और बढ़ाना है। बयान के मुताबिक, यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब 2025 के अंत तक एफटीए पर बातचीत पूरी करने की समयसीमा में कुछ ही महीने रह गए हैं।

मेस्त्रे और बेनिफेई ने कहा, हमें उन प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की उम्मीद है जिनमें दोनों पक्षों की साझा रुचि है, ताकि एक सार्थक द्विपक्षीय समझौते तक पहुंचा जा सके और नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। इसी बीच वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को 'बर्लिन संवाद' में कहा कि यूरोपीय संघ द्वारा लागू किए गए कार्बन कर सहित कई नए नियमों से उसके व्यवसायों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। यूरोपीय संघ ने कार्बन सीमा समायोजन प्रणाली सीबीएएम और वनह्रास नियमन जैसे नियम लागू किए हैं, जिन पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। गोयल ने कहा, इन सभी नियमों से मुझे लगता है कि यूरोप के व्यवसायों को अस्तित्व संबंधी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। वहां का बुनियादी ढांचा महंगा होता जाएगा।

दूसरी तिमाही में रियल्टी क्षेत्र को पूंजी बाजार से मिला 1.15 अरब डॉलर का वित्तपोषण

नई दिल्ली। इस साल जुलाई-सितंबर के दौरान भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में पूंजी बाजार के जरिए वित्तपोषण पिछली तिमाही के मुकाबले दोगुने से अधिक होकर 1.15 अरब डॉलर हो गया। ग्रांट थॉर्नटन भारत की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रियल एस्टेट क्षेत्र में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान तीन श्रेणियों- विलय एवं अधिग्रहण, निजी इक्विटी और पूंजी बाजार में 42 सौदे हुए, जिनका मूल्य 2.85 अरब डॉलर था। रिपोर्ट कहती है कि दूसरी तिमाही में 84.3 करोड़ डॉलर के 21 विलय-अधिग्रहण सौदे हुए, इससे पिछली तिमाही में 19.5 करोड़ डॉलर के छह सौदे हुए थे। सितंबर तिमाही में निजी इक्विटी गतिविधियों में जोरदार उछाल आया।

जीएसटी अधिकारी ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें

गाजियाबाद, एजेंसी

- गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के बाद बोलीं वित्तमंत्री

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के अवसर पर सीतारमण ने कर अधिकारियों से तेजी से पंजीकरण मंजूरी एवं शिकायत निवारण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और क्षेत्रीय इकाइयों से सक्रिय रूप से व्यापार करने में सुगमता लाने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि ऐसा करने से केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) स्पष्ट संदेश देगा कि कदाचार, कर्तव्य की उपेक्षा या अनैतिक व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा, आपके और व्यापारी के बीच कोई लोहे की दीवार नहीं है, बस हवा का एक झोंका है। आप समझ सकते हैं कि समस्या कहां है, बजाय इसके कि उसे और उलझाएं। उन्होंने कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ व्यवहार करते समय अधिक सहानुभूति एवं शिष्टाचार दिखाना चाहिए और उन्हें यह एहसास दिलाना चाहिए कि अगली पीढ़ी के जीएसटी के तहत उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जा रहा है।

मंत्री ने कहा, अगर करदाताओं में कुछ लोग बुरे लोग हैं तो उन्हें पकड़ने के लिए नियमों का पालन करें लेकिन हर किसी को संदेह की नजर से न देखें। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि आप विनम्र बने रहें। अगली पीढ़ी का जीएसटी केवल दरों, श्रेणियों, सरलीकरण के बारे में नहीं है। इससे करदाता को बेहतर महसूस होना चाहिए।

ऊंटों के सौदागर

राजस्थान के अजमेर जिले के पुष्कर में वार्षिक ऊंट मेला शुरू होने वाला है, व्यापारियों ने दूर-दूर से अपने ऊंट लेकर यहां पहुंचना शुरू कर दिया है। हर साल इस मेले में हजारों ऊंट खरीदे और बेचे जाते हैं। एजेंसी

एनपीएस-यूपीएस में केंद्रीय कर्मचारियों के लिए दो और निवेश विकल्प जोड़े गए

नई दिल्ली, एजेंसी

- कर्मचारियों की ओर से काफी समय से की जा रही थी मांग

सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए दो नए निवेश विकल्प 'लाइफ साइकल' और 'बैलेंस्ड लाइफ साइकल' को मंजूरी दे दी है।

इस फैसले से केंद्र सरकार के कर्मचारियों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई है। उनकी मांग थी कि उन्हें भी गैरसरकारी कर्मचारियों की तरह इन पेंशन योजनाओं में अधिक निवेश विकल्प दिए जाएं। वित्त मंत्रालय ने कहा कि ये विकल्प सेवानिवृत्ति योजना में लचीलापन बढ़ाने और कर्मचारियों को व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के अनुरूप अपने सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने की अनुमति देने के लिए तैयार किए गए हैं।

एनपीएस और यूपीएस के तहत, केंद्र सरकार के कर्मचारी अब कई निवेश विकल्पों में से चुन सकते हैं। एक डिफ़ॉल्ट विकल्प है जो समय-समय पर पेंशन कोष नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा परिभाषित निवेश का 'डिफ़ॉल्ट पैटर्न' है। दूसरा विकल्प स्कीम-जी है जिसमें कम जोखिम, निश्चित रिटर्न के लिए 100 प्रतिशत निवेश सरकारी प्रतिभूतियों में होगा।

- **लाइफ साइकल विकल्प :** इसके तहत अधिकतम इक्विटी आवंटन 25 प्रतिशत है, जो 35 वर्ष की आयु से 55 वर्ष की आयु तक धीरे-धीरे कम होता जाता है, जबकि एलसी-50 विकल्प में अधिकतम इक्विटी आवंटन सेवानिवृत्ति कोष के 50 प्रतिशत तक सीमित है।
- **बैलेंड लाइफ साइकल विकल्प :** एलसी50 का ही संशोधित संस्करण है, जिसमें इक्विटी आवंटन 45 वर्ष की आयु से कम होता जाता है ताकि कर्मचारी लंबी अवधि के लिए इक्विटी में निवेश कर सकें। वहीं एलसी75 विकल्प में अधिकतम इक्विटी आवंटन 75 प्रतिशत है, जो 35 वर्ष की आयु से 55 वर्ष की आयु तक धीरे-धीरे कम होता जाता है।

रूसी तेल पर प्रतिबंध के बावजूद रिफाइनरी ऑपरेशन में स्थिरता रखेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका और यूरोपीय संघ के रूसी कंपनियों से तेल खरीदने पर लगाये गये प्रतिबंधों के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शुक्रवार को कहा कि उसके कच्चे तेल की खरीद के स्रोतों में विविधता है, और उम्मीद जताई कि वह अपने रिफाइनरी ऑपरेशन में स्थिरता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करेगी।

- रिलायंस ने कहा- फिलहाल कर रहे हैं नई शर्तों का आकलन

कंपनी के एक प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि बाजार और नियामक परिस्थितियों में बदलाव के अनुरूप आपूर्ति अनुबंधों में बदलाव किए जाते हैं। रिलायंस को विश्वास है कि समय की कसौटी पर कसे, कच्चे तेल के स्रोत में विविधता की रणनीति से उसके रिफाइनरी ऑपरेशन में स्थिरता और विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी और कंपनी यूरोप सहित सभी घरेलू और निर्यात जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगी।

अमेरिका ने गुरुवार को रूस की दो कंपनियों रोजनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिया था। यूरोपीय यूनियन ने भी गुरुवार को ही रूसी कंपनी रोजनेफ्ट और गेजप्रोम नेफ्ट पर पूर्ण प्रतिबंध की घोषणा की थी। साथ ही उसने रूस से कच्चा तेल खरीद कर यूरोप में पेट्रोलियम उत्पाद बेचने वाली तीसरे देश की कंपनियों पर भी प्रतिबंधों की घोषणा की। इनमें रिलायंस समेत तीन भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं।

इससे पहले, ब्रिटेन ने भी रूस से तेल की खरीद पर प्रतिबंधों की घोषणा की थी। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद जब अमेरिका ने रूस से तेल खरीद पर प्रतिबंधों की घोषणा की थी। उसके बाद से हाल के दिनों में रिलायंस इंडस्ट्रीज रूस से तेल खरीदने वाली प्रमुख कंपनी रही है। रिलायंस के प्रवक्ता ने कहा है कि वह फिलहाल इन प्रतिबंधों की नई शर्तों के प्रभावों का आकलन कर रही है।

भारत की गर्जना...

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (एसकेएटी) शुक्रवार को गुजरात के मेहसाणा में हवाई अड्डे के ऊपर युद्धाभ्यास करती हुई ।

अमेरिका-रूस के बीच विवाद

अमेरिका और रूस के बीच तनाव एक पुरानी समस्या है, जो हाल के वर्षों में और भी बढ़ गई है । यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं । जिनमें रूस के तेल और गैस क्षेत्र को निशाना बनाना शामिल है । हाल ही में, अमेरिका ने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं । अमेरिका चाहता है कि भारत भी रूस से तेल खरीदना बंद कर दे और उसके साथ व्यापारिक संबंधों को सीमित करे ।

भारत का यह कहना है : भारत सरकार ने कहा है कि उसकी ऊर्जा नीति बाजार की जरूरतों और राष्ट्रीय हितों पर आधारित है । भारत ने अमेरिका को आश्वस्त किया है कि उसके साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हितों को भी ध्यान में रखेगा ।

भारत के लिए चुनौतियां

अमेरिका को क्या फायदा होगा?

अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देता है, तो अमेरिका को कई फायदे होंगे । रूस की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ेगा, जिससे वह यूक्रेन में अपने सैन्य अभियान को जारी रखने में मुश्किलों का सामना करेगा । अमेरिका को अपने ऊर्जा बाजार को मजबूत करने में मदद मिलेगी, जिससे उसकी ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी । भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार होगा, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार और सुरक्षा सहयोग बढ़ेगा ।

रूस की सख्त प्रतिक्रिया

प्रतिबंधों को लेकर रूस की प्रतिक्रिया बहुत ही सख्त और आत्मविश्वास से भरी हुई है । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी प्रतिबंधों को अनफ्रेंडली एक्ट बताया है और कहा है कि इससे रूस और अमेरिका के बीच संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा । पुतिन ने कहा है कि इन प्रतिबंधों का रूस पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा । पुतिन ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर रूस पर अमेरिकी टोमहॉक मिसाइलों से हमला किया गया, तो जवाब बहुत मजबूत होगा । रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रतिबंध रूस-यूक्रेन संघर्ष की समाप्ति को बातचीत की संभावनाओं को कम करेंगे ।

अमेरिका रूस से यह चाहता है

अमेरिका रूस से चाहता है कि वह यूक्रेन पर हमला बंद करे और अपने सैनिकों को वापस बुलाए । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन मुद्दे पर रूस के साथ समझौता करने की इच्छा जताई है, लेकिन यूक्रेन की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने पर जोर दिया है । ट्रंप ने कहा है कि वह यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौते के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन दोनों पक्षों को अपनी सहमति देनी होगी ।

भारत पर बड़ा दबाव

ट्रंप प्रशासन ने भारत को चेतावनी दी है कि वह रूस से तेल खरीदना जारी रखता है, तो उसे आर्थिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं । भारत के लिए यह एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से तेल खरीदता है । भारत ने रूस से तेल खरीदने का फैसला अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हित में लिया है, लेकिन अमेरिका के दबाव का सामना करना उसके लिए मुश्किल हो रहा है ।

जटिल मुद्दा, कई पक्षों के हित शामिल

अमेरिका-रूस विवाद और भारत के लिए चुनौतियां एक जटिल मुद्दा है, जिसमें कई पक्षों के हित शामिल हैं । भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हितों को ध्यान में रखते हुए अमेरिका के दबाव का सामना करना होगा और अपनी द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए काम करना होगा ।

वर्ल्ड ब्रीफ

लंदन में ईयू नेताओं से मिलेंगे जेलेंस्की

लंदन । यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की शुक्रवार को 20 से अधिक यूरोपीय नेताओं के साथ वार्ता के लिए लंदन में होंगे । इन नेताओं ने तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को रोकने के लिए संघर्षविराम होने पर यूक्रेन को भविष्य में रूस की आक्रामकता से बचाने के लिए सैन्य सहायता देने का वादा किया है । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर द्वारा आयोजित इस बैठक में सर्दियों के आगमन के साथ रूस द्वारा लगभग हर दिन किए जाने वाले ड्रोन और मिसाइल हमलों से यूक्रेन की विद्युत ग्रिड की सुरक्षा करने में मदद के तरीकों पर भी चर्चा की जाएगी । इसके साथ ही यूक्रेनी हवाई सुरक्षा को मजबूत करने और कीव को रूस के अंदर तक हमला करने में सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति करने पर भी चर्चा की जाएगी ।

कनाडा : दिवाली पर जारी किया डाक टिकट

ओटावा । कनाडा पोस्ट ने देश के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने का जश्न मनाने के लिए दिवाली की थीम पर आधारित एक नया डाक टिकट जारी किया है । ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दिवाली के उपलक्ष्य में पारंपरिक रंगोली वाला डाक टिकट जारी करने के लिए 'कनाडा पोस्ट' का आभार जताया । 'कनाडा' पोस्ट ने कहा कि दीपावली न सिर्फ कनाडा, बल्कि दुनियाभर में हिंदुओं, सिखों, बौद्ध, जैनियों और अन्य समुदायों द्वारा मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है तथा इस अवसर पर देश की सांस्कृतिक विविधता को मान्यता देते हुए एक डाक टिकट जारी कर हमें गर्व महसूस हो रहा है ।

पाकिस्तान में आठ आतंकवादी मारे गए

पेशावर । पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को खुफिया सूचना पर आधारित एक अभियान के दौरान टीटीपी के आठ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए । पुलिस ने बताया कि यह अभियान लक्की मारवात जिले के वांडा शेख अल्लाह इलाके में चलाया गया । जिसमें प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आठ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए । एक अन्य घटना में, शुक्रवार को दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगे टैंक जिले में अज्ञात हमलावरों ने विस्फोट कर एक नवनिर्मित सरकारी बालिका प्राथमिक विद्यालय भवन को उड़ा दिया । घटना सियाल गुल कोरोना के गारा बुड्ढा गांव में हुई । इस विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ ।

अमेरिका का दावा, भारत ने रूस से तेल आयात कम करना शुरू किया

व्हाइट हाउस ने कहा-राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध के बाद ही भारत ने ऐसा किया

वाशिंगटन, एजेंसी

व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुरोध पर रूस से तेल आयात को कम करना शुरू कर दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर आप रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को देखें, तो वे काफी सख्त हैं। वह यह बात रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर बुधवार को लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के संदर्भ में कह रही थीं। ये प्रतिबंध रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच मॉस्को के प्रमुख राजस्व स्रोतों को सीमित करने के प्रयास का हिस्सा हैं। लेविट ने कहा, मैंने कुछ अंतर्राष्ट्रीय खबरें देखी हैं जिनमें कहा गया है कि चीन रूस से तेल की खरीद घटा रहा है; हमें पता है कि भारत ने भी राष्ट्रपति के अनुरोध पर ऐसा किया है।

उन्होंने बताया कि वाशिंगटन ने अपने यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात घटाने का आग्रह किया है, जिसे उन्होंने मॉस्को के युद्ध-वित्तपोषण चैनलों के खिलाफ एक पूर्ण दबाव अभियान बताया। अमेरिकी प्रशासन पिछले कुछ दिनों से दावा कर रहा है कि भारत ने रूस से तेल आयात में उल्लेखनीय कमी लाने का आश्वासन दिया है।

- वाशिंगटन का यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात घटाने का आग्रह

भारत हालांकि लगातार यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति उसके राष्ट्रीय हितों द्वारा निर्देशित होती है विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए कि उसके उपभोक्ताओं को सस्ती और सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति मिले। अमेरिका का कहना है कि रूस से कच्चा तेल खरीदकर भारत, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन युद्ध के लिए आर्थिक सहायता दे रहा है। भारत और अमेरिका के बीच बीच संबंध हाल के दिनों में तनावपूर्ण हो गए हैं, खासकर तब जब ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर शुल्क दोगुना, 50 प्रतिशत तक कर दिया, जिसमें रूस से तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है। भारत ने इस अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अविवेकी बताया है।

लेविट ने कहा कि ट्रंप ने पहले ही संकेत दिया था कि वह रूस के खिलाफ उचित और आवश्यक समय आने पर कार्रवाई करेंगे और कल वही दिन था। उन्होंने कहा कि ट्रंप काफी समय से पुतिन के प्रति नाराज़गी व्यक्त करते रहे हैं क्योंकि पुतिन शांति समझौते की दिशा में पर्याप्त रुचि या पहल नहीं दिखा रहे थे। ट्रंप और पुतिन की इस वर्ष के अंत में हंगरी में बैठक प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। लेविट ने कहा कि बैठक पूरी तरह से टली नहीं है।

भारतीय रिफाइनरी पश्चिम एशिया से अधिक तेल खरीदेंगी, अमेरिका ले सकता है रूस की जगह

नई दिल्ली । दो रूसी तेल उत्पादक कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रूस से कच्चे तेल आयात में होने वाली कमी की भरपाई के लिए पश्चिम एशिया, लातिन अमेरिका और अमेरिका से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा सकती हैं । सूत्रों और विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है । अमेरिकी सरकार ने 22 अक्टूबर को रूस के दो सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर प्रतिबंध लगा दिए । सभी अमेरिकी संस्थाओं और व्यक्तियों को इन कंपनियों के साथ व्यापार करने से रोक दिया गया है । इस समय भारत के कच्चे तेल आयात में लगभग एक तिहाई हिस्सा रूस का है । रूस ने भारत को वर्ष 2025 में औसतन लगभग 17 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का निर्यात किया । इसमें से लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन तेल सीधे रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से आया । इनमें से ज्यादातर तेल निजी रिफाइनरी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी ने खरीदा था । सरकारी रिफाइनरी कंपनियों की इसमें कम हिस्सेदारी ही रही है । केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा कि 21 नवंबर तक रूसी कच्चे तेल की आवक 16-18 लाख बैरल प्रतिदिन के दायरे में रहने की उम्मीद है, लेकिन उसके बाद रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से सीधे आयात में गिरावट आ सकती है । जाहिर है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों के किसी भी जोखिम से बचना चाहती हैं ।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों की तत्काल आवश्यकता : जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि वैश्विक निकाय का कामकाज अवरुद्ध हो गया है। भारत ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकवादी संगठन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बचाने संबंधी पाकिस्तान के प्रयासों का हवाला देते हुए यह टिप्पणी की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वैश्विक रणनीति के नाम पर आतंकवाद के पीड़ितों और गुनाहगारों की तुलना करने वालों की भी आलोचना की। उन्होंने यह टिप्पणी भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तौलने की प्रवृत्ति की ओर इशारा करते हुए की, खासकर हाल में हुए आतंकवादी हमले के संदर्भ में। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि संयुक्त राष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं है क्योंकि संयुक्त राष्ट्र में होने वाली बहसें अब बहुत ज्यादा बंटी हुई हैं और उसका कामकाज साफ तौर पर रुका हुआ दिख रहा है।

जयशंकर ने कहा कि किसी भी सार्थक सुधार को उसकी अपनी प्रक्रिया के जरिए ही रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को बनाए रखना तथा इसके पुनर्निर्माण की मांग करना स्पष्ट रूप से विश्व के समक्ष एक बड़ी चुनौती है। जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के प्रति संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया से ज्यादा, कुछ उदाहरण संयुक्त राष्ट्र के सामने मौजूद चुनौतियों को दर्शाते हैं। जब सुरक्षा परिषद का एक वर्तमान सदस्य उसी संगठन का खुलेआम बचाव करता है जिसने पहलगाम जैसे बर्बर आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली है, तो इससे बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता पर क्या असर पड़ता है? जयशंकर ने हालांकि सीधे तौर पर पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी से यह स्पष्ट था कि वह उसी देश का उल्लेख कर रहे थे।

लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकवादी समूह से जुड़े 'द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली थी। जुलाई में यूएनएससी की रिपोर्ट में पहलगाम हमले में टीआरएफ की भूमिका का उल्लेख किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान ने पहलगाम हमले की निंदा करने वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रेस वक्तव्य में टीआरएफ का उल्लेख हटाने का प्रयास किया था। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ज्वलंत मुद्दों का समाधान करने में विफल रहा है।

संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्ष पूरे होने पर स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए विदेश मंत्री ।

- विदेशमंत्री बोले-अवरुद्ध हो गया है वैश्विक निकाय का काम
- यूएन की 80वीं वर्षगांठ पर कहा-संयुक्त राष्ट्र में सब ठीक नहीं

पीड़ितों-अपराधियों को एक श्रेणी में रखना निंदनीय

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को एक ही श्रेणी में रखना दुनिया को और अधिक निंदनीय बना देता है । जब खुद को आतंकवादी कहने वालों को प्रतिबंधों से बचाया जाता है, तो इसमें शामिल लोगों की ईमानदारी पर सवाल उठता है । पाकिस्तान वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य है । जुलाई में वह इस शीर्ष वैश्विक संस्था का अध्यक्ष था ।

पाकिस्तान में महिला का खुला अधिकार बरकरार

इस्लामाबाद, एजेंसी

- पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला

पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 'खुला' के माध्यम से वैवाहिक संबंध समाप्त करने के एक महिला के अधिकार को बरकरार रखा और मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहार को तलाक के लिए एक वैध आधार के रूप में मान्यता दी है।

खुला एक इस्लामी अवधारणा है जो विवाह विच्छेद के महिला के अधिकार को मान्यता देती है। यह तलाक के विपरीत है जो पुरुष को यह अधिकार प्रदान करता है। उच्चतम न्यायालय की दो महिला न्यायाधीशों में से एक न्यायमूर्ति आयशा ए मलिक ने यह निर्णय लिखा जिसे शुक्रवार को न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। यह फैसला एक महिला द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान दिया गया जिसने पेशावर उच्च न्यायालय (पीएचसी) द्वारा उसके विवाह विच्छेद के दावे को खारिज किए जाने के निर्णय को चुनौती दी थी। पीएससी ने इस आधार पर उसके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया कि उसके पति की सहमति आवश्यक है और सुलह के सभी प्रयास अभी नहीं किए गए हैं।

गाजा शांति समझौता स्थिरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने हाल ही में हस्ताक्षरित गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया में स्थिरता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया और पुनः दोहराया कि दो-राष्ट्र समाधान ही इजराइल और फलस्तीन के बीच स्थायी शांति स्थापित करने का एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गुरुवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर आयोजित त्रैमासिक खुली बहस में, विश्व निकाय में भारत के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत पार्वतनेनी हरीश ने कहा कि भारत की हार्दिक इच्छा है कि एक स्थिर और शांतिपूर्ण पश्चिम एशिया का सपना साकार हो... वंचना और अपमान किसी के दैनिक जीवन का हिस्सा नहीं होना चाहिए; संघर्ष के कारण निर्दोष नागरिकों की जान नहीं जानी चाहिए।

- दो राष्ट्र समाधान से ही इजराइल-फलस्तीन में स्थायी शांति : भारत

उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में अपने योगदान के लिए पूरी तरह तैयार है। हरीश ने आशा व्यक्त की कि इस महीने की शुरुआत में शर्म अल-शेख में आयोजित शांति सम्मेलन से उत्पन्न सकारात्मक कूटनीतिक गति क्षेत्र में स्थायी शांति की ओर अग्रसर होगी। उन्होंने इस ऐतिहासिक शांति समझौते का स्वागत करते हुए अमेरिका, विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की सराहना की और मिस्र तथा कतर के योगदान की भी प्रशंसा की। भारत की पुरानी नीति दोहराते हुए उन्होंने कहा कि दो-राष्ट्र समाधान ही एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है। अब समय है कि सभी पक्ष चल रही शांति प्रक्रिया का समर्थन करें, न कि उसे बाधित करें। भारत लंबे समय से एक स्वतंत्र, संप्रभु और सक्षम फलस्तीनी राष्ट्र का समर्थन करता आया है, जो सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर इजराइल के साथ शांति के साथ रहे और सुरक्षित रहे। हरीश ने कहा कि संवाद और कूटनीति ही शांति का रास्ता हैं। अमेरिका की यह ऐतिहासिक पहल शांति की दिशा में कूटनीतिक गति लेकर आई है और सभी पक्षों को अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए। भारत किसी भी एकतरफा कदम का दृढ़ता से विरोध करता है।

फलस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन

फलस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करते हुए हरीश ने पिछले महीने दो-राष्ट्र समाधान के क्रियान्वयन पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र उच्चस्तरीय सम्मेलन का हवाला दिया, जिसमें आगे की राह पर बल दिया गया था । मानवीय मोर्चे पर उन्होंने कहा कि भारत ने अब तक 17 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सहायता फलस्तीन को दी है, जिसमें चार करोड़ डॉलर के चल रहे प्रोजेक्ट और पिछले दो वर्षों में 135 मीट्रिक टन दवाएं एवं राहत सामग्री शामिल हैं । हरीश ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सहयोग के बिना फलस्तीनी लोग अपना जीवन नए सिरे से शुरु नहीं कर सकते हैं । उन्होंने निवेश और रोजगार के अनुकूल आर्थिक ढांचे के निर्माण का आह्वान किया । उन्होंने कहा कि फलस्तीनी मोर्चे पर शांति और स्थिरता का प्रभाव व्यापक क्षेत्र पर पड़ता है... वार्ता जारी रहनी चाहिए और संवाद एवं कूटनीति की प्रभावशीलता पर अटूट विश्वास बनाए रखना आवश्यक है ।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 अक्टूबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 26 अक्टूबर 03 .48 तक तत्पश्चात पंचमी ।

आज का पंचांग

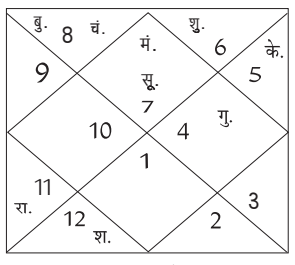

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत ।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती ।
नक्षत्र- अनुराधा 07 .51 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा ।

मेष — आज सोच-समझकर ही धन संबंधी निर्णय लें । खानपान में शुद्धता का ध्यान रखना आवश्यक होगा । राजनीति से जुड़े लोगों को सावधान रहना चाहिए । अनैतिक कृत्यों की ओर प्रेरित हो सकते हैं । अपने शुभचिंतकों की सलाह को अन्यथा न लें ।

वृष — आज आपकी योजना सफल होगी । विवादों को सुलझा सकते हैं । घर में कुछ मेहमानों का आगमन हो सकता है । कार्यक्षेत्र में सकारात्मक परिणाम मिलने से मन प्रसन्न रहेगा । जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा । दिनचर्या थोड़ी असामान्य हो सकती है ।

मिथुन — आज नकारात्मक आदतों को छोड़ने का प्रयास करें । अपनी योजनाओं को लोगों के सामने साझा न करें । लोग आपके भोलेपन का लाभ उठा सकते हैं । आप दूसरों की सहायता करने की पूरी कोशिश करेंगे । घर का वातावरण अनुशासित रहेगा ।

कर्क — आज कारोबार को लेकर अधिक तनाव न लें । उधार लेन-देन को लेकर थोड़ी समस्या होगी । अपनी क्षमता और योग्यता पर संदेह न करें । आलस्य में अपना समय बर्बाद न करें । प्रेम संबंधों को लेकर थोड़े गंभीर रहें ।

सिंह — आज यदि घर बेचना चाह रहे हैं, तो आपको शुभ परिणाम मिलने की संभावना है । विरोधी आपकी आलोचना कर सकते हैं । कुछ लोग आपका मूड खराब करने का प्रयास करेंगे । उच्च शिक्षा को लेकर काफी मेहनत करेंगे ।

कन्या — आज काम के प्रति एकाग्रता में वृद्धि होगी । आपकी समस्याओं का समाधान आपको मिल सकता है । आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे । उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा कर सकते हैं । रिश्तेदारों से शुभ समाचार मिलने की संभावना है ।

तुला — आज आपको अनावश्यक खर्च करने से बचना चाहिए । लोग आपकी बातों का गलत मतलब न निकालें इसका ध्यान रखें । कला जगत से जुड़े लोगों को बड़े मौके मिल सकते हैं । यदि सर्दी-खांसी से पीड़ित हैं, तो तुरंत उसका इलाज करवाएं ।

वृश्चिक — आज साझेदारी वाले व्यापार में अच्छा लाभ हो सकता है । फिलहाल वर्तमान के कार्यों में ही ध्यान दें । भविष्य की योजना न बनाएं । विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे । आप रोमांचक कार्यों में रुचि ले सकते हैं । कारोबार की स्थिति में सुधार होगा ।

धनु — आज नौकरी में अचानक स्थान परिवर्तन से परेशान हो सकते हैं । भूमि संबंधित मामलों में अड़चन आने की संभावना है । आदर्शवादी होने से आपको बचना चाहिए । लोग आपको धोखा दे सकते हैं । जीवनसाथी के साथ संबंध प्रभावित हो सकते हैं ।

मकर — आज पुराने रोग से मुक्ति मिलने के अच्छे योग हैं । अपना खानपान अत्यंत संतुलित रखें । सभी काम सही समय पर पूर्ण हो जाएंगे । आपकी सलाह से लोगों को बहुत लाभ होगा । प्रेम संबंधों को परिवार से स्वीकृति मिल सकती है ।

कुंभ — आज लोग आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे । स्वास्थ्य थोड़ा नरम सा हो सकता है । लंबित योजनाओं को क्रियान्वित करने में सरलता होगी । परिवार में थोड़ा काम की अधिकता रहेगी । पिताजी अथवा गुरुजनों के साथ किसी गंभीर मुद्दे पर चर्चा हो सकती है ।

मीन — आज बनते हुए कार्यों में विघ्न आने की आशंका है । अध्यात्मिक चिंतन को आप समय देंगे । बुजुर्गों के व्यवहार से आप आहत हो सकते हैं । व्यापारिक यात्रा के लिए जाना पड़ सकता है । अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित कर लें ।

सुडोकू-140

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है । जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है । सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं । इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है । कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए । एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए ।

	4	6						
		7	5					4
		9		2		8		
4						7		8
			3		7			
5		8						2
		4		6		3		
8		3			9	4		6
	1					9	8	

सुडोकू - 139 का हल

8	7	9	2	4	6	1	3	5
6	5	3	7	9	1	4	8	2
1	2	4	3	8	5	6	9	7
4	8	2	5	7	9	3	6	1
5	3	1	6	2	8	7	4	9
7	9	6	1	3	4	2	5	8
9	1	7	4	5	3	8	2	6
3	6	5	8	1	2	9	7	4
2	4	8	9	6	7	5	1	3

एक्सपीरियंस सेंटर शतरंज को अधिक आकर्षक, इंटरैक्टिव और ग्लोबल बनाने की दिशा में अगला कदम है। मुझे यह देखकर गर्व है कि टेक महिंद्रा खेल के विस्तार और अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए टेक्नोलॉजी का कैसे प्रयोग कर रहा है।

विश्वनाथन आनंद

स्टेडियम

बरेली, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पंजाब एफसी ने पाब्लो से किया अनुबंध

मोहाली : पंजाब एफसी ने इस सप्ताहांत गोवा में शुरू होने वाले सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट से पहले शुक्रवार को ब्राजील के अनुभवी सेंटर बैक पाब्लो रेनन डॉस सैंटोस को एक साल के अनुबंध पर टीम में शामिल किया। इस 33 वर्षीय खिलाड़ी को विश्व भर की कई फुटबॉल लीग में खेलने का व्यापक अनुभव है और उनकी मौजूदगी से पंजाब एफसी की टीम की रक्षा पंक्ति को मजबूती मिलेगी। पंजाब की टीम से जुड़ने के बारे में पाब्लो ने कहा कि पंजाब एफसी की टीम का इस सत्र में काफी व्यस्त कार्यक्रम है और मैं यहां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार हूं। मैं चुनौती के लिए तैयार हूं।

अली तरीन ने पीसीबी का कानूनी नोटिस फाड़ा

कराची : पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) की फ्रेंचाइजी मुल्तान सुल्तांस के मालिक अली तरीन ने रिकॉर्डेड वीडियो में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा उन्हें भेजे कानूनी नोटिस को फाड़ दिया, जिसमें उनकी टीम का अनुबंध समाप्त करने की धमकी दी गई थी। अली तरीन और पीसीबी के बीच विवाद अब सार्वजनिक रूप से सामने आ गया है। गुरुवार को इसका खुलासा हुआ कि पीसीबी ने इस फ्रेंचाइजी को कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें कहा गया है कि वह पीएसएल के संचालन के तरीके की आलोचना करने पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे तथा ऐसा नहीं करने पर उनका फ्रेंचाइजी अनुबंध रद्द कर दिया जाएगा।

जडेजा की मौजूदगी से मध्य प्रदेश के खिलाफ सौराष्ट्र मजबूत स्थिति में

रणजी ट्रॉफी

राजकोट, एजेंसी

सौराष्ट्र की टीम रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी के दूसरे दौर के मैच में शनिवार को जब मध्य प्रदेश के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो शानदार लय में चल रहे अनुभवी हरफनमौला रविंद्र जडेजा की मौजूदगी से टीम का मनोबल काफी ऊंचा होगा। जडेजा की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी निरंजन शाह स्टेडियम की पिच पर सौराष्ट्र की गेंदबाजी को मजबूती देगी, जहां पिछले सप्ताह कर्नाटक के खिलाफ पहले दौर के मैच में स्पिनरों ने 31 विकेट चटकाए थे।

चेतेश्वर पुजारा के संन्यास के बाद सौराष्ट्र का मध्यक्रम पिछले मैच में कमजोर नजर आया, लेकिन जडेजा की मौजूदगी से टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। जडेजा शानदार लय में चल रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड में पांच मैचों की श्रृंखला में बल्लेबाजी से प्रभावित करने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नाबाद 104 रन की पारी खेली। मध्य प्रदेश को उम्मीद होगी कि पंजाब के खिलाफ नाबाद 205 रन की पारी खेलने वाले कप्तान रजत पाटीदार के साथ वेंकटेश अय्यर और यश दुबे बल्ले से योगदान देना जारी रखेंगे। सौराष्ट्र चाहेगा कि हार्विक देसाई, प्रेरक मांकड़ और अनुभवी अर्पित वासवडा जैसे खिलाड़ी मध्य प्रदेश की गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करें। मध्यप्रदेश की उम्मीदें स्पिनर कुमार कार्तिकेय, शुभम शर्मा और सारांश जैन पर टिकी होंगी जिसने पंजाब के बल्लेबाजों को परेशान किया था।

रविंद्र जडेजा

ग्रुप के अन्य मैचों में कर्नाटक की टीम गोवा के खिलाफ जीत का खाता खोलने को जोर लगाएगी। कर्नाटक अपने पहले मैच में सौराष्ट्र के खिलाफ मामूली अंतर से बढ़त लेने से चूक गया था। कप्तान मयंक अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, करुण नायर और आर स्मरण की मौजूदगी से कर्नाटक की टीम कागजों पर मजबूत दिख रही है लेकिन गोवा के पास भी ललित यादव, दर्शन मिसल और सुयश प्रभुदेसाई जैसे खिलाड़ी है जो इस टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। ग्रुप बी के अन्य मैचों में पिछले साल के उपविजेता केरल के सामने पंजाब की चुनौती होगी जबकि चंडीगढ़ का समाना महाराष्ट्र से होगा।

हिमाचल के खिलाफ पूरे अंक हासिल करना चाहेगी दिल्ली

नई दिल्ली। आत्मविश्वास से लबरेज दिल्ली की टीम हिमाचल प्रदेश के खिलाफ पूरे अंक हासिल करने की कोशिश करेगी, लेकिन इस बात पर बहस जारी है कि मुख्य कोच सरनदीप सिंह शनिवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच के लिए प्रतिभाशाली प्रियांश आर्य को अंतिम एकादश में चुनेंगे या नहीं। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में अजीबोगरीब चीजें होती रही हैं और भारत ए के मौजूदा क्रिकेटर को बेंच पर बैठाना उनकी शर्मनाक स्थिति में एक कड़ी हो सकती है क्योंकि इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपने अंतिम प्रतिस्पर्धी मैच में शतक जड़ा था। दिल्ली और हिमाचल दोनों ने अपने शुरुआती मुकाबले में तीन-तीन अंक हासिल किए थे। कोटला अक्टूबर में रणजी मैचों की मेजबानी कम ही करता है इसलिए पिच सपाट और धीमी रहने की उम्मीद है। उसी तरह रन बनने की उम्मीद है जैसे हैदराबाद में मेजबान टीम के मैच में सनत सांगवान और पदार्पण कर रहे आयुष दोसेजा ने दोहरे शतक लगाए थे। दिल्ली इस मैच में दावेदार के रूप में उतरेगी क्योंकि हिमाचल प्रदेश मजबूत प्रतिद्वंद्वी नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए सरफराज को भारत ए की जरूरत नहीं: शार्दुल

मुंबई। मुंबई के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने कहा कि सरफराज खान को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के दौरे या शृंखला की जरूरत नहीं है, क्योंकि मध्यक्रम का यह बल्लेबाज घरेलू क्रिकेट में रन बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी कर सकता है। भारत के लिए 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट टेस्ट में पदार्पण करने वाले सरफराज ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन उसके बाद से उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के लिए छह टेस्ट खेल चुके 28 वर्षीय सरफराज को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की शृंखला के लिए नजरअंदाज किया गया है। सरफराज ने अपना पिछला टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में खेला था। शार्दुल ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ घरेलू मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि भारत ए टीम में ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें वे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार करना चाहते हैं। सरफराज को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के मैच की जरूरत नहीं है। अगर वह फिर से रन बनाने लगे, तो वह सीधे टेस्ट टीम में शामिल हो सकते हैं। मुंबई के रणजी सत्र के मैच में जम्मू कश्मीर के खिलाफ अच्छी शुरुआत को भुनाने में नाकाम रहे सरफराज़ का शारदुल ने बचाव करते हुए कहा कि वह चोट के बाद वापसी कर रहे हैं, लेकिन इससे पहले, उन्होंने बुची बाबू ट्रॉफी में चोटिल होने से पहले दो-तीन शतक लगाए थे।

सरफराज खान

शाहबाज की वापसी, बारिश के खतरे के बीच बंगाल की नजरें दूसरी जीत पर

कोलकाता। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाहबाज अहमद की वापसी से उत्साहित बंगाल शनिवार को रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच में गुजरात के खिलाफ दूसरी जीत दर्ज करने की कोशिश करेगा। हालांकि चौथे दिन बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने निम्न दबाव मंगलवार तक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और कोलकाता में भारी बारिश का अनुमान है। स्पोर्ट्स हर्निया और बंगाल प्रो टी20 लीग के दौरान लगी कंधे की चोट से उबरने के बाद शाहबाज नवंबर 2024 के बाद पहली बार मैदान पर उतरेंगे। वह पिछली बार इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेले थे। उनके शामिल होने से टीम को संतुलन प्रदान करने की उम्मीद है जिससे बंगाल की बल्लेबाजी को जरूरी गहराई मिलेगी। शाहबाज ने मैच से पहले नेट्स पर लंबे समय तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी की। गुजरात के खिलाफ मैच में युवा स्पिन ऑलराउंडर विशाल भाटी की जगह उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किए जाने की संभावना है। मुख्य कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने कहा कि शाहबाज की वापसी से टीम का संतुलन निश्चित रूप से मजबूत होगा। वह गुजरात के खिलाफ अच्छी भूमिका निभा पाएंगे। शाहबाज के आने से बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी जिसकी अगुवाई भारत के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी मोहम्मद शमी और आकाश दीप कर रहे हैं। शमी ने पिछले मैच में बंगाल को उत्तराखंड पर आठ विकेट से जीत दिलाई थी। उन्होंने मैच में सात विकेट लिए और आकाश, ईशान पोरेल और सूरज जायसवाल के साथ मिलकर एक मजबूत तेज गेंदबाजी चौकड़ी बनाई। हालांकि पहली पारी में शमी लय में नहीं थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने वापसी की और गेंद को स्विंग और रिवर्स स्विंग कराया जिससे बंगाल को छह अंक मिले।

ऑस्ट्रेलिया में संभवत: रोहित-कोहली का अंतिम मैच

गेंदबाजी की पहेली सुलझाकर वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप से बचना चाहेगा भारत, लेकिन आंकड़े पक्ष में नहीं

- गंभीर को कप्तान शुभमन गिल और कोहली से बड़ी पारियों की दरकार

सिडनी, एजेंसी

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और उनके साथी रोहित शर्मा शनिवार को यहां जब तीसरे और अंतिम वनडे मैच में खेलने के लिए उतरेंगे तो भावनाओं का ज्वार चरम पर हो सकता है क्योंकि यह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर इन दोनों का संभवतः अंतिम मैच होगा। रोहित ने दूसरे वनडे में 97 गेंदों पर 73 रन बनाकर कुछ राहत की सांस ली है, लेकिन कोहली दोनों मैच में खाता खोलने में असफल रहे।

यह वनडे क्रिकेट में पहला अवसर है जबकि वह लगातार जो मैच में खाता नहीं खोल पाए। इसने उनके प्रशंसकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या यह अंत की शुरुआत है। रोहित पहली बार 2007-08 में वन डे श्रृंखला के लिए यहां आए थे जबकि कोहली का सीनियर टीम के साथ पहला दौरा 2011-12 में था जब उन्होंने एडिलेड में टेस्ट शतक लगाकर अपना प्रभाव छोड़ा था। अगले दो वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में कोई वनडे श्रृंखला नहीं होने से यह सोचना असंभव है कि यह जोड़ी फिर भारत की तरफ से ऑस्ट्रेलिया में खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने वर्तमान श्रृंखला के पहले दोनों मैच जीत कर सीरीज अपने नाम कर दी है, लेकिन कोहली और रोहित की मौजूदगी से तीसरा वनडे मैच क्रिकेट प्रेमियों के लिए महत्वपूर्ण बन गया है।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर मौजूद दर्शक इन दोनों से अच्छी पारी की उम्मीद करेंगे। यह मैच इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि गौतम गंभीर की कोचिंग वाली भारतीय टीम 0-3 से क्लीन स्वीप से बचना चाहती है, लेकिन आंकड़े भारतीय टीम के पक्ष में नहीं हैं। उसने यहां जो पिछले पांच वनडे मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में जीत मिली है।

कप्तान शुभमन गिल और कोहली दोनों से बड़ी पारी दरकार है और गंभीर को अंतिम मैच में दोनों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दो मैचों में पराजित होने वाली भारतीय टीम गेंदबाजी के अपने संसाधनों के साथ समझौता करने की कीमत पर बल्लेबाजी को मजबूत करने की रणनीति पर फिर से विचार करना चाहेगी क्योंकि कुलदीप यादव जैसे मैच विजेता खिलाड़ी को नजरअंदाज करना टीम के लिए अभी तक अच्छा साबित नहीं हुआ है। भारत ने अब तक स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर पर डाली है जो अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, लेकिन यह दोनों गेंदबाजी में प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को उन्हें खेलने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई है। भारत का वर्तमान टीम प्रबंधन ऑलराउंडर को प्राथमिकता देता रहा है लेकिन नीतीश रेड्डी जैसे बल्लेबाज को आठवें नंबर पर उतारना सही रणनीति नहीं लगती है। गेंदबाजी में भी वह प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। हर्षित राणा के मामले में, दूसरे और तीसरे स्पैल में उनकी गति में आई उल्लेखनीय गिरावट इस बात का प्रमाण है कि वह अभी अंतरार्ष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। उनकी जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में शामिल किया जाना चाहिए। जहां तक ऑस्ट्रेलियाई टीम का सवाल है, तो उसने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए तैयारी शुरू कर दी है। मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल ओवेन और कूपर कोनोली जैसे खिलाड़ियों ने दबाव वाली परिस्थितियों में सही रणनीति तैयार करने और उस पर अमल करने के अपने कौशल का परिचय दिया है। ऑस्ट्रेलिया इस मैच के लिए मैट कुहनेमैन को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है जिन्होंने पहले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी।

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी (विकेट कीपर), जोस इंग्लिस (विकेट कीपर), कूपर कोनोली, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जैक एडवर्ड्स, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा, मैट कुहनेमैन।

-मैच पूर्वाह्न 9 बजे।

कुलदीप यादव की वापसी पर रहेंगी नजरें

सिडनी। पर्थ और एडिलेड में हार झेलने के बाद भारत जब सिडनी में सम्मान बचाने उतरेगा तो बड़ा सवाल ये है कि भारत एकदाश में कोई बदलाव करता है या नहीं। हालांकि पर्थ में मिली हार के बाद भी एडिलेड में भारत ने बदलाव नहीं किया था, लेकिन संभव है कि तीसरे मैच में भारत की प्लेइंग इलेवन में बदलाव दिखे। वहीं, भारत ने दोनों मैचों में कुलदीप यादव का रुख नहीं किया है। इस बात को लेकर चर्चा है कि भारत को कुलदीप के रूप में आक्रामक विकल्प के साथ जाना चाहिए या फिर ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को देखते हुए बल्लेबाजी में गहराई सुनिश्चित करना ही बेहतर है। क्या भारत अपने तेज गेंदबाज़ी आक्रमण को भी धार देने की योजना बनाएगा और प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम वनडे के एकादश मे जगह मिलेगी।

भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से हटा पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान ने नवंबर-दिसंबर में भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से नाम वापस ले लिया है। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने इसकी पुष्टि की। एफआईएच ने कहा कि 28 नवंबर से 28 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

एफआईएच ने कहा कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने एफआईएच को सूचित किया कि उनकी टीम भारत के तमिलनाडु में होने वाले हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था। इस प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द होगी। पाकिस्तान को ग्रुप बी में भारत, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया है और यह देखना बाकी है कि कौन सी टीम उनकी जगह लेती है। यह भारत में होने वाला दूसरा टूर्नामेंट है, जिसमें पाकिस्तान ने भाग नहीं लेने का फैसला किया है। इससे पहले वह इस वर्ष 29 अगस्त से सात सितम्बर तक बिहार के राजगीर में खेले गए पुरुष एशिया कप से भी हट गया था। पहलगाम हमले और भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के रूप में की कार्रवाई से दोनों देशों के बीच खेल संबंध प्रभावित हैं। भारत ने हाल ही में नई नीति की घोषणा की, जिसके तहत वह पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेगा, लेकिन बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उसके साथ प्रतिस्पर्धा करना जारी रखेगा। एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से मना कर दिया था।

- एफआईएच बोला- चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए नई टीम की घोषणा जल्द

हॉकी इंडिया को घटना की जानकारी नहीं

हॉकी इंडिया ने कहा कि उसे पाकिस्तान के हटने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, हमें एफआईएच से कोई सूचना नहीं मिली कि पाकिस्तान ने नाम वापस ले लिया है। मैंने डेढ़ महीने पहले पाकिस्तान हॉकी महासंघ के अधिकारियों से बात की थी और उन्होंने भागीदारी की पुष्टि की थी। इसके बाद क्या हुआ, मुझे जानकारी नहीं है। हमारा कर्तव्य मेज़बान होने के नाते सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट आयोजित करना है और उम्मीद है कि भारत ख़िताब जीतेगा। पाकिस्तान के स्थान पर किसी टीम की घोषणा करना एफ़आईएच पर निर्भर है।

बारिश से श्रीलंका-पाकिस्तान मैच रद्द

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को आईसीसी महिला विश्व कप मैच बारिश से रद्द कर दिया गया। इस मैदान पर 11 में यह पांचवां मैच है जो बारिश से बिना किसी नतीजे के समाप्त हुआ है, जिससे टूर्नामेंट की योजना पर सवाल उठ रहे हैं।

बारिश रुकने के बाद टॉस हुआ और पाकिस्तान ने 4.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए 18 रन बनाए थे। इसके बाद फिर बारिश आ गई। इससे पहले बारिश से टॉस में तीन घंटे से ज्यादा की देरी के बाद मैच 34-34 ओवर का हुआ था। इस समय पूर्वोत्तर मानसून इस क्षेत्र में दस्तक देता है, फिर भी आयोजक तय कार्यक्रम के अनुसार चले। रद्द हुए मैचों ने श्रीलंका की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को प्रभावित किया क्योंकि मेजबान टीम एक जीत, तीन हार और बारिश से तीन रद्द मैचों से पांच अंक लेकर आठ टीमों की तालिका में पांचवें स्थान पर रही। पाकिस्तान ने सात मैचों में बिना किसी जीत के अभियान का अंत किया। उसं चार मैच में हार और तीन बेनतीजा रहे। टॉस में तीन घंटे से ज्यादा की देरी हुई क्योंकि तेज हवाओं और बार-बार पिच के निरीक्षण के बीच मैदानकर्मी कवर्स लेकर इधर-उधर भागते रहे। लेकिन अंपायरों को संतुष्ट करने में नाकाम रहे। खिलाड़ी बारिश रुकने की उम्मीद करते रहे लेकिन अधिकारियों को रात 8.10 बजे मैच रद्द करना पड़ा। इस ग्रुप मैच में सभी की निगाहें श्रीलंकाई कप्तान चामरी अटापट्टू पर थीं। यह इस खिलाड़ी का आखिरी वनडे विश्व कप माना जा रहा था। हालांकि अगर यह अंत था तो यह श्रीलंकाई खिलाड़ी भारी मन से मैदान से विदा होंगी। भारत से चल रहे तनाव से पाकिस्तान के सभी मैच यहां खेले जा रहे हैं। मैच रद्द करने से पहले दोनों मैदानी अंपायरों ने क्यूरेटर और चौथे अंपायर से बात की और फिर मैदान से चले गए।

लक्ष्य, दीक्षा, शाइना एशिया अंडर-17-15 के क्वार्टर फाइनल में

चेंगदू (चीन)। भारत की लक्ष्य राजेश, दीक्षा सुधाकर और शाइना मणिमुथु ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और 15 चैंपियनशिप के लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। दीक्षा ने चीनी ताइपे की पिन हुआन चियांग को हराकर अंडर-17 के अंतिम आठ में प्रवेश किया। लक्ष्य ने कोरिया की ली युन सेओ को हराकर अंडर-17 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शाइना ने अंडर-15 प्री-क्वार्टर फाइनल में दबदबा कायम करते हुए चीन की ली मान लिन को हराया। अदिति दीपक राज और बीवी पोन्नम्मा वृद्धि ने लड़कियों के युगल वर्ग में शुरुआती गेम गंवाने के बाद कोरिया की ली युन सेओ और पार्क यू जियोंग की जोड़ी को मात दी। चरण राम थिप्पाना और हरि कृष्ण वीरमरेड्डी ने लड़कों के युगल वर्ग में जापान के कोसुके शिनोहारा और हिरोतो नाकात्सुका पर प्रभावशाली जीत दर्ज की।

उत्साह | मंधाना और रावल की जोड़ी ने 23 पारियों में 1,799 रन बनाए

मंधाना गणना में माहिर, हमारे बीच सहज बातचीत : रावल

नवी मुंबई, एजेंसी

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल को एक साथ आए हुए एक साल भी नहीं हुआ है, लेकिन उन्होंने शीर्ष क्रम में बेहद सफल जोड़ी बनाई है। इन दोनों ने गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़कर पहले विकेट के लिए 212 रन की रिकार्ड साझेदारी की जिससे भारत ने मैच डकवर्थ लुईस पद्धति से 53 रन से जीत कर महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पिछले वर्ष दिसंबर में जोड़ी बनाने के बाद से यह उनकी सातवीं तथा 2025 में पांचवीं शतकीय साझेदारी थी। मंधाना के 95 गेंदों में 105 रन और रावल के 134 गेंदों में 122 रन की बदौलत भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 340 रन का स्कोर बनाया जो इस विश्व कप में किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है।

इस जोड़ी ने 23 पारियों में 1,799 रन जोड़े हैं। रावल ने कहा कि उन दोनों के बीच अच्छी समझ है जिससे वह बड़ी साझेदारी निभाने में सफल रही हैं। रावल ने कहा कि हमारे बीच सहज बातचीत होती है। वह मुझे वह करने देती हैं जो मेरा मजबूत पक्ष है और मैं उसमें हस्तक्षेप नहीं करती जिसमें वह सर्वश्रेष्ठ हैं। जब हम बल्लेबाजी करते हैं तो पूरी बातचीत गणना पर आधारित होती है। हमें बड़ा स्कोर बनाने के लिए कितने रन बनाने होंगे। अगर हम लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो हमारी बातचीत इस पर आधारित होती है ताकि हम आसानी से लक्ष्य का पीछा कर सकें। वह गणना करने में बहुत अच्छी है और वह जो भी मुझसे कहती है, मैं उसमें शामिल होना पसंद करती हूं। हम दोनों को सहजता के साथ आगे बढ़ना पसंद है। रावल ने जेमिमा रोड्रिग्स की अपने घरेलू मैदान पर 55 गेंदों पर नाबाद 76 रन की पारी पर कहा कि उसने वो रन बनाए जिनकी हमें ज़रूरत थी। तीन मैच हारने के बावजूद टीम के प्रयास में कमी नहीं थी। रावल ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष की उंगली की चोट गंभीर नहीं है।

क्रिकेट में अग्रणी बन सकता है भारत : डिवाइन

नवी मुंबई। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने भारत से मिली हार के बाद कहा कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) को कैलेंडर में जगह मिलने से भविष्य में भारत महिला क्रिकेट में अग्रणी देश बन सकता है। अपने पांचवें विश्व कप में न्यूजीलैंड की कप्तानी करने वाली डिवाइन रविवार को वनडे से संन्यास ले लेंगी, क्योंकि उनकी टीम गुरुवार को भारत से हार के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। न्यूजीलैंड में घरेलू क्रिकेट में सुधार पर उन्होंने कहा कि हमें यथार्थवादी होना होगा कि ये चीजें रातोंरात नहीं होतीं। हम भारत की तरह नहीं हैं। हम सबसे निचले पायदान पर स्थित छोटा सा देश हैं, जिसकी आबादी पांच करोड़ है। भारत में जिस तरह से घरेलू क्रिकेट पर काम हो रहा है वह न्यूजीलैंड में हमारे काम करने के तरीके से भिन्न है।